राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 आज करिश्माई भारत के सामने दमदार दक्षिण अफ्रीका की ...

फडणवीस-उद्धव की लिफ्ट वाली गुप्त बैठक के बाद अटकलें ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 78 | नई दिल्ली, शनिवार, 29 जून, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

कर्नाटक में वैन खड़ी ट्रक से टकरायी, 13 की मौत

हावेरी। कर्नाटक में हावेरी जिले के गुंडेनहल्ली में शुक्रवार तड़के एक वैन के खड़ी ट्रक से टकरा जाने से 13 लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना करीब 03:45 बजे उस समय हुई , जब एक वैन राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के किनारे खड़ी एक ट्रक से टकरा गयी। दुर्घटना में वैन में सवार 17 यात्रियों में से 11 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घायलों को हावेरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें दो गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को आईसीयू में रख गया है।

तेलंगाना में दो लॉरी के बीच टक्कर से चार लोगों की मौत

मेडक । तेलंगाना में मेडक जिले के चेगुंटा मंडल में वाडियारम राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के दो लॉरी के बीच टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार एक लॉरी में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं दूसरी लॉरी में सवार तीन अन्य लोग घायल हो गए।घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

हेमंत सोरेन को झारखंड हाई कोर्ट से मिली जमानत

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाई कोर्ट से शुक्रवार को जमानत मिल गई। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की एकल पीठ ने जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद हेमंत सोरेन को आज जमानत दी। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की एकल पीठ ने इस मामले की सुनवाई पहले ही पूरी कर ली थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायालय ने आज इस मामले में अपना फैसला सुनाया। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 31 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय की टीम (ईडी) ने लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

नीट मुद्दे पर दोनो सदनों में विपक्ष का जोरदार हंगामा

प्रात: किरण

कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में शुक्रवार को मेडिकल शिक्षा की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के मुद्दे विपक्ष के भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित कर दी गयी। इससे पहले पूर्वाह्न 11 बजे भी इसी मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित की गयी थी।

दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से शांत रहने और तृणमूल कांग्रेस के सदस्य एस के नुरूल इस्लाम के लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने की कार्यवाही पूरी करने देने को कहा। श्री बिरला ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से कहा कि अपने दल के सदस्यों को समझायें कि उन्हें कब खड़े होना है, और कब नहीं।

श्री इस्लाम के शपथ लेने के बाद विपक्षी सदस्य पुनः शोर करने लगे। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सदस्य सदन के बीचोबीच आकर हंगामा और नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्य कह रहे थे कि विद्यार्थियों के साथ न्याय होना चाहिए। वे नारे लगा रहे थे,... विद्यार्थियों को न्याय दो, न्याय दो।... उनका कहना था कि इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा करायी जानी चाहिए। वे शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की भी मांग कर रहे थे। श्री बिरला ने सदस्यों से शांत रहने और अपनी-अपनी सीट पर जाने के कई बार कहा, लेकिन विपक्षी सदस्यों ने उनकी कोई बात नहीं सुनी। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने सदस्यों को नारेबाजी करने के लिये चुनकर यहां नहीं भेजा है। सदन और सड़क में अंतर होना चाहिए। अध्यक्ष ने हंगामे के बीच ही कुछ विधायी कार्य संपन्न करवाया।

इसी बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिये तैयार है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होने के बाद किसी भी मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को इस तरह हंगामा नहीं करना चाहिये। विपक्ष नियोजित तरीके से सदन की कार्यवाही नहीं चलाने देना चाहता है। संसदीय लोकतंत्र के लिये यह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सदस्यों अपनी बात कहने का पर्याप्त समय दिया जायेगा। सरकार हर बात का जवाब देगी।

श्री रिजिजू के वक्तव्य के बावजूद विपक्षी सदस्य नारेबाजी और हंगामा करते रहे। इस पर श्री बिरला ने कहा कि वह पुनः आग्रह करते हैं कि सदस्य अपनी-अपनी सीट पर जायें। सदन के विधायी कार्य सुचारु रूप से संचालित करने में सहयोग करें। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों से कहा, आप राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करना नहीं चाहते। इसके बाद भी विपक्षी सदस्य हंगामा करते रहे तो श्री बिरला ने सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही जब शुरू हुई तो सदस्यों ने नीट-यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने का मुद्दा उठाते हुये जोरदार हंगामा किया था। वह सदन में तत्काल इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे थे। अध्यक्ष ने इससे पहले जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाये। इस बीच विपक्षी सदस्य हंगामा करते रहे, इस पर श्री बिरला ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी थी।

नीट परीक्षा के मुद्दे पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने राज्यसभा में दिया स्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली। राज्यसभा में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने मेडिकल कॉलेज में प्रवेश से संबंधित नीट परीक्षा के पर्चे लीक होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने के लिए स्थगन प्रस्ताव दिया है। कांग्रेस के नासिर हुसैन ने गुरुवार को दिए इस नोटिस में नियम 267 के तहत मांग की है कि सदन में सभी कामकाज रोक कर पहले राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) और यूजीसी-नेट परीक्षा के मुद्दे पर चर्चा कराई जानी चाहिए। गौरतलब है कि सदन की शुक्रवार के लिए जारी विधायी काम काज की सूची में केवल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का उल्लेख किया गया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एनटीए के प्रमुख को बदलने के साथ ही पेपर लीक सभी मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा था कि पेपर लीक के मामलों में संलग्न किसी भी दोषी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने परीक्षाओं की पारदर्शिता और पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर विचार करने और उपाय खोजने की अपील की है। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा अभी बाकी है।

मोदी नीट मुद्दे पर संसद में कराएं चर्चा: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में हुई धांधली लाखों बच्चों की भविष्य के साथ खिलवाड़ है इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद में इस पर व्यापक चर्चा करनी चाहिए। गांधी ने सदन की कार्यवाही से पूर्व यहां संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि यह गंभीर मामला है और इसकी पड़ताल की जानी चाहिए लेकिन इस मुद्दे की विभिन्न पक्षों पर संसद में व्यापक स्तर पर चर्चा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कल सभी विपक्षी दल के फ्लोर लीडर्स की बैठक हुई और सभी के साथ यह सहमति बनी कि सदन में नीट के मुद्दे पर चर्चा हो। श्री गांधी ने कहा मैं प्रधानमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि यह युवाओं का मुद्दा है और इस पर उचित तरीके से चर्चा होनी चाहिए। आप भी चर्चा में शामिल हों, क्योंकि यह युवाओं का मामला है। संसद से यह संदेश जाना चाहिए कि हिंदुस्तान की सरकार और विपक्ष मिलकर छात्रों के बारे में बात कर रहे हैं।

सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार : धर्मेन्द्र

संसद में विपक्षी सांसदों के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन सब कुछ परंपरा और मर्यादा के भीतर होना चाहिए। प्रधान ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब कल राष्ट्रपति ने स्वयं अपने भाषण में परीक्षा के बारे में बात की तो इससे सरकार की मंशा का पता चलता है कि हम किसी भी मुद्दे का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी देश के युवाओं और देश के छात्रों के प्रति है। सरकार अपना पक्ष रखने के लिए तैयार है, फिर भ्रम क्या है ? उन्होंने कहा कि नीट मामले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। किसी को नहीं बख्शा जाएगा। सीबीआई ने नीट पेपर लीक से जुड़े आरोपितों की गिरफ्तारी भी शुरू कर दी है। सरकार किसी को छोड़ने वाली नहीं है।

अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से पहला जत्था रवाना

प्रात: किरण

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

जम्मू/एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के लिए भगवती नगर स्थित यात्री निवास आधार शिविर से 4,603 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। बम बम भोले और ह्यहर हर महादेवह्न के जयकारों के बीच तीर्थयात्रियों का पहला जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग के लिए रवाना हुआ।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षित यात्रा की कामना की। उन्होंने कहा, ह्यबाबा अमरनाथ जी का आशीर्वाद सभी के जीवन में शांति, खुशी और समृद्धि लाए। शनिवार को अनंतनाग में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यह 52 दिवसीय तीर्थयात्रा शुरू होगी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। उपराज्यपाल के हरी झंडी दिखाने के बाद तीर्थयात्री 231 वाहनों के काफिले में रवाना हुए। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तीर्थयात्री कश्मीर स्थित दोनों आधार शिविरों से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित भगवान शिव के अमरनाथ गुफा मंदिर तक की कठिन यात्रा करेंगे। सबसे पवित्र हिंदू तीर्थस्थलों में से एक अमरनाथ की यात्रा हर साल करीब हजारों तीर्थयात्री करते हैं। यात्रा के सुचारू रूप से संचालन के लिए तीन-स्तरीय सुरक्षा, क्षेत्र नियंत्रण, विस्तृत मार्ग तैनाती और जांच चौकियों सहित व्यापक व्यवस्था की गई है।

अधिकारी ने कहा, 28 जून से 19 अगस्त तक विभिन्न मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लगाए जाएंगे तथा लोगों की असुविधा को कम करने के लिए दैनिक परामर्श जारी किए जाएंगे। खबरों के अनुसार, इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए तीन लाख पचास हजार से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण कराया है। गुफा मंदिर के दोनों मार्गों पर 125 सामुदायिक लंगर स्थापित किए गए हैं और 6,000 से ज्यादा स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की सहायता कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष खरगे ने आसन के समक्ष आकर तोड़ी परंपरा : धनखड़

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरते हुए हंगामा किए जाने के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्वयं आसन के समक्ष आ गये जो पहले कभी नहीं हुआ। सभापति ने यह टिप्पणी उस समय की जब विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ह्यनाकामीह्न और पेपर लीक से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी सदस्य आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद से ही चर्चा कराने की मांग पर हंगामा कर रहे थे। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब आधे घंटे के भीतर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इसके बाद बैठक पुनः शुरू होने पर भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पर अपनी बात को आगे बढ़ाया। त्रिवेदी के भाषण के बीच ही सदन के नेता जे पी नड्डा ने चर्चा में व्यवधान को लेकर विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधा। नड्डा की बात खत्म होते ही सभापति धनखड़ ने कहा, आज का दिन भारतीय संसद के इतिहास में इतना दागी हो गया है कि प्रतिपक्ष के नेता स्वयं आसन के समक्ष आए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा कभी नहीं हुआ है। मैं पीड़ित हूं। मैं अचंभित हूं। भारतीय संसदीय परंपरा इतनी गिर जाएगी कि प्रतिपक्ष के नेता आसन के समक्ष आएंगे, उप नेता (विपक्ष के) आसन के समक्ष आएंगे। इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सदन के नेता नड्डा ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा में विपक्ष द्वारा उत्पन्न किए जा रहे व्यवधान की ओर संकेत करते हुए कहा कि बृहस्पतिवार को सदन की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह तय हुआ था कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद ज्ञापन पर चर्चा के लिए 21 घंटे आवंटित किए जाएं। उन्होंने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस के उप नेता और तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल थे।

दिल्ली में हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 से विमानों का संचालन स्थगित

हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा ढहा

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा शुक्रवार को तड़के ढह जाने के बाद यहां से विमानों का संचालन अगले नोटिस तक स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बीच शुक्रवार को तड़के करीब पांच बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा वाहनों पर गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। नागर विमानन मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारी बारिश के कारण दिल्ली के हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का हिस्सा ढह गया है।मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इसके परिणामस्वरूप टर्मिनल-1 से आने-जाने वाली उड़ानों का परिचालन अगले नोटिस तक रोक दिया गया है। उड़ानों के सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि टर्मिनल-1 से उड़ानों का प्रस्थान दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया है। टर्मिनल-1 पर केवल इंडिगो और स्पाइसजेट विमानन कंपनियों की घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं। हवाई अड्डे पर तीन टर्मिनल ह्य टी-1, टी-2 और टी-3 हैं, जो प्रतिदिन लगभग 1,400 उड़ानों का संचालन करते हैं। हवाई अड्डा संचालक ह्यदिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेडह्न (डायल) के मुताबिक, टी-1 पर सुबह 10:30 बजे तक उड़ानों का आगमन जारी रहा। इसके मुताबिक, टर्मिनल-1 पर परिचालन स्थगित कर दिया गया है। गहन निरीक्षण के बाद इसे फिर से शुरू किया जाएगा। डायल ने कहा कि इंडिगो एयरलाइन की टी-1 पर पहुंचने और वहां से रवाना होने वाली उड़ानों को टी-2 और टी-3 पर स्थानांतरित किया जा रहा है।

सीएम नीतीश दिल्ली रवाना, जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की करेंगे अध्यक्षता

प्रात: किरण

पटना/एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष नीतीश कुमार राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से एक दिन पहले शुक्रवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

नीतीश कुमार शनिवार को होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार शुक्रवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में अपने आधिकारिक आवास पर जदयू के लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री और जदयू के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह तथा रामनाथ ठाकुर एवं बिहार और अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के विश्लेषण और 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके अलावा, केंद्र सरकार से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की पार्टी की मांग पर भी चर्चा की जाएगी।

परीक्षण पहचान की गई एजेंसियों के साथ 'अभ्यास' ड्रोन उत्पादन के लिए तैयार

स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट 'अभ्यास' ड्रोन के सभी छह परीक्षण पूरे

प्रात: किरण

सभी परीक्षण पांच किमी. की उड़ान, 0.5 मैक की गति के साथ किये गए

नई दिल्ली/एजेंसी। हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (हीट) 'अभ्यास' ने सभी छह विकासात्मक परीक्षण पूरे कर लिये हैं। अब इसके बाद पहचान की गई एजेंसियों के साथ 'अभ्यास' उत्पादन के लिए तैयार है। अभ्यास एक ड्रोन है, जिसे विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए एक लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। आखिरी दो परीक्षण गुरुवार को देर रात किये गए, जिसमें न्यूनतम रसद के साथ 30 मिनट के अंतराल में दो बार लॉन्च किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सिंगल बूस्टर का उपयोग करके संशोधित मजबूत कॉन्फि गरेशन में विभिन्न मिशन उद्देश्यों के साथ हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट-अभ्यास के सभी छह विकासात्मक परीक्षण पूरे कर लिये हैं। इसके पहले चार उड़ान परीक्षण इसी साल फरवरी तक पूरे कर लिये गए थे। यह सभी परीक्षण ओडिशा के तट से दूर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर में किये गए। आखिरी दोनों परीक्षण भी डीआरडीओ ने बेहतर बूस्टर कॉन्फि गरेशन के साथ किये हैं। यह परीक्षण बेहतर रडार क्रॉस सेक्शन, विजुअल और इन्फ्रारेड वृद्धि प्रणालियों के साथ किए गए थे।

परीक्षणों के दौरान बूस्टर की सुरक्षित रिहाई, लॉन्चर क्लीयरेंस और धीरज प्रदर्शन को कवर करने वाले विभिन्न मिशन उद्देश्यों को सफलतापूर्वक मान्य किया गया। न्यूनतम रसद के साथ संचालन की आसानी को प्रदर्शित करते हुए 30 मिनट के अंतराल में दो लॉन्च किए गए। इस मौके पर सेनाओं के प्रतिनिधियों ने उड़ान परीक्षणों को देखा। 'अभ्यास' को डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान, बेंगलुरु ने डिजाइन किया है। इसे उत्पादन एजेंसियों हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो के माध्यम से विकसित किया गया है।

यह स्वदेशी प्रणाली एक ऑटो पायलट, विमान एकीकरण, उड़ान-पूर्व जांच और स्वायत्त उड़ान के लिए लैपटॉप-आधारित ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम की मदद से स्वायत्त उड़ान के लिए डिजाइन की गई है। इसमें उड़ान के दौरान विश्लेषण के लिए डेटा रिकॉर्ड करने की सुविधा भी है। बूस्टर को एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी और नेविगेशन सिस्टम को रिसर्च सेंटर (इमारत) ने डिजाइन किया है। 'अभ्यास' ने उड़ान परीक्षण के दौरान उच्च सहनशक्ति के साथ बहुत कम ऊंचाई पर एक उच्च सबसोनिक गति प्रक्षेपवक्र का प्रदर्शन किया। पूरी उड़ान अवधि के दौरान सिस्टम के प्रदर्शन की पुष्टि विभिन्न रेंज के उपकरणों ने कैप्चर किए गए डेटा से की।

अभ्यास एक ड्रोन है, जिसे विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए एक लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पहली स्वदेशी प्रणाली है, जिसमें मार्गदर्शन और नियंत्रण के लिए उड़ान नियंत्रण कंप्यूटर के साथ नेविगेशन के लिए इनर ट्रियल नेविगेशन सिस्टम है। एयर व्हीकल की जांच लैपटॉप आधारित ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन का उपयोग करके की जाती है। डीआरडीओ ने कहा कि लॉन्च के दौरान सिंगल बूस्टर और एक छोटे टबोर्जेट इंजन का उपयोग किया गया। इसका उपयोग उच्च सबसोनिक गति को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ह्यअभ्यासह्न के विकासात्मक परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग जगत की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सफल परीक्षण वैज्ञानिकों और उद्योग के बीच तालमेल का उल्लेखनीय प्रमाण हैं।

भारतीय नौसेना का जहाज 'तबर' मिस्र के अलेक्जेंड्रिया और 'सुनयना' सेशेल्स पहुंचा

अफ्रीका और यूरोप में तैनाती का हिस्सा है भारत का अग्रणी युद्धपोत 'तबर'

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। अफ्रीका और यूरोप में होने वाली अपनी तैनाती के हिस्से के तौर पर भारतीय नौसेना का अग्रणी युद्धपोत आईएनएस तबर मिस्र के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर अलेक्जेंड्रिया पहुंच गया है, जो 30 जून तक सद्भावना यात्रा पर रहेगा। इसी तरह आईएनएस सुनयना सेशेल्स राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित सैन्य परेड में भारतीय सैन्य दल की ओर से शामिल होने के लिए पोर्ट विक्टोरिया में प्रवेश कर चुका है।

भारत और मिस्र ने कई शताब्दियों से सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों की समृद्ध विरासत को एक-दूसरे के साथ साझा किया है। ये रिश्ते आधुनिक दौर में और भी सशक्त हुए हैं। दोनों देशों के बीच हाल के बीते हुए कुछ वर्षों में रक्षा व समुद्री सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार हुआ है। भारतीय नौसेना के जहाज ह्यतबरह्न की अलेक्जेंड्रिया यात्रा का उद्देश्य मिस्र के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक विस्तार देने के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को बढ़ाना है।

आईएनएस तबर रूस में भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया एक महत्वपूर्ण तथा विशिष्ट क्षमताओं से लैस युद्धपोत है। इस जहाज की कमान कैप्टन एमआर हरीश के हाथ में है और इसमें 280 कर्मी सवार हैं। आईएनएस ह्यतबरह्न जहाज पर कई तरह के हथियारों एवं सेंसर को तैनात किया है और यह भारतीय नौसेना के सबसे शुरूआती स्टील्थ फ्रिगेट युद्धपोतों में से एक है। यह जहाज पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत पश्चिमी बेड़े के हिस्से के रूप में मुंबई में तैनात रहता है। अलेक्जेंड्रिया में अपने तीन दिन के प्रवास के दौरान इस जहाज का चालक दल कुछ सामाजिक गतिविधियों के अलावा मिस्र की नौसेना के साथ कई पेशेवर चर्चाएं भी करेगा। इसके बाद दोनों देशों की नौसेनाएं समुद्र में सैन्य गतिविधियों से संबंधित 'पासेक्स' के माध्यम से बंदरगाह अभ्यास के चरण को पूरा करेंगी। इन सभी साझा गतिविधियों का उद्देश्य दोनों देशों नौसेनाओं की विभिन्न कार्य प्रणालियों में समानताओं को बढ़ावा देना है, जो आम तौर पर समुद्री खतरों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करने में काफी सहायता प्रदान कर सकता है।

बारिश से नैनीझील का जलस्तर बढ़ा

नैनीताल, एजेंसी। नगर में स्थानीय मानसून के चलते इन दिनों लगातार बारिश होने से तापमान में गिरावट आई है। बारिश से झील का जलस्तर भी बढ़ रहा है। बुधवार को हुई बारिश से झील के जलस्तर में डेढ़ इंच और इजाफा हुआ है। तीन-चार दिनों से नैनीताल में लगातार बारिश होने से वन विभाग ने भी राहत की सांस ली है। बारिश के चलते सुबह-शाम ठंड भी महसूस की जाने लगी है। मैदानी क्षेत्रों से आने वाले पर्यटकों को बारिश ने काफी राहत दी। हालांकि बारिश के चलते कारोबार प्रभावित रहा। बारिश रुकने के बाद पर्यटकों ने नौकायन भी किया। वहीं शाम को शहर की पहाड़ियों पर कोहरा छाया रहा। प्रभारी रमेश सिंह ने बताया कि बुधवार को 17 मिमी बारिश होने से झील के स्तर में डेढ़ इंच और इजाफा हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी नवीन धूसिया ने बताया कि नैनीताल का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जैंती-बाराकोट मार्ग पर कब शुरू होगी दूसरी बस

अल्मोड़ा, एजेंसी। जैंती-बाराकोट रूट पर सार्वजनिक परिवहन के सीमित संसाधन होने से क्षेत्र की 35000 की आबादी को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इलाके के लोगों ने परिवहन विभाग के साथ ही केमू से भी जल्द दूसरी बस सेवा का संचालित करने की मांग उठाई है। लमगड़ा विकासखंड के जैंती-बाराकोट रूट पर सिर्फ एक केमू बस का संचालन होता है। परिवहन निगम ने इस रूट पर रोडवेज बस संचालन के दावे किए थे जो अब तक धरातल पर नहीं उतरे हैं। यात्रियों की संख्या को देखते हुए केमू प्रबंधन भी लंबे समय से एक अन्य सेवा संचालित करने की बात कर रहा है इसका अब भी यात्रियों को इंतजार है। धारानौला से दोपहर डेढ़ बजे इस रूट पर संचालित केमू बस में यात्रियों को सीट नहीं मिल पा रही और वे टैक्सी के भरोसे ऊंचा किराया देकर सफर करने के लिए मजबूर हैं। आए दिन दोपहर बाद कोई बस न मिलने से यात्रियों को होटल में कमरा लेकर रुकना पड़ रहा है या टैक्सी बुक कर घर पहुंचने की मजबूरी है।

एनडीपीएस एक्ट का आरोपी दोषमुक्त

चंपावत, एजेंसी। विशेष सत्र न्यायाधीश की अदालत ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में आरोपी को दोषमुक्त कर दिया है। विशेष सत्र न्यायाधीश अनुज कुमार संगल ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषमुक्त करने के आदेश दिए हैं। आरोपी को वर्ष 2018 में 448 ग्राम चरस के साथ मनिहारगोठ से पकड़ा था। अभियोजन पक्ष की ओर से एनडीपीएस एक्ट का पालन न किए जाने के कारण अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया। फौजदारी के एक मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए विस्फोटक अधिनियम के आरोपी को दोषमुक्त करार दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निहारिका मित्तल गुप्ता ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अभियुक्त कादिर, साजिद को धारा 9बी विस्फोटक अधिनियम के तहत संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त करने का आदेश दिया।

अब वेबसाइट में भी मिलेगी पंडित पंत की जानकारी

नैनीताल, एजेंसी। कुमाऊं मूल के भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत से संबंधित जानकारी अबवेबसाइट में भी मिल सकेगी। प्रसिद्ध इतिहासकार बीआर नंदा की ओर से संकलित 18 खंडों का संग्रह सलेक्टेड वर्क्स ऑफ भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत को डिजिटल रूप मिला है। पंत जयंती आयोजक समिति के ललित भट्ट ने बताया कि यह इतिहासकारों, राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों समेत विद्यार्थियों की कई वर्षों की मेहनत के बाद यह डिजिटाइज रूप में आया है। संग्रह के डिजिटलीकरण में 9000 पेज हैं। यह शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए निःशुल्क उपलब्ध होगा। 12 दिसंबर 2002 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संग्रह के 18 संस्करणों का विमोचन दिल्ली में किया था।

डंपर हादसा: एनएच के अधिकारियों और ठेकेदार समेत कई पर मुकदमा दर्ज

काशीपुर, एजेंसी। कुंडा क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर के पास मंगलवार तड़के दो डंपरों की भिड़त के मामले में पुलिस ने एनएच के अधिकारियों और ठेकेदार समेत कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हादसे में एक चालक की जलने से मौत हो गई थी। प्रभारी थानाध्यक्ष मनोहर सिंह ने बताया कि डंपर मालिक मनकीरत सिंह निवासी ग्राम दभौरा मुस्तकहम ने तहरीर देकर बताया कि उसका चालक रवि मंगलवार की तड़के अजीत की तरफ जा रहा था। जहां एनएच के अधिकारियों की देखरेख में एक कंपनी सड़क की मरम्मत का काम कर रही है, लेकिन ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों ने यातायात वन वे करते हुए न तो डिवाइडर लगा रखे थे और न ही मानकों के अनुरुप संकेतक आदि का डिस्प्ले किया था। अगर ये अधिकारी और ठेकेदार मानकों का पालन करते तो उनके चालक की मौत नहीं होती। प्रभारी थाना अध्यक्ष के अनुसार तहरीर पर एनएच के संबंधित अधिकारी, निर्माण एजेंसी के ठेकेदार, डंपर के मालिक आदि के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बंद घर के ताले तोड़ लाखों के जेवरात व नकदी चोरी

काशीपुर, एजेंसी। परिजनों की गैर मौजूदगी में चोर एक घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात व करीब 30 हजार की नकदी चोरी कर ले गए। घर के ताले टूटे देख लोगों ने परिजनों को सूचना को दी। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास सीसीटीवी फुटेज चेक की। फुटेज के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। मोहल्ला पक्काकोट में मानपुर रोड स्थित सुनील कश्यप और उसके भाई विनय कुमार के बंद पड़े मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुनील ने बताया कि उनका परिवार चार पांच दिन से पड़ोस के दूसरे मकान में रह रहे हैं। बुधवार की सुबह उनके छोटे पुत्र ने घर का ताला टूटा देखा। मकान के अंदर सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। चोरों ने कमरे की अलमारी में बनी तिजोरी से जेवरात और तीस हजार रुपये की नकदी उड़ा ली।

करंट की चपेट में आकर किशोर झुलसा

बाजपुर, एजेंसी। भौना कॉलोनी में करंट की चपेट में आकर एक किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। आनन फानन में उसे उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। बुधवार को भौना कॉलोनी निवासी महेंद्र का 14 वर्षीय बेटा रोहित घर के बाहर खेल रहा था। इस दौरान बिजली के पोल पर हाथ लगने से वह करंट की चपेट में आ गया। खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भी? लग गई। परिवार के लोगों ने उसे उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। बाद में परिजन उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रेस मशीन की चपेट में आकर श्रमिक की अंगुलियां कटी

रुद्रपुर, एजेंसी। सिडकुल की एक कंपनी में काम करने के दौरान प्रेस मशीन की चपेट में आकर एक श्रमिक की चार अंगुलियां कट गई। श्रमिक ने सिडकुल चौकी में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बरेली के बहेड़ी निवासी दीपेश गंगवार ने बताया कि वह सिडकुल की एक कंपनी के प्रेस शॉप विभाग में काम करता है। 22 जून को वह कंपनी में काम कर रहा था। तभी प्रेस शॉप विभाग के सुपरवाइजर ने उसे नौकरी से निकालने की धमकी देकर प्रेस मशीन के कार्य में लगा दिया। उसने कहा कि उसे मशीन चलाने का अनुभव नहीं था।

बदरीनाथ मास्टर प्लान...रिवर फ्रंट के कार्यों से ब्रह्म कपाल और तप्तकुंड को खतरा

चमोली, एजेंसी। रायण पर्वत क्षेत्र में नदी किनारे लगभग 20 फीट तक नदी की चौड़ाई कम कर दी गई है, इससे बदरीनाथ मंदिर की तलहटी में स्थित ब्रह्मकपाल से लेकर तप्तकुंड क्षेत्र में बरसात के दौरान पानी भरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। मास्टर प्लान के तहत चल रहे रिवर फ्रंट के कार्यों में की जा रही लापरवाही से तीर्थ पुरोहितों में नाराजगी है। उनका कहना है कि कार्यदायी संस्था ब्रह्मकपाल से तप्तकुंड के बीच नदी की ओर काम करा रही है, जिससे नदी की चौड़ाई कम हो गई है। ऐसे में बरसात में तप्तकुंड और ब्रह्मकपाल क्षेत्र में नदी का पानी भर जाने की आशंका बनीं हुई है। उन्होंने नदी किनारे खोदाई बंद करने और लोनिवि पीआईयू के अधिकारियों को मामले का संज्ञान लेने की मांग उठाई है। इन दिनों बदरीनाथ में अलकनंदा किनारे मास्टर प्लान के तहत निर्माण कार्य चल रहे हैं। यहां नारायण पर्वत क्षेत्र में नदी किनारे लगभग 20 फीट तक नदी की चौड़ाई कम कर दी गई है, इससे बदरीनाथ मंदिर की तलहटी में स्थित ब्रह्मकपाल से लेकर तप्तकुंड क्षेत्र में बरसात के दौरान पानी भरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इसको लेकर तीर्थ पुरोहितों ने नाराजगी जताई है। ब्रह्मकपाल के तीर्थ पुरोहित आनंद सती और हरीश सती ने बताया कि कार्यदायी संस्था बिना जांच परख के नदी किनारे काम किया जा रहा है। यहां भारी मात्रा में मलबा जमा है, जो बरसात में नदी को बदरीनाथ की ओर डायवर्ट कर सकता है।

रामेश्वरम, तिरुपति और मल्लिकार्जुन का दर्शन हुआ आसान, रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेन

लालकुआं, एजेंसी। अगर आप दक्षिण भारत की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो रेलवे आपके लिए खुशखबरी लेकर आया है। रेलवे भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन दक्षिण भारत यात्रा शुरू करने जा रहा है। रामेश्वरम, मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी, तिरुपति बालाजी और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन यात्रा के लिए गोरखपुर से विशेष ट्रेन 13 से 25 जुलाई (12 रात और 13 दिन) तक चलाई जाएगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि इस ट्रेन से यात्रा

करने के लिए गोरखपुर, कप्तानगंज, थावे, सीवान, छपरा, बनारस, प्रयागराज, प्रतापग?, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन झांसी, ललितपुर और बीना स्टेशनों पर सुविधा प्रदान की गई है। ट्रेन से यात्रा के लिए आईआरसीटीसी की बेवसाइटपर टिकट बुक किया जा सकता है। टिकट पैकेज 24,500 रुपये से शुरू है और 1185 रुपये प्रति माह पर ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि भारत गौरव दक्षिण भारत यात्रा पर्यटक ट्रेन में इकोनॉमी शयनयान श्रेणी श्रेणी में यात्रा के लिए प्रति व्यस्क 24,450 रुपये और 5 से 11 वर्ष तक के प्रति बच्चे के लिए 23,000 रुपये का टिकट है। इसी तरह स्टैंडर्ड वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में यात्रा के लिए प्रति व्यस्क 40,850 रुपये जबकि 5 से 11 वर्ष तक के प्रति बच्चे के लिए 39,150 रुपये टिकट निर्धारित किया गया है। 648 बर्थ सहित कुल 767 बर्थ उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि निर्धारित मूल्य में रात्रि ठहराव, स्नान आदि के लिए होटल और धर्मशाला की सुविधा पैकेज कैटेगरी के अलावा यात्रा मूल्य में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर और रात में शाकाहारी भोजन यात्रियों को दिया जाएगा।

अब पैलिएटिव केयर वार्ड में कैंसर रोगियों को मिलेगा आसरा

अल्मोड़ा, एजेंसी। मेडिकल कॉलेज में अब पैलिएटिव केयर वार्ड में कैंसर रोगियों को आसरा मिलेगा। अंतिम चरण के कैंसर रोगियों को यहां राहत पहुंचाई जाएगी। मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा में कुमाऊं का दूसरा पैलिएटिव केयर वार्ड का संचालन होने से कैंसर रोगियों को अंतिम दिनों में खासी राहत मिलेगी। अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में पैलिएटिव केयर वार्ड अस्तित्व में आया है। यह मेडिकल कॉलेज यह वार्ड स्थापित करने वाला कुमाऊं का दूसरा संस्थान है। इससे पूर्व सिर्फ हल्द्वानी एसटीएच में यह वार्ड स्थापित था जहां लास्ट स्टेज के कैंसर से जूझ रहे मरीजों को भर्ती करने की सुविधा है। अब अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में ऐसे कैंसर रोगियों को भर्ती किया जाएगा जो लास्ट स्टेज के कैंसर से जूझ रहे हैं। उनकी यहां उचित देखभाल होगी और उन्हें उचित उपचार देकर उनके दर्द को कम किया जा सकेगा। प्रशिक्षित डॉक्टर और नर्स इनकी देखभाल व इलाज करेंगे। ऐसे में कैंसर रोगियों को घर पर तड़पना नहीं होगा।

बग्वालीपोखर-मेल्टा-मल्ली मिरई सड़क न बनने से लोगों में आक्रोश

द्वाराहाट (अल्मोड़ा), एजेंसी। बग्वालीपोखर-मेल्टा-मल्ली मिरई सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। सड़क की बदहाली को लेकर स्थानीय लोगों में खासा आक्रोश है। आरोप है कि सड़क पर मानकों के अनुरूप डामरीकरण और कॉजवे का निर्माण नहीं किया गया है। कई बार सड़क सुधारीकरण की मांग के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी उनकी नहीं सुन रहे है क्षेत्र की 3000 से अधिक की आबादी को राहत पहुंचाने के लिए बग्वालीपोखर-मेल्टा-मल्ली मिरई सड़क का निर्माण किया गया था। कम समय में ही यह सड़क खस्ताहाल हो गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इस मार्ग पर बने दोसाद पुल की भी अधिकारियों ने सुध नहीं ली है। पुल पर साइड बैरियरों का निर्माण नहीं किया गया है। ऐसे में दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। मेल्टा के ग्राम प्रधान प्रमोद चंद्र जोशी और भंडरगांव की प्रधान दीपिका भंडारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि 10 जुलाई तक इस मार्ग को दुरुस्त नहीं किया गया तो ग्रामीण दोसाद पुल पर चक्का जाम करेंगे।

पदों की कटौती के विरोध में कर्मचारियों ने दिया धरना

अल्मोड़ा, एजेंसी। राज्य कर अधिकारी के पदों में कटौती से कर विभाग के कार्मिकों ने राज्य कर भवन में गेट मीटिंग कर धरना दिया। उन्होंने पदों में कटौती करने पर आंदोलन की चेतावनी दी। बुधवार को राज्य कर भवन में हुई सभा में कार्मिकों ने कहा कि प्रदेश में जीएसटी लागू होने के बाद विभाग का पुनर्गठन किया जाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुनर्गठन के नाम पर प्रदेश सरकार राज्य कर अधिकारी के पदों पर कटौती करने जा रही है। राज्य कर अधिकारी के 50 फीसदी पदों पर तृतीय श्रेणी के कार्मिकों की लंबी सेवा के बाद पदोन्नति होती है। पदों पर कटौती होने से कर्मचारियों के लिए पदोन्नति के अवसर खत्म हो जाएंगे और वे मूल पद से ही सेवानिवृत होंगे। यहां पर संगठन के जिलाध्यक्ष भुवन बिनवाल, महामंत्री त्रिलोचन जोशी, उपाध्यक्ष पंकज कुमार, संयुक्त मंत्री मीनू खोलिया, संगठन मंत्री वीरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष पपींद्र सिंह, सलाहकार मोनिका भाकुनी आदि शामिल रहे।

गांधी पार्क से किसी तरह की छेड़छाड़ का होगा विरोध

रुद्रपुर, एजेंसी। जिला विकास प्राधिकरण की ओर से गांधी पार्क में प्रस्तावित अंडरग्राउंड पार्किंग को लेकर विरोध के स्वर उभर रहे हैं। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने डीडीए उपाध्यक्ष से मिलकर गांधी पार्क के बजाए सिंचाई विभाग की जमीन पर पार्किंग बनाने का सुझाव दिया है। गांधी पार्क से छेड़छाड़ करने पर आंदोलन की चेतावनी दी। बुधवार को डीडीए कार्यालय में उपाध्यक्ष अभिषेक रूहेला से ठुकराल ने मुलाकात कर कहा कि गांधी पार्क से स्थानीय लोगों की भावनाएं जुड़ी हैं। बड़ी संख्या में लोग पार्क में सुबह शाम टहलने आते हैं। गांधी पार्क में दशहरा के अलावा बड़े राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम होते रहे हैं। कुछ महीने पहले सीएम धामी ने गांधी पार्क में हुए भव्य कार्यक्रम में लोगों को नजूल भूमि के पट्टे दिए थे। कहा कि दशकों से सिंचाई विभाग, मृदा प्रयोगशाला और सिब्बल सिनेमा के पास जमीन खाली पड़ी है। इन खाली पड़ी जमीनों का इस्तेमाल पार्किंग व्यवस्था के लिए किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि पार्किंग के लिए ऐतिहासिक गांधी पार्क से कोई छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए।

बिड़ला विद्या मंदिर में दो दिनी ताइक्वांडो चैंपियनशिप शुरू

नैनीताल, एजेंसी। बिड़ला विद्या मंदिर में बुधवार से दो दिवसीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 का आगाज हो गया है। प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिष्ठित विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। बृहस्पतिवार को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि हॉकी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नरेंद्र सिंह बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा कि ताइक्वांडो एक वैश्विक खेल बन चुका है। वर्ष 2000 से ओलंपिक में शामिल होने के बाद ताइक्वांडो की लोकप्रियता और बढ़ गई है। इस खेल का अभ्यास करने से बच्चों में आत्मविश्वास का विकास होता है। प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि ताइक्वांडो एक कोरियाई मार्शल आर्ट है। यह न केवल शारीरिक फिटनेस और आत्मरक्षा के लिए जाना जाता है बल्कि आत्मनियंत्रण, अनुशासन और मानसिक शक्ति का भी अद्भुत समावेश है। इससे पूर्व प्रधानाचार्य ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मुखर्जी निर्वाण, संजय गुप्ता, राकेश शर्मा, राकेश मुलासी, अजय शर्मा, पृथ्वीराज सिंह किरौला, लीला सिंह बिष्ट, केदार सिंह गड़िया, जतिन ग्रोवर, आकाश बिष्ट आदि थे। नैनीताल। बिरला विद्या मंदिर नैनीताल, असम वैली स्कूल असम, हैदराबाद पब्लिक स्कूल हैदराबाद, एम्राल्ड हाइट इंटरनेशनल स्कूल इंदौर, संस्कार वैली स्कूल भोपाल, राज कुमार कॉलेज राजकोट, पेस्टल वीड स्कूल देहरादून और जीडी बिड़ला स्कूल रानीखेत।

जहां-जहां भाजपा की सरकार, वहां-वहां भ्रष्टाचार- संजय सिंह

प्रधानमंत्री बताएं, इस हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई और कई घायल हो गए, इसके लिए कौन जिम्मेदार हैं? - संजय सिंह

- पहली बारिश में ही अयोध्या के राम मंदिर का गर्भ गृह पानी से भर गया और बुधवार को जबलपुर टर्मिनल भी गिर गया- संजय सिंह
- आम जनता की जान चली जाए, इससे भी इन लोगों को कोई मतलब नहीं है- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट की नव निर्मित छत पहली ही बारिश में भर-भरा कर गिर गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। इस हादसे पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा के साथ प्रधानमंत्री को जिम्मेदार बताते हुए उन पर सीधा हमला बोला है। आप के सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश में जहां-जहां भाजपा की सरकार, वहां-वहां भ्रष्टाचार है। अभी 10 मार्च को ही प्रधानमंत्री ने बड़े जोर-शोर से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का उद्घाटन किया था और यह मात्र तीन महीने में ही गिर गया। क्या प्रधानमंत्री बताएंगे कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है? इसी तरह, अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर का गर्भ गृह भी पानी से भर गया। जबकि गुरुवार को जबलपुर टर्मिनल गिर गया था। उन्होंने कहा कि एक आम आदमी की जान चली जाए, इससे भी इन्हें को मतलब नहीं है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि पहली बारिश में ही प्रभु श्रीराम का मंदिर में पानी आने लगा। मंदिर के गर्भ गृह में पानी गिरने लगा, जहां मुख्य पूजारी ने अपनी आपत्ति जताई है। भाजपा जिस अयोध्या के विकास की गाथा गाते थकती नहीं थी, वो अयोध्या कैसे पहली ही बारिश में जल भराव की शिकार हो गई। इसके अलावा, हमने अटल सेतु का हाल देखा। जबलपुर टर्मिनल गिर गया, बुंदेलखंड एक्सप्रेस टूट-टूट कर गिर गया। संजय सिंह ने कहा कि अब आज यह दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का हादसा हो गया है। यह अत्यंत शर्मनाक जनक है कि भारत के प्रधानमंत्री जिस टर्मिनल वन के हिस्से का उद्घाटन 10 मार्च को करते हैं, वो दो-तीन महीने के अंदर ही धराशायी हो गया। इस हादसे में एक व्यक्त की जान भी चली गई है और कई लोग घायल हो गए हैं। इसके लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं।

संजय सिंह ने कहा कि इसीलिए मैं कहता हूं कि जहां-जहां भाजपा की सरकार, वहां-वहां जबरदस्त भ्रष्टाचार है। आम जनता की जान चली जाए, इससे भी इन लोगों को कोई मतलब नहीं है। हमने देखा कि गुजरात के अंदर पुल गिर गया था, जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। जहां-जहां भाजपा है, वहां-वहां भ्रष्टाचार है।

संजय सिंह ने एक्स पर दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल वन की छत गिरने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि बड़े जोर-शोर के साथ प्रधानमंत्री ने टर्मिनल-1 के इस हिस्से का उद्घाटन किया था और आज यह धड़ाम हो गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई और कई लोग घायल होंगे। कभी राम मंदिर, कभी अटल सेतु, कभी जलबपुर टर्मिनल, कभी दिल्ली टर्मिनल हादसा हो रहा है। जहां-जहां भाजपा, वहां-वहां भ्रष्टाचार।

वहीं, आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर दो पोस्ट किया। पहले पार्टी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल एक और जबलपुर टर्मिनल की फोटो पोट करते हुए कहा कि यह मोदी जी के भ्रष्टाचार की दर्दनाक तश्वीरें हैं। आज इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल की छत गिरने से तीन लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायाल हैं। इसी तरह गुरुवार को जबलपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल की भी छत गिर गई थी। आप ने प्रधानमंत्री से पूछा है कि आप तो कहते थे कि न खाउंगा, न खाने दूंगा, लेकिन आज आपके और आपके मंत्रियों के खाने की आदत से भ्रष्टाचार का खामियाजा मासूम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है।

इसके अलावा, आप ने इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 की छत के नीचे दबी एक कार फोटो पोस्ट की है। आप ने प्रधानमंत्री से पूछा है कि इस व्यक्ति का क्या कसूर था, जो आपके द्वारा उद्घाटन किए गए आईजीआई टर्मिनल-1 की छत से गिरने के कारण अपनी जान गंवा दी है। इस व्यक्ति के परिवार का ध्याल कौ रखेगा? आपने तो भ्रष्टाचार से अपना और अपने मित्रों का पेट भर लिया, लेकिन इस व्यक्ति के परिवार को पेट अब कौन भरेगा? इस गंभीर मुद्दे पर आप चुप न रहिए, बल्कि अपना जवाब दीजिए।

महरौली बदरपुर रोड पर जलभराव से लोग परेशान, घुटनों तक भरा पानी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में शुक्रवार देर रात से ही झमाझम बारिश हो रही है बारिश के बाद दिल्ली में मौसम तो सुहाना हो गया लेकिन यह बारिश दिल्ली वालों के लिए राहत के साथ-साथ आफत भी लेकर आई। बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया। शुक्रवार को दिल्ली में हुई बारिश के बाद लोग जब अपने घरों से ऑफिस के लिए निकले तो सड़कों पर जल भराव से उनका सामना हुआ।

दिल्ली के महरौली बदरपुर रोड पर भी भयंकर जल भराव हो गया। महरौली बदरपुर रोड दक्षिणी दिल्ली की मुख्य सड़क है। जहां से हजारों लोग आते-जाते हैं। महरौली बदरपुर रोड पर लगभग 3 से 4 फीट पानी भर गया जिसके बाद कई गाड़ियां इस सड़क पर खराब हो गई और काफी लंबा जाम लग गया। जो लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं, उनके लिए सबसे बड़ी आफत हो गई ट्रैफिक जाम। जाम की वजह से लोग बसों से पैदल उतरकर पानी से निकलकर अपने गंतव्य तक जाते हुए दिखाई दिए। कई लोग ऑफिस जाने के लिए बस,ऑटो के लिए इंतजार करते दिखे। कई लोग तो वापस अपने घर के लिए रवाना हो गए।

राहगीरों में दिवाकर नाम के व्यक्ति ने बताया कि मैं तुगलकाबाद से पैदल आ रहा हूं क्योंकि इस सड़क पर भारी जल भराव हो गया है कमर तक पानी है। कई गाड़ी पानी में खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि मैं ऑफिस के लिए निकल रहा था और सुबह 7:00 से इस सड़क पर फंसा हुआ हूं। अब पैदल चलने के अलावा मेरे पास कोई रास्ता नहीं है। वहीं घनश्याम ने बताया कि इस सड़क पर काफी ज्यादा पानी भरा हुआ है मैं काम पर निकला था मेरी बाइक इस पानी में खराब हो गई इस सड़क का भी विकास होना चाहिए घुटनों तक पानी भरा हुआ है।

शांति देवी ने बताया कि वह तिगड़ी से खानपुर की ओर जा रही थी। वह फूल बेचने का कार्य करती है और उसी के लिए घर से निकली थी जल भराव की वजह से काफी परेशानी हो रही है। सूरज ने बताया कि मैं गोविंदपुरी में रहता हूं और इस सड़क की स्थिति बीते कई वर्षों से ऐसे ही है, लेकिन अभी तक यहां पर कोई विकास कार्य किसी भी नेता के द्वारा नहीं करवाया गया। मिर्जा सिराज बैग ने बताया कि मैं देवली में रहता हूं इस सड़क की बहुत बुरी स्थिति है मुझे घर से निकले 1 घंटा हो गया कोई सवारी भी नहीं मिल रही मजबूरन मुझे पैदल जाना पड़ रहा है काफी पानी भरा हुआ है लगभग ढाई से 3 फीट पानी में पैदल चलना पड़ रहा है। बहुत सारी गाड़ियां खराब हो गई है।

नगर पालिका की एकाउंट विभाग की कर्मचारी शमीम बानो सेवानिवृत

चेयरमैन शशि जैन एव अधिशासी अधिकारी डा० ब्रजेश कुमार ने दी बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद अमरोहा की एकाउंट विभाग की कर्मचारी श्रीमति शमीम बानो को सेवानिवृत्त समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। साथी कर्मचारियों ने श्रीमति शमीम बानो को उपहारों एवं फूल मालाओं से लाद दिया। पालिकाध्यक्ष शशि जैन ने शमीम बानो को सेवानिवृत्त पर बधाई देते हुए कहा कि परिवर्तन संसार का नियम है अब आप अपना समय परिवार को दे स्वस्थ रहे और सुखमय जीवन व्यतीत करें मैं आपके सुखद जीवन की कामना करती हूं। आपको सेवानिवृत एवं जन्म दिन की बधाई। उप नगर आयुक्त /अधिशासी अधिकारी डा० ब्रजेश कुमार ने सेवानिवृत पर बधाई देते हुए कहा मनुष्य अपने जीवन में कई पड़ावों से गुजरता है। सेवानिवृत भी जीवन का एक पड़ाव है। बाकी का जीवन भी शमीम बानो अपने परिवार के साथ सुखमय जिए स्वस्थ रहे मेरी यही कामना है। नगर पालिका अपने कर्मचारियों के सेवानिवृत होने पर उनके सेवा काल के सभी भुगतान तत्काल कर रही हैं और ये सब चेयरमैन के प्रयासों से संभव हो पाया है सेवानिवृत समारोह में पूर्व चेयरमैन वरिष्ठ भाजपा नेता अतुल कुमार जैन, पालिकाध्यक्ष श्रीमति शशि जैन, उप नगर आयुक्त/ अधिशासी अधिकारी डा०ब्रजेश कुमार, लेखाकार मोहम्मद अजहर कुरैशी, इशरत अली, छवि शर्मा, बंटी, भावना सिंह, समरीन, अलका भारती, मेंहदी हसन, रहीस अकरम, जाहिद, इमरान अहमद, सलमान खान,वरिष्ठ पत्रकार चौधरी महेंद्र सिंह, फुरकान अहमद, ओमवीर सिंह, असद जमाल, सतीश,विकास टंडन विक्की, फहीम शाहनवाज, आजाद ठेकेदार, पूर्व लेखाकार असद जैदी, सुशील पधान, शमीम बानो, नजमा,जैनब, निक्की, शबाना, बुशरा, मुकीम, कासिफ, फहीम सहित शमीम बानो के परिजन रिश्तेदार तथा समस्त पालिका स्टाफ उपस्थित रहा।सेवानिवृत समारोह का कुशल संचालन हबीब अहमद खां ने किया।

दिल्ली में जल भराव को सोमनाथ भारती ने बताया प्राकृतिक आपदा, कहा-सदी में दूसरी बार टूटा बारिश का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश से दिल्ली वासियों को राहत तो जरूर मिली लेकिन ये बारिश आफत भी लेकर आई। दिल्ली के कई इलाकों में भारी जल भराव हो गया। पॉश इलाके हौज खास में भारी जल भराव हो गया। हौज खास एसएफएस फ्लैट इलाके में बने दिल्ली नगर निगम के पार्क पूरे तरीके से गड्ढे में समा गए। पार्क में लगभग 20 से 30 फीट का गड्ढा हो गया। इसके बाद आसपास के इलाके में भारी जल भराव हो गया। जल भराव की शिकायत जब स्थानीय विधायक सोमनाथ भारती से की गई तो तुरंत विधायक सोमनाथ भारतीय मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके का जायजा लिया। मीडिया से बात करते हुए सोमनाथ भारती ने कहा कि ये बारिश एक प्राकृतिक आपदा है। 1936 के बाद इतनी बारिश का रिकार्ड टूटा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इतनी बारिश हुई है कि ड्रेनेज सिस्टम इस पानी को कंट्रोल नहीं कर सका। इसके चलते इलाके में जल भराव हो गया। मैं और हमारे तमाम विभाग के अधिकारी इलाके में जहां-जहां जल भराव की शिकायत आई वहां जाकर दौरा कर रहे हैं। जनता की परेशानियों को सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। बता दें, देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार हुई बारिश ने पूरी दिल्ली में तांडव मचा दिया। जब लोग सुबह अपने घरों से ऑफिस के लिए निकले तो उन्हें जाम और जल भराव का सामना करना पड़ा। कई जगह तो इतना जल भराव था कि कई वाहन बीच रोड पर ही खराब हो गए। दिल्ली में पहली बरसात ने ही तमाम सिविक एजेंसियों के विकास की पोल खोल दी।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने प्लास्टिक कचरे को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली में शुक्रवार सुबह भारी बारिश के बाद जलभराव की स्थिति के लिए नालों में जमा प्लास्टिक कचरे को जिम्मेदार ठहराया और दिल्ली सरकार पर इस मुद्दे पर निष्क्रिय का आरोप लगाया। सफदरजंग वेधशाला ने शुक्रवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में 228.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की है जो जून के महीने की 74.1 मिलीमीटर औसत बारिश से तीन गुना से अधिक है तथा कम से कम 16 साल में इस महीने में सर्वाधिक है।

दिल्ली में भारी बारिश के कारण शुक्रवार को जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। दिल्लीवासियों ने जलमग्न सड़कों पर डूबे वाहनों और यातायात बाधित होने के कारण फंसी गाड़ियों की तस्वीरें एवं वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। यादव ने एक कार्यक्रम में कहा, ह्यहमने एकल उपयोग वाली प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया था और दिल्ली सरकार से भी कार्रवाई करने को कहा था। हमने दिल्ली सरकार के उद्योग विभाग से कई बार इन (एकल प्लास्टिक विनिर्माण) इकाइयों को बंद करने को कहा था। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों ने न केवल पर्यावरण को प्रदूषित किया है बल्कि औद्योगिक आपदा की भी स्थिति पैदा हुई है और फिर भी दिल्ली सरकार निष्क्रिय बनी हुई है।

यादव ने कहा, जलभराव का प्रमुख कारण नालों में पॉलिथीन जमा होना है। हमें व्यक्तिगत व्यवहार में बदलाव लाना होगा और यह स्थानीय प्रशासन में भी शामिल होना चाहिए।

आपके इलाके में है जल जमाव तो 1800110093 पर करें कॉल, दिल्ली सरकार ने जारी किया नंबर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में हुई बारिश से उत्पन्न हालात के बाद सचिवालय में दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने बैठक की। इसमें शामिल मंत्री गोपाल राय, आतिशी, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन ने विभागों के अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की और जलभराव की समस्या से निपटने को लेकर निर्देश दिए। बैठक के बाद जल मंत्री आतिशी ने बताया कि हर विभाग को दक्ष (क्विक रेस्पॉन्स टीम) टीम बनाने का निर्देश दिया गया है। टीम जलभराव से संबंधित शिकायत को कैसे दूर कर सकती हैं, यह कार्य करेगी। आम लोगों को जलभराव से संबंधित शिकायत और सूचना देने के लिए दिल्ली सरकार ने हेल्पलाइन नंबर 1800110093 और 8130188222 जारी किया है।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में जलभराव के लिहाज से जो भी संवेदनशील जगह है उसकी एक नई सूची और वहां पर जल निकासी के लिए पंपिंग सेट को दुरुस्त करने को कहा गया है। इसकी रिपोर्ट सुबह 10 बजे तक मांगी गई है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग को 24 घंटे में कंट्रोल रूम बनाने को कहा है, ताकि जलभराव की शिकायत को तुरंत दूर किया जा सके। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में कुछ घंटे में जो बारिश हुई है वह आमतौर पर मानसून के दौरान होने वाली कुल बारिश का 25 फीसदी है। ऐसी बारिश करीब 90 साल बाद दिल्ली में हुई है। बता दें, दिल्ली एनसीआर में गुरुवार देर रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ।

जललभराव से निपटने के लिए यह निर्णय लिए गए

सभी जल संबंधित विभागों डीजेबी, एमसीडी और आईएंडएफसी का एक इमरजेंसी कंट्रोल रूम तैयार होगा, जो 24 घंटे जल-जमाव पर नजर रखेगा और एक्शन लेगा। सभी विभाग आज रात तक मोबाइल वाटर पंप का जायजा लेकर सुनिश्चित करेंगे की सभी पम्प पानी निकालने को तैयार है। हर विभाग क्विक रेस्पॉन्स टीम बनाकर जमीनी स्तर पर जलजमाव दूर करने के लिए तैनात रहेंगे।

दिल्ली जल बोर्ड की ओर से हर जोन में रीसायकलर्स को लगाया जाएगा, ताकि स्टॉर्मवाटर ड्रेंस की कमी से अगर नाले में पानी और सिल्ट भर जाए तो उन्हें साफ किया जाए। इसलिए लिए जरूरत मुताबिक श्रमिक भी तैनात किए जाएंगे। जलजमाव की कोई शिकायत हो तो 1800110093 पर कॉल करे या 8130188222 पर व्हाट्सएप कर कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दें।

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार में दीवार गिरी, मजदूरों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार इलाके में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन दीवार गिर गई और कुछ मजदूरों के उसके नीचे दब जाने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि दीवार गिरने की सूचना सुबह साढ़े पांच बजे मिली जिसके बाद दो दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुछ श्रमिकों के मलबे में फंसे होने की आशंका है, लेकिन अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कितने मजदूर फंसे हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ , डीडीएमए (दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण), विभिन्न नगर निकाय एजेंसी, अग्निशमन और पुलिस के बचाव दल मौके पर मौजूद हैं।

पहले पानी अब बारिश में विफल रही दिल्ली सरकार:भाजपा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली भाजपा ने आरोप लगाया है कि पहली बारिश ने दिल्ली सरकार और नगर निगम की पोल खोल दी है। पहले राजधानी के लोग पानी के लिए तरस रहे थे। अब बारिश के चलते पूरी दिल्ली में जलभराव है। लोग परेशान हैं और सरकार के पास कोई योजना नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मलकागंज, रोहिणी सहित अनेक स्थानों से सड़क धंसने एवं गाड़ियों के फंसने की तस्वीर सामने आई है। दक्षिणपुरी, सराय काले खां बस्ती, जंगपुरा, लक्ष्मी नगर सहित अनेक स्थानों पर मकानों के भूतल एवं बेसमेंट में पानी भरने से भारी नुकसान हुआ है। चांदनी चौक स्थित ऐतिहासिक श्री गुरुद्वारा शीशगंज साहिब के प्रांगण में भी पानी भर गया। उन्होंने कहा कि इन सबसे साबित हो गया कि जिस तरह दिल्ली सरकार ने पेयजल को लेकर समर एक्शन प्लान नहीं बनाया उसी तरह बारिश में जल निकासी का भी कोई प्लान नहीं बनाया है। सचदेवा ने आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी, जल बोर्ड, निगम व बाढ़ नियंत्रण विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। नालों की सफाई नहीं की गई।

दुष्कर्म के आरोपी को जमानत मिली

नई दिल्ली। रोहिणी कोर्ट ने पॉक्सो मामले में दुष्कर्म और गर्भपात कराने के आरोपी युवक को जमानत दे दी। अदालत ने पाया कि पीड़ित पक्ष की तरफ से कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया कि पीड़िता नाबालिग है और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया गया। अदालत ने आरोपी युवक को सुनवाई की अगली तारीख तक अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने पुलिस से मामले में आठ जुलाई को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। बचाव पक्ष की तरफ से कहा गया कि पीड़िता और आवेदक की शादी दोनों परिवारों की सहमति से तय हुई थी। दोनों की सगाई भी हो गई थी। इसके बाद पीड़िता ने शादी तोड़ दी। इस दौरान पीड़िता के परिवार को अलग-अलग आयोजन की बुकिंग के लिए तीन लाख रुपये दिए गए और इस संबंध में आपसी समझौता किया गया था। अदालत में पीड़िता के बयान भी रखे गए, जिसमें पीड़िता ने अपनी बुआ के कहने पर रिश्ता तोड़ने की बात बताई थी।

गोदाम में लगी भीषण आग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्लीन के ओखला फेज दो में गुरुवार रात बिग बास्केकट के गोदाम में अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की 30 गाड़ियां मौके पर पहुंची और चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार देर रात सूचना मिली कि हरकेश नगर मेट्रो के सामने बिग बास्कोंट के गोदाम में आग लग गई है। गोदाम करीब चार हजार गज में बना हुआ था। इसमें खाने-पीने का सामान होने के कारण आग तेजी से फैली।

मोटरसाइकिल समेत दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। न्यू अशोक नगर थाने की पुलिस ने गुरुवार को दो बदमाशों को लूट व चोरी के पांच मोबाइल फोन व वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि न्यू अशोक नगर थाने में 24 जून को लूट की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता गौरव ने बताया कि बाइक सवार आरोपियों ने मोबाइल लूटने के बाद उनकी जमकर पिटाई की। इसके बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज से आरोपियों और वाहन की पहचान कर आरोपी सौरभ और लखन को गिरफ्तार कर लिया।

मोदी सरकार के भ्रष्टाचार के कारण एयरपोर्ट टर्मिनल 1 की छत गिरने पर गई एक व्यक्ति की जान, यह हादसा नहीं हत्या है- जस्मीन शाह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के नव निर्मित टर्मिनल-1 की छत गिरने के लिए भाजपा की केंद्र सरकार को जिम्मेदार बताया है। आप के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने कहा कि मोदी सरकार के भ्रष्टाचार के कारण आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर एक व्यक्ति की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए। आप केंद्र सरकार के सभी इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की सीबीआई जांच की मांग करती है। यह कोई आम हादसा नहीं है, बल्कि हत्या है। भाजपा ने चुनावी लाभ लेने के लिए 10 मार्च को आनन-फानन में टर्मिनल 1 की निमार्णाधीन बिल्डिंग का उद्घाटन करवाया था। प्रधानमंत्री हादसे के लिए अपनी गलती मानें और देशवासियों से माफी मांगें। वहीं, बुधवार को भी प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए जबलपुर हवाई अड्डे के नव निर्मित टर्मिनल की छत गिर गई। बिहार में तो पिछले एक साल में दर्जनों पुल टूटे हैं। ये सारे हादसे चंदा दो-धंधा लो मुहिम की वजह से हो रहे हैं। बीजेपी सरकार किसी को भी काम दे देती है, लेकिन उसकी मॉनिटरिंग नहीं करती है। शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर आप नेता जस्मीन शाह ने कहा कि दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत गिरने की घटना बहुत दुखद है। दिल्ली समेत देशभर के तमाम एयरपोर्ट केंद्र सरकार की एजेंसी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तहत आते हैं। देश की राजधानी दिल्ली को देखकर दुनिया के लोग भारत के प्रति अपनी अवधारणा बनाते हैं। लेकिन दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की छत पहली बारिश में ही गिर गई। इस दुखद घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई और 8 लोग घायल बताए जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी की पूरी सहानुभूति और संवेदना इन सभी परिवारों के साथ है। यह कोई आम हादसा नहीं है, बल्कि हत्या है, क्योंकि यह वहीं टर्मिनल-1 है जिसका उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च को किया था। यह बहुत गंभीर बात है कि 15 मार्च को चुनाव की घोषणा होने वाली थी, लेकिन टर्मिनल-1 की बिल्डिंग का निर्माण पूरा होने से पहले ही प्रधानमंत्री ने 10 मार्च को उसका उद्घाटन कर दिया। जिसके परिणाम स्वरूप शुक्रवार को हुई मानसून की पहली बारिश में ही उसकी छत गिर गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।

जस्मीन शाह ने कहा कि भाजपा चुनाव में अपना राजनीतिक फायदा उठाने के लिए अधूरे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन कर देती है, भले ही इससे लोगों की जान जाए, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले दो दिन में ऐसे दो नए टर्मिनल के टूटने की बड़ी घटनाएं हुई हैं। गुरुवार को नव निर्मित जबलपुर डोमेस्टिक एयरपोर्ट टर्मिनल की छत भी पहली बारिश में गिर गई। इस हादसे में भी कई लोग घायल हो गए। जबलपुर टर्मिनल का उद्घाटन भी 10 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। केंद्र की भाजपा सरकार ने चुनाव की घोषणा से पहले आनन-फानन में सभी अधूरे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन कर दिया। यह बहुत दुखद घटना है। केंद्र सरकार को सभी मृतकों के परिवार को 1 करोड़ और घायलों को 50 लाख रुपए का मुआवजा देना चाहिए।

जस्मीन शाह ने कहा कि यहां सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि नए-नए सरकारी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स किन परिस्थितियों में और किन लोगों को दिए जा रहे हैं। इन प्रोजेक्ट्स की पूरी पेमेंट होती है, लेकिन काम आधा-अधूरा होता है और कुछ दिनों बाद इनकी सारी कमियां बाहर आ जाती हैं। गुरुवार को जबलपुर डोमेस्टिक टर्मिनल और शुक्रवार को दिल्ली इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल 1 की बिल्डिंग की छत गिर गई। इसके अलावा जनवरी 2024 में मुंबई से नवी मुंबई को जोड़ने वाला 21 किलोमीटर का अटल सेतु ब्रिज का उद्घाटन भी खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। केवल 6 महीने बाद ही उसमें भी कई दरारें पड़ रही हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? किसी प्रोजेक्ट के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्री वाहवाही लूटने के लिए पहुंच जाते हैं, लेकिन जब इनमें एक-एक कर कमियां निकलने लगती हैं तो ये लोग गायब हो जाते हैं। बिहार में पिछले एक साल में दर्जनों ब्रिज टूट कर गिर गए हैं। पिछले 1 हफ्ते में ही यहां 4 ब्रिज गिरे हैं। बिहार के किशनगंज में गुरुवार को 70 मीटर का ब्रिज गिरा है। जस्मीन शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरे देश में ह्यचंदा दो और धंधा लोह्न की मुहिम चला रखी है। यही कारण है कि आज इन प्रोजेक्ट्स में बड़े-बड़े घोटाले हो रहे हैं। किसी को भी बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट दे दिया जा रहा है,

दिल्ली में जलभराव पर एलजी ने की आपात बैठक, बिजली कंपनियों के अफसरों की छुट्टियों पर लगाई रोक

- अनधिकृत कालोनियों, अंडरपास और सुरंगों में पंप लगाए जाएं
- बिजली कम्पनियां सुनिश्चित करें कि कहीं कोई नंगे तार न हों

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी में जलभराव की स्थिति को खतरनाक बताया है। राजनिवास में बुलाई गई आपातकालीन बैठक में उन्होंने जल निकासी के लिए अनधिकृत कालोनियों से लेकर अंडरपास और सुरंगों तक में पंप लगाने का निर्देश दिल्ली सरकार और सम्बन्धित एजेंसियों को दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि जल जमाव की वजह से शार्ट सर्किट होने की आशंका के मद्देनजर बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की छुट्टी पर दो माह तक रोक लगाई जाए।

दिल्ली में आज मानसून की पहली मूसलाधार बारिश की वजह से जगह-जगह जल भराव हुआ। इसे लेकर उप-राज्यपाल ने दिल्ली में जल जमाव की स्थिति की समीक्षा करने के लिए आज राजभवन में दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों और एजेंसियों की आपात बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि गाद निकालने का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इसके लिए बाढ़ नियंत्रण आदेश भी जारी नहीं किया गया। उपराज्यपाल ने पूरी दिल्ली में अत्यधिक बारिश और उसके परिणामस्वरूप जलभराव की स्थिति में आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के लिए तैयारियों में कमी को गंभीरता से लिया। इस आपात बैठक में दिल्ली सरकार, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, आईएंडएफसी, एमसीडी, एनडीएमसी, दिल्ली पुलिस, डीडीए और एनडीआरएफ की सभी संबंधित एजेंसियों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में गंभीर जलभराव, बिना गाद वाले नालों के ओवरफ्लो से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की गई। स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों और आपातकालीन प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाए, जो चौबीसों घंटे कार्यरत रहे। सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया जाएगा और पीडब्ल्यूडी, आईएंडएफसी, एमसीडी, डीडीए और एनडीएमसी के सभी स्थिर पंपों का परीक्षण किया जाएगा और 24७7 आधार पर पंपों को सक्रिय करने के लिए तैनात फील्ड स्टाफ के एक मैट्रिक्स के साथ कार्यात्मक बनाया जाएगा।

उपराज्यपाल ने आगे कहा कि आवश्यकता पड़ने पर मोबाइल पंपों का उपयोग किया जाना चाहिए। अतिरिक्त पंपों की खरीद की जानी चाहिए और उन्हें निचले इलाकों, विशेष रूप से अनधिकृत कॉलोनियों में ऐतिहासिक रूप से जलभराव और अंडरपास और सुरंगों में ऑपरेट किया जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि आई एंड एफसीडी नियमित रूप से हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में अपने समकक्षों के साथ संपर्क में रहे ताकि वर्षा के स्तर, हथनीकुंड बैराज से डिस्चार्ज का आकलन किया जा सके और राजस्व विभाग अत्यधिक वर्षा की स्थिति में डीडीएमए के तहत आपदा प्रतिक्रिया सेल को सक्रिय कर सके।

उपराज्यपाल ने बिजली विभाग से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि डिस्कॉम यह सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय करें कि उनके अधिकार क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट की संभावना वाले नंगे तार न हों। उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि छुट्टी पर गए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत ड्यूटी पर वापस आने के लिए कहा जाए और अगले दो महीनों तक कोई छुट्टी मंजूर न की जाए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, शनिवार, 29 जून , 2024

दिल्ली में बारिश से जनजीवन प्रभावित, हवाई अड्डे के टी1 की छत का हिस्सा ढहने से एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को बारिश के बाद दिल्लीवासियों को भीषण गर्मी से भले ही राहत मिली लेकिन सड़कों पर जगह-जगह जलभराव और वर्षाजनित हादसों से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा ढह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार इलाके में एक निर्माणाधीन दीवार के गिर जाने के बाद तीन मजदूरों के उसके नीचे दबे होने की आशंका है। सड़कों पर जलभराव के कारण वाहन जलमग्न हो गए और यातायात बाधित हो गया। कई स्थानों पर पानी लोगों के घरों में घुस गया। हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा शुक्रवार को तड़के ढह जाने के बाद यहां से विमानों का संचालन अगले नोटिस तक स्थगित कर दिया गया है। साथ ही सड़कों पर यातायात बाधित होने के कारण कार्यालय, विद्यालय, कॉलेज या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के जा रहे हजारों यात्री घंटों फंसे रहे।

इस साल मानसून की पहली भारी बारिश के बाद प्रगति मैदान सहित प्रमुख सुरंगों को बंद करना पड़ा तथा हौज खास, साउथ एक्सटेंशन और मयूर विहार जैसे पॉश इलाकों सहित शहर के कई स्थानों पर मकानों में पानी भर जाने की खबरें मिली हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 20 से 30 घंटे में सफदरजंग में मौसम केंद्र 228.1 मिमी, लोधी रोड स्थित मौसम भवन में 192.8 मिमी, रिज में 150.4 मिमी, पालम में 106.6 मिमी और आया नगर में 66.3 मिमी बारिश दर्ज की गई।

विभाग के अनुसार, एक दिन में 124.5 से 244.4 मिमी बारिश को अत्यधिक भारी वर्षा की श्रेणी रखा जाता है। मौसम विभाग ने सुबह बाद में बताया कि मानसून दिल्ली पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार देर रात तीन बजे से बारिश शुरू हुई थी। हवाई अड्डे के टर्मिनल-एक पर बारिश के कारण उस समय तनाव फैल गया जब सुबह करीब पांच बजे प्रस्थान क्षेत्र में छत का एक हिस्सा ढह जाने से कई लोग फंस गए और एक व्यक्ति की मौत हो गई जिसकी अभी पहचान नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि छत और उसे सहारा देने के लिए लगाए गए खंभे (सपोर्ट बीम) भी गिर गए, जिससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप क्षेत्र में खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गईं। पिक-अप और ड्रॉप क्षेत्र वह भाग है जहां यात्रियों को लाने-ले जाने वाले वाहन खड़े होते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए लोगों को हवाई अड्डे के पास स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नागर विमानन मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, टर्मिनल-1 से आने-जाने वाली उड़ानों का परिचालन अगले नोटिस तक रोक दिया गया है। उड़ानों के सुचारू संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि वह स्थिति पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, टनास्थल पर बचावकर्मी काम कर रहे हैं। साथ ही विमानन कंपनियों को टी1 पर सभी प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी गई है। टर्मिनल-1 पर केवल इंडिगो और स्पाइसजेट विमानन कंपनियों की घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं। हवाई अड्डे पर तीन टर्मिनल हैं टी-1, टी-2 और टी-3 हैं, जो प्रतिदिन लगभग 1,400 उड़ानों का संचालन करते हैं। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मौसम की प्रतिकूल स्थिति के कारण टी-1 पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है।

विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा, इससे दिल्ली में उड़ानें रद्द हो गई हैं क्योंकि यात्री टर्मिनल में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं। टर्मिनल के अंदर पहले से मौजूद यात्री अपनी नियोजित उड़ानों में सवार हो सकेंगे, लेकिन जिन यात्रियों को दिन में (अन्य समय पर) उड़ानों में सवार होना था, उन्हें अन्य विकल्प दिए जाएंगे।

स्पाइसजेट विमानन कंपनी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उड़ानें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि टी-1 अगले नोटिस तक संचालन के लिए आंशिक रूप से बंद रहेगा। इस बीच, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार इलाके में एक निर्माणाधीन दीवार के गिर जाने के बाद तीन मजदूरों के उसके नीचे दबे होने की आशंका है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि दीवार गिरने की सूचना शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे मिली जिसके बाद पांच दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तीन मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल), डीडीएमए (दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण), विभिन्न नगर निकाय एजेंसियों, अग्निशमन और पुलिस के बचाव दल मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि श्रमिकों को बचाने के प्रयास जारी हैं।

अधिकारी ने बताया कि मलबे में फंसे मजदूरों के एक गहरे गड्ढे में गिरने की आशंका है और उन्हें बचाने के लिए गोताखोर एवं दमकलकर्मी तलाश अभियान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलबे को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया जा रहा है और पंप की मदद से पानी निकाला जा रहा है। दिल्ली सरकार ने स्थिति की समीक्षा के लिए दोपहर में एक आपातकालीन बैठक बुलाई। भारी बारिश के बीच शुक्रवार सुबह कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के अधिकारियों ने बताया कि शहर के जलभराव वाले इलाकों में तकनीकी खराबी और एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद करने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई। द्वारका, जंगपुरा और लक्ष्मीनगर के लोगों ने बताया कि इन क्षेत्रों में सुबह बारिश शुरू होते ही बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई। डिस्कॉम के अधिकारी ने बताया कि बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में बिजली की लाइन, खंभे आदि क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हुई। उन्होंने कहा कि मरम्मत का कार्य जारी है और जल्द आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।लभराव के कारण शहर के मुख्य इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने के साथ यातायात बाधित हो गया। दिल्ली यातायात पुलिस ने प्रभावित मार्गों के संबंध में परामर्श जारी कर यात्रियों को इसके अनुसार ही अपनी यात्रा योजना बनाने की सलाह दी है। शहर के विभिन्न स्थानों की तस्वीरों के अनुसार, कई इलाको में जलभराव के कारण लंबा जाम लग गया है। इस दौरान अपने कार्यस्थल जा रहे लोगों समेत अन्य यात्रियों को काफी परेशानी हुई। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में जलमग्न सड़कों पर यात्रियों को अपने बच्चों को लेकर घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा।

भारी बारिश से दिल्ली में जलभराव, यातायात प्रभावित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में शुक्रवार की सुबह भारी बारिश के बीच कई इलाकों में जलभराव हो गया, इस दौरान शहर के मुख्य इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने के साथ यातायात बाधित हो गया। दिल्ली यातायात पुलिस ने प्रभावित मार्गों के संबंध में परामर्श जारी कर यात्रियों को इसके अनुसार ही अपनी यात्रा योजना बनाने की सलाह दी है।

शहर के विभिन्न स्थानों से आ रहीं तस्वीरों के अनुसार कई इलाको में जल भराव से लंबा जाम लग गया है। इस दौरान विशेषकर कार्यालय समेत अपने कार्यस्थल जाने वाले लोगों समेत अन्य यात्रियों को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में जलमग्न सड़कों पर यात्रियों को अपने बच्चों को लेकर घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। कुछ इलाकों में मेट्रो स्टेशनों में भी पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस के अनुसार जलभराव के कारण अणुव्रत मार्ग पर लाल बत्ती के दोनों ओर 100 मीटर और लाडो सराय लाल बत्ती से दोनों तरफ यातायात प्रभावित है। रिंग रोड पर धौला कुआं फ्लाईओवर के नीचे नारायणा से मोती बाग की ओर दोनों दिशाओं पर यातायात धीमा है।

आजाद मार्केट अंडरपास में वीर बंदा बैरागी मार्ग पर यातायात प्रभावित है। अरबिंदो मार्ग पर एम्स फ्लाईओवर के नीचे आईएनए से एम्स के बीच यातायात प्रभावित है।

वाई-प्वाइंट सलीमगढ़ और निगमबोध घाट के पास शांतिवन से आईएसबीटी के बीच दोनों दिशाओं में आउटर रिंग रोड पर यातायात धीमा है।

तिलक ब्रिज डब्ल्यू-प्वाइंट के नीचे डब्ल्यू-प्वाइंट तिलक ब्रिज रोड पर ए-प्वाइंट से डब्ल्यू-प्वाइंट तक यातायात बाधित है।

रोहतक रोड पर राजधानी पार्क से मुंडका के बीच दोनों तरफ यातायात प्रभावित है। मथुरा रोड पर आश्रम से बदरपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर एक पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया है। ओखला अंडरपास पर जलभराव के कारण कालिंदी कुंज से क्राउन प्लाजा के बीच रोड नंबर 13 पर दोनों तरफ यातायात प्रभावित रहा।

गाजीपुर बॉर्डर क्षेत्र में मुर्गा मंडी चौराहे पर अक्षरधाम से गाजियाबाद के बीच यातायात प्रभावित है। ज्वाला हेरी मार्केट के सामने एक पेड़ गिरने से मादीपुर मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। मिंटो रोड पर कमला मार्केट से कनॉट प्लेस के बीच यातायात प्रभावित हुआ। पीरागढ़ी गांव में भेरा एन्क्लेव राउंडअबाउट से पीरागढ़ी की ओर जाने वाले बाहरी रिंग रोड पर यातायात प्रभावित है।

तिलक ब्रिज अंडरपास (डब्ल्यू-पॉइंट) पर जलभराव और वाहनों के खराब होने के कारण आईपी मार्ग, बीएसजेड मार्ग और विकास मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है।

दिल्ली में हवाई अड्डे के टर्मिनल-एक की छत का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की मौत, पांच घायल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बीच शुक्रवार तड़के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-एक की छत का एक हिस्सा वाहनों पर गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए लोगों को हवाई अड्डे के पास स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है कि क्षतिग्रस्त वाहनों में कोई व्यक्ति फंसा न हो। अधिकारियों ने बताया कि छत के अलावा बीम भी गिर गए, जिससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप क्षेत्र (ऐसा क्षेत्र जहां यात्रियों को लाने-ले जाने वाले वाहन खड़े होते हैं) में खड़ी कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग को घटना की सूचना मिलने के बाद तीन दमकल वाहनों को हवाई अड्डे भेजा गया। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि छत का एक हिस्सा गिरने के बाद टर्मिनल-एक पर विमानों का प्रस्थान स्थगित कर दिया गया है।

पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) उषा रंगनानी ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टी-एक प्रस्थान स्थल की ओर जाने वाले विमानों को सीआईएसएफ जांच चौकी पर टी-1 आगमन स्थल की ओर मोड़ दिया गया है।

नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैं दिल्ली में हवाई अड्डे के टी1 की छत (का हिस्सा) गिरने की घटना पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहा हूं। घटनास्थल पर बचाव दल काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, साथ ही विमानन कंपनियों को टी1 पर सभी प्रभावित यात्रियों की सहायता करने का परामर्श दिया गया है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बचाव अभियान जारी है।

दिल्ली में बारिशः उपराज्यपाल ने आपात बैठक की, अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बाद स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पंप लगाने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, आपात बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि छुट्टी पर गए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत ड्यूटी पर वापस आने के लिए कहा जाना चाहिए और अगले दो महीनों तक कोई छुट्टी मंजूर नहीं की जानी चाहिए। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी में तैयारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमी का भी संज्ञान लिया। बैठक में दिल्ली जल बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सक्सेना ने कहा कि नालों से गाद निकालने का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। उपराज्यपाल ने अधिकारियों से अगले सप्ताह में आपातकालीन आधार पर गाद निकलवाने का काम शुरू करने को कहा। उपराज्यपाल ने अधिकारियों से जलभराव की शिकायतों के लिए आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित करने को कहा। नियंत्रण कक्ष में वरिष्ठ अधिकारी चौबीसों घंटे मौजूद रहेंगे। उन्होंने विभिन्न एजेंसियों को सड़कों पर जमा पानी निकालने के लिए पंप की सहायता लेने और कर्मियों को तैनात करने का भी निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के अपने समकक्षों के साथ संपर्क में रहने का निर्देश दिया गया है ताकि वर्षा के स्तर और हथिनीकुंड बैराज से निकलने वाले पानी का आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने राजस्व विभाग को भारी वर्षा की स्थिति में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के तहत आपदा प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ को सक्रिय करने और मानसून के दौरान किसी भी आपातकालीन उपाय के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की सहायता लेने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ चश्मो का निशुल्क वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर बी के स्नेही के द्वारा बुजुर्गों को चश्मो का निशुल्क वितरण किया गया। राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में जिलाधिकारी बिजनौर के आदेशों का पालन करते हुए बुजुर्ग लोगों को उनकी आंख की जांच करने के उपरांत चशमो का वितरण किया गया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉक्टर बी0के0 स्नेही ने बताया कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पिछले माह आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति बिजनौर की बैठक में आदेश दिए गए थे कि अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत बुजर्गो और स्कूल जाने वाले बच्चों को जिनकी निगाह कमजोर है उनकी आंख की जांच करने के उपरांत उपरोक्त को चस्मा का वितरण तहसील दिवस कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी महोदय द्वारा, स्कूलो में खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा ओर ओपीडी में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा चस्मो का वितरण करवाया जाए। इसी के क्रम में स्कूल बंद होने के कारण बच्चे न मिलने पर आज बुजुर्गों को सीएचसी स्योहारा में चश्मों का वितरण करवाया गया।इस दौरान आई ऑप्टोमेट्रिस्ट धीरेंद्र कुमार,सुमित कुमार,उमेश कुमार , डॉक्टर राकेश कुमार, डॉक्टर श्वेता समेत आर बी एस के टीम के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में बारिश के बाद नगर निगम की व्यवस्था पर भाजपा ने खड़े किए सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में भीषण गर्मी के बाद शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश ने लोगों को काफी राहत दी। तापमान में गिरावट आई और मौसम बहुत सुहाना हो गया, लेकिन सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई है। मानसून से पहले शहर की नगर निगम व्यवस्था को लेकर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने महरौली-बदरपुर रोड से एक वीडियो जारी कर आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई नहीं हुई है, जिसकी वजह से प्री मानसून में सरकार के दावे की पोल खुल गई है। आप के नेता, विधायक और मंत्री जनता के बीच से गायब हैं। जल मंत्री आतिशी बिस्तर पर आराम कर रही हैं और शहर का यह हाल है। लोग जलभराव की समस्या से परेशान हैं, मैंने आज दिल्ली सरकार की पोल खोल दी है। कहां है आपके भ्रष्टाचारी नेता संजय सिंह ? मुझे तो यहां पर नजर नहीं आ रहे हैं। कहां हैं स्वाति मालीवाल। सीएम केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन जेल में बंद हैं। भाजपा सांसद ने दिल्ली की जनता से सड़कों पर आने का आह्वान भी किया। अगर आपको अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित रखना है तो सड़को पर आ जाइए नहीं तो यह सरकार दिल्ली को बर्बाद कर देगी। उन्होंने कहा, जेई और एई को आप सस्पेंड नहीं करेंगे तो ये सड़कें बर्बाद हो जाएगी। मुझे आज संसद जाना था, लेकिन मैंने सोचा पहले जिस क्षेत्र की जनता ने मुझे जिताया है, वहां जाकर उनकी समस्या को उठाऊं। उन्होंने दिल्ली सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कल तक इन नालों की सफाई नहीं हुई तो मैं इसी पानी के अंदर धरना देने के लिए बैठ जाऊंगा। देखिए सड़कों की हालत क्या है ? यातायात जाम है। अरविंद केजरीवाल की सरकार को शर्म आनी चाहिए।

बर्गर किंग हत्याकांड मामले में पुलिस ने की पहली गिरफ्तारी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन में स्थित एक रेस्तरां में हाल ही में हुई एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस मामले में यह पहली गिरफ्तारी है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी वह व्यक्ति है जो कथित तौर पर हत्या करने के लिए दो शूटर को अपने वाहन में लेकर घटनास्थल पर आया था। उन्होंने बताया कि आरोपी से मामले में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार 18 जून को राजौरी गार्डन के जे ब्लॉक में स्थित रेस्तरां बर्गर किंग के अंदर एक महिला के साथ बैठे हरियाणा निवासी अमन जून (26) की दो बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया था कि मृतक को 38 गोलियां लगी हैं। पुलिस ने कहा था कि जून की हत्या जेल में बंद गैंगस्टर नीरज बवाना और अशोक प्रधान के बीच ह्यगैंगवारह्न का नतीजा थी। अधिकारी ने बताया कि तीन अन्य संदिग्ध जून के साथ आई महिला और दो हमलावर अभी भी फरार हैं।

मानसून की दिल्ली में दस्तकः आईएमडी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भीषण गर्मी के बाद मानसून आखिरकार राष्ट्रीय राजधानी पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि दक्षिणपश्चिम मानसून पूरे दिल्ली की ओर बढ़ गया है। उसने कहा, मानसून की उत्तरी सीमा 26 डिग्री उत्तर/65 डिग्री पूर्व, जैसलमेर, चुरू, भिवानी, दिल्ली, अलीगढ़, कानपुर, गाजीपुर, गोंडा, खेरी, मुरादाबाद, देहरादून, ऊना, पठानकोट, जम्मू, 33 डिग्री उत्तर/74 डिग्री पूर्व से होकर गुजरती है। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार देर रात तीन बजे से कई इलाकों में मानसून की पहली बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव और यातायात बाधित हो गया। सफदरजंग मौसम केंद्र ने 153.7 मिमी बारिश दर्ज की है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में पिछले साल 26 जून को मानसून आया था। यह 2022 में 30 जून को, 2021 में 13 जुलाई और 2020 में 25 जून को दिल्ली पहुंचा था।

ग्रीष्मकालीन छुट्टी के बाद खुले स्कूल, अध्यापकों ने तिलक लगाकर किया बच्चों का स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता, मनोज शर्मा

रहरा। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद स्कूल शुक्रवार को खुल गए हैं, करीब डेढ़ महीने बाद स्कूलों की रौनक लौट आई है।डेढ़ महीने बाद फिर स्कूल आकर बच्चे अपने दोस्तों से मिलने के लिए उत्सुक दिखे, वहीं बच्चों को स्कूल छोड़ने आए पेरेंट्स भी खुश नजर आए।ग्रीष्मावकाश के छुट्टी के बाद बच्चे जब विद्यालय के गेट पर पहुंच रहे थे तो विद्यालय के अध्यापक गण के हाथों में छड़ी नहीं बल्कि थाल में फूल थे। आज ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत नन्हे मुन्ने बच्चे जब विद्यालय पहुंचे ,प्राथमिक विद्यालय पतेई खादर के प्रधानाध्यापक एवं जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ यशपाल सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष गौरव नागर ,समस्त स्टाफ के द्वारा तिलक लगाकर व पुष्प वर्षाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में विजेंद्र सिंह गौरव नागर ऋषभ चौधरी राजीव कुमार शिक्षक गण उपस्थित रहे।

दिल्ली में भारी बारिश के बीच कई स्थानों में बिजली आपूर्ति बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली में भारी बारिश के बीच शुक्रवार की सुबह कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के अधिकारियों ने बताया कि शहर के जलभराव वाले इलाकों में तकनीकी खराबी और एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद करने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई। द्वारका, जंगपुरा और लक्ष्मीनगर के लोगों ने बताया कि इन क्षेत्रों में सुबह बारिश शुरू होते ही बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई। डिस्कॉम के अधिकारी ने बताया कि बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में बिजली की लाइनें, खंभे आदि क्षतिग्रस्त हुए जिससे बिजली आपूर्ति बाधित है।

10 साल की बच्ची को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नरेला थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात पांचवी कक्षा की छात्रा को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म के बाद पत्थरों से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले दो युवक घूमते दिखे, जिसके बाद पुलिस ने वारदात के चंद घंटों में ही दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों कुबूल किया जुर्म

वहीं आरोपियों ने पूछताछ में अपना जूर्म कबूल कर लिया। शुक्रवार की सुबह मृतका के स्वजन व स्थानीय लोगों ने नरेला थाना के बाहर अपना विरोध जताया। आरोपितों को फांसी की सजा को लेकर मांग की। क्षेत्र में शांति बहाल रहे, पीड़ित परिवार के घर के आसपास काफी पुलिस व अर्द्ध सैनिक बल तैनात कर दिए गए हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म, पोक्सो और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

रात में परिवार के साथ खाया था खाना जानकारी के मुताबिक, 10 वर्षीय बच्ची अपने माता-पिता के साथ नरेला क्षेत्र में रहती थी। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। मृतका पास के ही एक दिल्ली नगर निगम स्कूल में पांचवीं की छात्रा थी। पिता एक सरकारी अस्पताल में सफाई कर्मचारी हैं। माता घरों में साफ-सफाई का काम करती हैं। मृतका की मां ने बताया कि गुरुवार की रात करीब 9:30 बजे बच्ची उनके साथ खाना खाकर घर से बाहर टहलने गई थी। बताया कि रात 10 बजे तक नहीं लौटने पर माता व पिता गली में तलाशने गए, लेकिन बच्ची नहीं मिली। आसपड़ोस में भी बच्ची का पता किया, लेकिन वह नहीं मिली। जिसके बाद रात करीब 12:29 बजे बच्ची के पिता इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्वजन के साथ मिलकर बच्ची की तलाश शुरू की।

सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों का चला पता

पुलिस ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध बच्ची को ले जाते दिखे। स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर पुलिस को पता चला कि बच्ची को पड़ोस में ही रहने वाले राहुल के साथ मेन रोड की ओर जाते हुए देखा है। पुलिस ने पड़ोसी राहुल को हिरासत में लिया। शुरूआत में राहुल ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। सख्ती से पूछताछ करने के बाद आरोपित ने बताया कि देवदत्त के साथ मिलकर बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पहचान होने के डर से उन लोगों ने पत्थरों से बच्ची का सिर कुचल कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने दूसरे आरोपित देवदत्त को भी गिरफ्तार कर लिया।

घर से 100 मीटर की दूरी पर झाड़ियों से मिला बच्ची का शव आरोपित राहुल के निशानदेही पर पुलिस ने मृतका के घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर एक खाली प्लाट से बच्ची का शव बरामद कर लिया। जिसके बाद घटना स्थल पर क्राइम और फोरेंसिक टीम ने छानबीन कर साक्ष्य हासिल किए। बच्ची के पिता के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। 20 वर्षीय राहुल रबर सिलेंडर ट्यूब बनाने वाली फैक्टरी में काम करता है, वहीं 30 वर्षी देवदत्त छाता फैक्टरी में काम करता है।

नरेला थाने के बाहर किया प्रदर्शन, फांसी की मांग की

शुक्रवार की सुबह गुस्साए पीड़ित परिवार व स्थानीय लोग काफी संख्या में नरेला थाना पहुंच गए। जहां आरोपितों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके साथ ही आरोपितों को फांसी देने को लेकर मांग की। पुलिस अधिकारियों के समझाने व आरोपितों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की बात कहकर लोगों का गुस्सा शांत कराया। फिर समझा बुझाकर उन्हें घर भेजा। क्षेत्र में शांति बहाल रहे इसके लिए काफी संख्या में पुलिस व अर्द्ध सैनिक बल के जवान तैनात कर दिए गए हैं। मोमोज खिलाने के बहाने बच्ची को ले गया था आरोपितमृतका की मां ने बताया कि घटना वाली रात पड़ोस में रहने वाली एक लड़की ने बच्ची को राहुल के साथ जाते देखा। मेरी बच्ची ने उस लड़की को हाय भी किया था। उस युवती के पूछने पर मेरी बच्ची ने बताया था कि अंकल के साथ मोमोज खाने जा रही हूं। छानबीन के दौरान उस युवती ने बच्ची के बारे मां को जानकारी दी थी। लोगों ने बताया कि देवदत्त शादीशुदा है।

सूचना यह 1936 के बाद जून महीने में 24 घंटे में हुई सबसे ज्यादा बारिश है।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ा 88 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार देर रात से हो रही बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव हो गया है जिसके कारण लोगों को जाम से जूझना पड़ रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार सुबह 8.30 बजे से शुक्रवार सुबह 8.30 बजे तक दिल्ली में 228 मिमी बारिश हुई है। यह 1936 के बाद जून महीने में 24 घंटे में हुई सबसे ज्यादा बारिश है। उस साल 28 जून को 235.5 मिमी बारिश हुई थी।

दिल्ली में जून के पूरे महीने में औसतन 80.6 मिमी बारिश होती है। पिछले 24 घंटे में ही उससे लगभग तीन गुना बारिश होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। सुबह ऑफिस और काम पर जाने वालों को जाम और जलजमाव से जूझना पड़ा थी।

हालांकि लोगों को दो महीने से जारी भीषण गर्मी से जरूर राहत मिली है। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.2 डिग्री कम है। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 15 साल में कभी पूरे जून महीने में भी कुल 200 मिमी बारिश नहीं हुई है।

मानसून की पहली बारिश ने ही दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय के दावों की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा था कि इस बार दिल्ली वाले मानसून को पूरी तरीके से एंजॉय करेंगे। ड्रेनेज की सफाई का काम पूरा हो चुका है, लेकिन मानसून की पहली बारिश में ही जगह-जगह हुए जलभराव से उनके दावों की पोल खुल गई है।

आईटीओ पर करीब दो-तीन फीट पानी भर गया है जिससे वहां जाम लग गया। मंडी हाउस जाने वाले हनुमान मंदिर चौराहे पर तीन फीट पानी भरा हुआ है जिसके बाद सड़क बंद कर दी गई है। इससे अशोक रोड, फिरोजशाह रोड और कनॉट प्लेस जाने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है। कुछ ऐसा ही हाल दिल्ली के मूलचंद और अन्य इलाकों का भी है।

बीते 18 जून को शैली ओबेरॉय ने कहा था कि मानसून आने से पहले अपनी तैयारी को पूरा करने में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और उसके अधिकारी जुटे हुए हैं। एमसीडी मेयर का दावा था कि इस बार न तो दिल्ली की सड़कों पर पानी जमा होगा और न ही उसकी निकासी की कोई समस्या आयेगी।

उत्तर प्रदेश के शो विंडो नोएडा में भी हाल बेहाल है। गुरुवार को एक दिन पहले ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ अपने अधिकारियों के साथ जायजा लेने बाहर निकले थे और गुरुवार देर रात से हो रही बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है। लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। माना जा रहा है कि जो दावे और वादे किए गए थे वह सब हवा-हवाई थे और उसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा। नोएडा के महामाया फ्लाईओवर सेक्टर-62, सेक्टर-15 समेत कई इलाकों में लोगों को काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 29 जून, 2024

संक्षिप्त खबरें

हथियार के साथ एक आरोपी को पुलिस ने खदेड़कर पकड़ा

घैलाढ़ (मधेपुरा) ओपी क्षेत्र के घैलाढ़ बाजार स्थित एक चाय के दुकान पर संदिग्ध अवस्था में बैठा एक व्यक्ति को पुलिस ने गुरुवार को लगभग 4 बजे शाम के करीब खदेड़कर अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एक देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी विनोद कुमार विकास के पुत्र रंजीत कुमार श्रीनगर पंचायत के कमलपुर गांव वार्ड नंबर 3 का रहने वाला बताया जा रहा है। वही ओपी अध्यक्ष अवधेश प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गयी है। जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति हथियार के साथ घैलाढ़ बाजार में स्थित चाय दुकान पर बैठा हुआ है, जो आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जैसे ही चाय की दुकान पर पुलिस की टीम पहुंची आरोपी भागने लगा जिसे खदेड़ कर पकड़ा गया और पूछताछ के बाद आर्म्स एक्ट 723/24 दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

जालिम पति ने पत्नी और 6 वर्षीय पुत्र की निर्मम तरीके से कि हत्या

पत्नी को मायके से 50 हजार रुपये मांगने का बना रहा था दबाव

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/चकाई:-जिले के चकाई थाना क्षेत्र के परांची गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की चाकू से गला रेत कर और अपने 6 वर्षीय पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दिया है। हत्यारा पति पत्नी और बेटे की हत्या कर पुलिस को गुमराह करने के लिए अज्ञात चोरों पर आरोप लग रहा था। जानकारी के अनुसार चकाई थाना क्षेत्र के परांची गांव में आरोपी पति महेश दास पिता सेवक दास ने बीती रात करीब 1 से 2:00 बजे के बीच अपनी पत्नी सुनीता कुमारी की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दिया। उसी दौरान उसका 6 वर्षीय बेटा रितिक कुमार नींद से जग गया। पकड़े जाने के डर से महेश दास ने अपने बेटे की भी गला दबाकर हत्या कर दिया। उसके बाद आरोपी पति महेश दास ने गांव में पुलिस को गुमराह करने के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया कि मेरी पत्नी और बेटे की अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर हत्या कर दिया है। इसी बीच स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इस बात की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस की टीम पहुंचकर घटना की जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं जानकारी होने के बाद मृतक आरती देवी की मां मुन्ना देवी पति इंदो मेहरा ग्राम बिचगढ़ा पंचायत फरियेताडीह थाना बिचकोड़वा भी अपनी बेटी की घर पहुंच गई। इसके बाद मुन्नी देवी ने पुलिस में लिखित आवेदन देकर आरती देवी की पति महेश दास , सास आलती देवी, ससुर सेवक दास, चचेरी ननद मुन्नी देवी और चचेरा नंदोसी केवल दास के ऊपर अपनी बेटी और नाती की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को आवेदन दिया। इसके बाद पुलिस ने पति महेश दास , सास आलती देवी, ससुर सेवक दास को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया। पूछताछ के दौरान आरोपी पति महेश दास ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। घटना के कुछ ही घंटे बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी झाझा राजेश कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी महेश दास अपनी पत्नी से घर के छत की ढलाई के लिए अपने मां-बाप से 50 हजार रुपया मांग कर लाने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन सुनीता देवी लगातार मां-बाप से पैसे मांगने से इनकार कर रही थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर महेश दास ने अपने परिवार वालों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचकर अपने पत्नी और बेटे की हत्या कर दी है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी राजेश कुमार ने आगे बताया कि शेष अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा छापेमारी की जा रही है।

घायल हुआ एक रेलकर्मी, रेफरल अस्पताल झाझा में हुआ इलाज

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा गिद्धौर एनएच 333 स्थित दादपुर दुर्गामंदिर के समीप डयूटी खत्म बाइक से अपने घर लौट रहे एक रेलकर्मी सड़क दुर्घटना में घायल हो गया जिसे इलाज के लिए लोगों की मदद से रेफरल अस्पताल लाया गया। घायल रेलकर्मी का डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया। लेकिन सिर और अन्य जगहों पर गंभीर रूप से चोट लगने के कारण घायल रेलकर्मी को डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर किया। घायल रेलकर्मी की पहचान ढीबा गांव के रहने वाले मो. इजराइल के रूप में हुई है। घायल रेलकर्मीने बताया कि वह गिद्धौर रेलवे स्टेशन पर पोटर के पद पर कार्यरत है। अपनी डयूटी खत्मकर बाइक से अपने घर लौट रहा था कि तभी दादपुर दुर्गामंदिर के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही है

एक चार पहिया वाहन अचानक सामने से बाइक के पास आकर चकमा दे दिया जिससे बाइक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे मै गिरकर घायल हो गया। घायल रेलकर्मी के बेटे ने बताया कि स्थानीय लोगों के द्वारा हमलोगों को सूचना दिया गया जिसके बाद मौके स्थल पर पहुंचकर अपने पिता को लोगों की मदद से उठाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया।

प्रधानाचार्य एवं पूर्व पीआरओ ने दी नवनियुक्त कुलसचिव को बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बीएनएमयू, मधेपुरा के सिंडिकेट सदस्य सह के. पी. कॉलेज, मुरलीगंज के प्रधानाचार्य डॉ. जवाहर पासवान तथा टी. पी कॉलेज, मधेपुरा में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पूर्व पीआरओ डॉ. सुधांशु शेखर ने नवनियुक्त कुलसचिव डॉ. विपिन कुमार राय से मिलकर उन्हें बधाई दीं। डॉ. राय ने दोनों शिक्षकों से विश्वविद्यालय के विकास में रचनात्मक सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर , विकास पदाधिकारी प्रो. ललन प्रसाद अद्री, उपकुलसचिव (पंजीयन) डॉ. अमरेन्द्र कुमार, कुलपति के निजी सचिव शंभू नारायण यादव एवं कुलसचिव के निजी सहायक श्री राजीव कुमार उपस्थित थे। डॉ. पासवान ने बताया कि डॉ. राय उनके ही विषय (राजनीति विज्ञान) के शिक्षक हैं और प्रभारी प्रधानाचार्य भी रहे हैं। वे उनसे कुलसचिव बनने के पहले भी मिले हैं और उनके करीबियों से उनकी कार्य-प्रणाली की प्रशंसा सुन चुके हैं। डॉ. पासवान ने विश्वास जताया है कि डॉ. राय बीएनएमयू में बेहतर कार्य करेंगे और सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल करेंगे। डॉ. शेखर ने बताया कि डॉ. राय तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के विद्यार्थी रहे हैं और वहां के उनके शिक्षकों एवं मित्रों से पता चला है कि ये टीम वर्क में विश्वास करते हैं। डॉ. राय के पैतृक विश्वविद्यालय बीआरएबीयू, मुजफ्फरपुर में भी उनके कार्यों की प्रशंसा होती है। डॉ. शेखर ने आशा व्यक्त की है कि डॉ. राय बीएनएमयू में भी सबको साथ लेकर कार्य करेंगे और यहां एक बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाने तथा उत्कृष्ट कार्य-संस्कृति विकसित करने में अपना योगदान देंगे।

जमुई के तीन कराटे खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जीता 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई /गिद्धौर बिहार राज्य चैंपियंस ऑफ चैंपियंस कराटे प्रतियोगिता का आयोजन बीते रविवार, 23 जून को पटना में किया गया। इस आयोजन में राज्यभर से कई कराटे खिलाड़ियों ने शिरकत किया। वहीं जमुई जिला के तीन खिलाड़ियों ने भी इस प्रतियोगिता में अपने दांव आजमाए और सफलता प्राप्त की। 55 किलोग्राम वर्ग में प्रशांत कुमार ने स्वर्ण पदक, 50 किलोग्राम वर्ग में सोनू कुमार ने स्वर्ण पदक एवं 40 किलोग्राम वर्ग में शांतनु कुमार ने रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर कराटे एसोसिएशन ऑफ जमुई के कोच अंकित कुमार झा ने सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। कोच अंकित कुमार झा ने कहा कि इन सभी की मेहनत का ही नतीजा है कि अपने और अपने माता-पिता के साथ पूरे जमुई जिला का नाम इन्होंने रौशन किया है।

उन्होंने बताया कि इन तीनों विजेता कराटे खिलाड़ियों का चयन ऑल इंडिया इंडिपेंडेंट कराटे चैंपियनशिप में हुआ है। यह आयोजन आगामी 1 से 4 अगस्त तक दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में होने वाला है। वहीं इन तीनों ही खिलाड़ियों की उपलब्धि पर परिजनों के साथ पूरे जिले में खुशी का माहौल है।

अच्छी पहल-पहले आओ,पहले पाओ के आधार पर लाभुकों को मिलेगा लाभ,आवेदन हुआ शुरू

- मछली पालन के लिए 60 फीसदी मिलेगा अनुदान

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। जिले में मछली उत्पादन को बढ़ावा देकर आत्म निर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत आवेदन शुरू हो गया है। नए व रियरिंग तालाब व बायोप्लॉक तालाब का निर्माण कराया जाएगा। योजना का लाभ ह्यपहले आओ,पहले पाओह्ल के आधार पर लाभुकों को मिलेगा।इसको लेकर विभाग ने मछली पालक किसानों से आवेदन करने की अपील की है। सभी तरह के तालाब के निर्माण पर योजना के तहत सामान्य पुरुष वर्ग को 40 प्रतिशत, किसी भी वर्ग की महिला व अनुसूचित जाति जन जाति वर्ग के लिए 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।विभागीय अधिकारियों के अनुसार बैंक या स्वयं लागत से भी तालाब निर्माण पर योजना के तहत अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। मछली पालन के इच्छुक किसान योजना का लाभ लेने के लिए जरूरी कागजात के साथ मत्स्य विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिकतम 2 हेक्टेयर में करा सकते हैं निर्माण चयनित लाभुक नए तालाब का निर्माण 0.1 हेक्टेयर से लेकर 2.0 हेक्टेयर भूमि में करा सकते हैं। इस तरह रीयरिंग तालाब 0.1 हेक्टेयर से लेकर 0.5 हेक्टेयर बायोप्लॉक तालाब का निर्माण 0.15 हेक्टेयर भूमि में करेंगे। इस प्रकार करें आवेदन प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत तालाब निर्माण कराने के लिए इच्छुक लोगों को अपने कागजात के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन मिलने के बाद विभागीय पदाधिकारी स्थल जांच करेंगे। सब कुछ सही पाए जाने के बाद लाभुक का चयन किया जाएगा। हालांकि आवेदन के साथ मालगुजारी रसीद, तालाब निर्माण स्थल का नजरी नक्शा,स्वयं का शपथ पत्र,बैंक पासबुक,जमीन लीज पर ली गई है तो न्यूनतम 10 वर्षों का रजिस्टर्ड एकरारनामा व निवास प्रमाण पत्र का प्रतिलिपि देनी होगी। तालाब निर्माण के बाद मिलेगा इनपुट प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत किसी भी तरह के तालाब के निर्माण कार्य पूरा होने के बाद संबंधित लाभुक को इनपुट योजना का भी लाभ दिया जाएगा। इसमें भी अनुदान दिया जाएगा। विभाग के मुताबिक इनपुट योजना के तहत लाभुक को मछली बीज,दाना,दवा,चुना,खल्ली आदि के लिए एक मुश्त चार लाख रुपए दिए जाएंगे। जिससे तालाब निर्माण के बाद लाभुक आसानी से मछलीपालन शुरू कर सके।

12 पुलिस पदाधिकारियों का किया गया स्थानांतरण

मुरलीगंज, ग्वालपाड़ा व गम्हरिया थानाध्यक्ष हुए लाइन हाजिर

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिले के 12 पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। यह स्थानांतरण विधि व्यवस्था संधारण एवं बेहतर अपराध नियंत्रण को लेकर किया गया है। इसमें तीन थानाध्यक्ष भी शामिल हैं। इस बाबत एसपी संदीप सिंह ने बुधवार को निर्देश जारी किया। एसपी के निदेर्शानुसार मुरलीगंज थानाध्यक्ष मंजू कुमारी, ग्वालपाड़ा थानाध्यक्ष विजय पासवान और गम्हरिया थानाध्यक्ष विकास कुमार को लाइन हाजिर किया गया है। वहीं डीसीबी शाखा के प्रभारी अजित कुमार को मुरलीगंज थानाध्यक्ष, पुलिस निरीक्षक सह यातायात थानाध्यक्ष रवि पासवान को ग्वालपाड़ा और विधि व्यवस्था कोषांग प्रभारी पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार गुप्ता को गम्हरिया थानाध्यक्ष बनाया गया है।चरित्र प्रमाण-पत्र शाखा के प्रभारी अमित कुमार को यातायात थानाध्यक्ष, पुलिस केंद्र के परिचारी प्रवर सत्येंद्र मिश्र को साईबर थाना में पदस्थापित किया गया है। सीसीटीएनएन कोषांग के प्रभारी पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार सिंह को परिचारी पुलिस केंद्र सिंहेश्वर, हिंदी शाखा प्रभारी महबूब आलम को साइबर थाना, नफीस कोषांग के प्रभारी पुलिस निरीक्षक पंकज कुमार को लोक शिकायत निवारण कोषांग,जन शिकायत कोषांग का प्रभारी बनाया गया है। मानवाधिकार एवं अन्य आयोग के कोषांग प्रभारी अखिलेश्वर कुमार को ईआरएसएस कोषांग और विधि व्यवस्था शाखा का प्रभारी बनाया गया है। सभी स्थानांतरित पुलिस पदाधिकारियों को 24 घंटे के अंदर योगदान देकर अनुपालन प्रतिवेदन से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराने का निर्देश दिया गया है।

महिला सशक्तिकरण की बात करने वाले सरकार में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पुरुष पत्रकार भी नहीं है सुरक्षित : प्रियंका

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव प्रियंका कुमारी ने बिहार के मुख्य मंत्री को आए दिन पत्रकार पर हो रहे हमले और पत्रकारों पर हो रहे झूठे मुकदमें को लेकर पत्र लिखी है। प्रियंका कुमारी ने मुख्य मंत्री से अनुरोध की है की जल्द से जल्द पत्रकार के लिए कानून लागू किया जाए ताकि पत्रकारों पर हो रहे अत्याचार पर विराम लग सके। उन्होंने विगत दिनों मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र के माडीपुर में अपराधियों द्वारा पत्रकार शिव शंकर झा की गला रेत कर निर्मम हत्या कर देने और वहीं विगत दिनों पूर्णियां में समाचार कवर करने गए पत्रकारों के साथ ट्रैफिक थाना के डीएसपी कौशल किशोर व केहाट थाना के एसआई बीरेंद्र सिंह के द्वारा वर्दी का रौब दिखाते हुए बदसलूकी किए जाने पर दुख और अफसोस जाहिर करते हुए प्रशाशन पर उदासीनता का आरोप लगाई है। प्रियंका कुमारी ने कही भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। जहां सब कुछ लोकतांत्रिक तरीके से होता है। लेकिन इस लोकतंत्र को खड़ा करने के लिए जिन चार स्तंभों का इस्तेमाल होता है, उनमें से एक स्तंभ आज पूरी तरह से लहूलुहान है। क्योंकि पत्रकारों की आए दिन हत्याएं हो रही हैं, उन पर लगातार हमले बढ़ रहे हैं। इन हमलों में वह पत्रकार ज्यादा शिकार हो रहे हैं जो दूरदराज के इलाकों में ग्राउंड पर रिपोर्टिंग करते हैं। इन पत्रकारों को फर्जी मामलों में गिरफ्तारी से लेकर हत्या और न जाने कितनी तरह की हिंसा झेलनी पड़ती है। अब सवाल उठता है कि एक पत्रकार जो समाज के उस आखरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज को सत्ताधीशों के कानों तक पहुंचाने का भरसक प्रयास करता है, आखिर उसकी कलम की आवाज को कौन हमलों से दबाने की कोशिश कर रहा है? इन बातों से साफ जाहिर होता है कि बिहार ही नहीं पूरे भारत में पत्रकारिता की स्थिति कितनी खराब है। प्रियंका कुमारी ने मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र के माडीपुर में हुए पत्रकार शिव शंकर झा की अपराधियों द्वारा गला रेत कर निर्मम हत्या कर दिए जाने पर कही अभी तक पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी की बात तो दूर उन अपराधियों की शिनाख्त भी नहीं कर पाई है। जो कहीं ना कहीं प्रशासनिक निष्क्रियता को दर्शाता है। उन्होंने दिवंगत पत्रकार शिव शंकर झा की हत्या करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेजने के साथ ही उनके परिवार को मुआवजा देने और उनके परिवार से किसी एक को नौकरी देने की मांग की है। वहीं विगत दिनों पूर्णियां में समाचार कवर करने गए पत्रकारों के साथ ट्रैफिक थाना के डीएसपी कौशल किशोर व केहाट थाना के एसआई बीरेंद्र सिंह ने वर्दी का रौब दिखाते हुए की गई बदसलूकी को लेकर संबंधित अधिकारी पर कार्यवाई करने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर मुजफ्फरपुर और पूर्णियां में हुए घटना को लेकर नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार सुमन, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अबोध ठाकुर, वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष सी के झा, प्रदेश सचिव धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, कोशी प्रमंडलीय अध्यक्ष शंकर कुमार, मधेपुरा जिला अध्यक्ष डॉ. सुलेंद्र कुमार के आलावा पत्रकार प्रवीण बनर्जी, रंजित कुमार सिंह, रविकांत कुमार, प्रशांत कुमार, अरुण कुशवाहा, मन्नू सिंह, विनोद विनीत, वाशिम अक्तर, अभिषेक आचार्य, इमदाद आलम, साजन, अंसार, कन्हैया महाराज, बिपीन बिहारी, मनीष अकेला, विकास अकेला, मिथलेश कुमार, रजनीकांत ठाकुर, गौरव कबीर, मनीष कुमार, अंकित, शुभम सहित कई पत्रकारों ने दिवंगत के परिवार को उचित मुआवजा और पूर्णियां वाले मामले में उचित कार्यवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार में सुनी फरियादियों की फरियाद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिलाधिकारी राकेश कुमार के द्वारा समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में 28 जून गुरुवार को आयोजित जनता दरबार में जिले अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों के दूरस्थ एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों से मिलने आये 25 से ज्यादा लोगों ने मिलकर अपनी समस्याओं को रखा ' जिसमें जमीनी विवाद, पेंशन, राशनकार्ड, पेयजल आपूर्ति, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना,बाल विकास परियोजना एवं सिंचाई जैसी समस्या प्रमुख थी। जिलाधिकारी राकेश कुमार ने आम जनों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और कई मामलों का त्वरित निष्पादन भी किया । साथ ही कुछ प्रकरणों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

रूपए और आवश्यक कागजात से भरा पर्स रेलवे पदाधिकारी का हुआ गायब

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] रेलवे मेमूकार शेड में तकनीकी चीजो का निरीक्षण करने आए नार्थ रेलवे के एसएसई ईएमयू पदाधिकारी का रेलवे स्टेशन क्लब के समीप पॉकेट से पर्स गायब हो गया। इस संदर्भ में रेलवे पदाधिकारी ने पर्स गायब हो जाने के बाद काफी खोजबीन किया लेकिन कुछ भी पता नही चल पाया जिसके बाद रेलवे पदाधिकारी ने झाझा रेलथाना में पहुंचकर रेलथानाध्यक्ष बृंद कुमार को पूरी जानकारी दी। लेकिन रेलथानाक्षेत्र के सीमा के बाहर पर्स गायब होने पर रेलवे पदाधिकारी को उन्होनें स्थानीय लोकल थाना में सूचना देने की बात बताया। रेलवे पदाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि रेलवे मेमूकारशेड में तकनीकी चीजों को लेकर निरीक्षण करने के लिए 27 जून से 29 जून के लिए पहुंचा हूं। शुक्रवार को निरीक्षण के बाद चाय खान पान करने के लिए रेल कोच रेस्टूरेंट गया और वहां से निकलते ही मेरा पर्स गायब हो गया। रेलवे पदाधिकारी ने आशंका जताया कि किसी ने उसका पर्स चोरी कर ली है। रेलवे पदाधिकारी ने पर्स में आईडी कार्ड, एटीएम कार्ड, डयूटी पास और लगभग एक हजार रूपए रखा हुआ था। वही रेलवे पदाधिकारी ने लोकल थाना में भी पहुंचकर मामले की जानकारी दिया।

मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरण केन्द्र में नामांकन के लिए जमा हो रहे हैं आवेदन, अंतिम तिथि 30 जून तक

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला कल्याण पदाधिकारी रामकृपाल प्रसाद ने बताया कि इस केंद्र की शुरूआत बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम, पटना द्वारा उच्च शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति में पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है।। इसमें विद्यार्थियों को इनईटी, जीएटीई, जेआरएफ, पीएचडी आदि प्रतियोगिता परीक्षाओं में चयनित होने के लिए परीक्षा पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण (कोचिंग) की व्यवस्था है। फिलहाल जुलाई सत्र के लिए 30 जून तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र निगम की वेबसाइट से डाउनलोड भी किया जा सकता है। प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. विश्वनाथ विवेका ने बताया कि मार्गदर्शन केंद्र भी प्रशिक्षण केन्द्र के साथ ही शैक्षणिक परिसर अवस्थित पुराने स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में चल रहा है। विद्यार्थी यहां स्वयं आकर भी आवेदन जमा करा सकते हैं अथवा निबंधित डाक से भी आवेदन भेज सकते हैं। पता है- निदेशक, मुख्यमंत्री व्यावसायिक पाठ्यक्रम मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरण केंद्र, प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र कार्यालय, पुरानी हिंदी विभाग, शैक्षणिक परिसर (ओल्ड कैम्पस), भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, लालूनगर मधेपुरा-852113 (बिहार)। वाट्सएप-9934629245 कुल 120 सीटों पर होगा नामांकन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि केन्द्र में कुल 60 छात्र -छात्राओं का दो बैच (प्रशिक्षण अवधि 06 माह) संचालित कराया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक बैच के लिए कुल उपलब्ध सीटों (60) में से 40 प्रतिशत (24) पिछड़ा वर्ग तथा 60 प्रतिशत (36) अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए अनुमान्य होगा। अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की अनुपलब्धता की स्थिति में पिछड़ा वर्ग के छात्र- छात्राओं को एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की अनुपलब्धता की स्थिति में अति पिछड़ा वर्ग के छात्र- छात्राओं का नामांकन किया जाएगा। दोनों कोटियों में छात्राओं के लिए 33 प्रतिशत छैतिज आरक्षण अनुमान्य है। उन्होंने बताया कि केंद्र में नामांकन के लिए विद्यार्थियों का चयन संबंधित परीक्षाओं के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप विषय के बहु-विकल्पीय लिखित परीक्षा या काउंसिलिंग के माध्यम से चयन किया जाएगा। विद्यार्थियों की आयु सीमा एवं न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संबंधित कोर्स के अंतर्गत होने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हता के अनुरूप होनी चाहिए।छात्र-छात्रा एवं उनके अभिभावक की कुल वार्षिक आय तीन लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सशस्त्र सीमा बल 16 वीं ए ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान चलाया

प्रात : किरण संवाददाता

खैरा/जमुई : सशस्त्र सीमा बल 16वी ए समवाय परासी द्वारा ह्लबेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओह्ल जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम 16वीं बाहिनी सशस्त्र सीमा बल जमुई के कमांडेंट मनीष कुमार के निदेर्शानुसार ए समवाय के सहायक कमांडेंट कैटन कैलाश सालुंके के नेतृत्व में प्लस टू उच्च विद्यालय गढ़ी में ह्लबेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओह्ल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर सहायक कमांडेंट कैटन कैलाश सालुंके ने कहा की बेटियों को शिक्षा इस लिए भी देना चाहिए क्योंकि बेटी के शिक्षित होने से ही पूरा घर समाज गांव एवं देश शिक्षित होता है साथ ही साथ उन्होंने भारत एवं बिहार सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के सैकड़ों छात्राएं, शिक्षक - शिक्षिका, ग्रामीण एवं ए समवाय परासी के लगभग 100 जवानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। मौके पर निरीक्षक रमेश कुमार गुजर, सहायक उप निरीक्षक दिनेश कुमार, मुख्य आरक्षी विनोद सिंह नेगी सहित सशस्त्र सीमा बल के कई जवान एवं ग्रामीण व छात्र - छात्राएं मौजूद थे।

सम्पादकीय

भगवान श्री राम को राजनीति में घसीटना ठीक नहीं है

आज अयोध्या को लेकर चुनाव जितने पर जय श्री राम बोलने पर जय अवधेश बोलना गलत है क्योंकि भगवान श्री राम अयोध्या में नहीं बल्कि पूर्ण संसार में एक मात्र ईश्वर स्वरूप है जिसे स्वामी विवेकानंद ने भी ईश्वर का दर्जा दिया है चुनाव आएंगे जायेंगे लेकिन प्रभु राम अनंत शक्ति और पूर्ण संसार का एक मात्र मालिक है क्योंकि उनका जीवन संघर्ष से भरा रहा कभी महलो में पालने वाले प्रभु राम को 14साल जंगल में बिताना पड़ा और राम मंदिर पर सियासत करना सही नहीं नहीं तो आपके मन में त्याग के बदले रावण रूपी विचारों का प्रवेश हो जायेगा यदि कोई भगवान राम से बड़ा मानता है तो उसकी भयंकर भूल है इन सब बातों से ऊपर उठते हुए एक आदर्श व्यक्तित्व हमारे सामने नजर आते और वे है प्रभु श्री राम के रूप में जब बात आदर्श की हो तब सबको भगवान श्री राम ही दिखते हैं। ऐसा कोई पुरुष नहीं हुआ जो अपने आज परिवारों में भाई से भाई का प्रेम कही नजर नहीं आ रहा। श्री राम से यहां हम सीख सकते हैं कि किस प्रकार उन्होंने व उनके भाइयों ने अपने संपूर्ण जीवन में अपने आपसी बंधुत्व का परिचय दिया।भगवान राम भगवान विष्णु के अवतार थे भागवत कथा के अनुसार विष्णु ने इन्द्र का देवलोक में अधिकार पुनः स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। देवलोक असुर राजा बलि ने हड़प लिया था। बलि विरोचन के पुत्र तथा विष्णु भक्त प्रह्लाद के पौत्र थे और एक दयालु असुर राजा के रूप में जाने जाते थे। यह भी कहा जाता है कि अपनी तपस्या तथा शक्ति के माध्यम से बलि ने त्रिलोक पर आधिपत्य पा लिया था।वामन, एक बौने ब्राह्मण के वेष में बलि के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग भूमि देने का आग्रह किया। उनके हाथ में एक लकड़ी का छत्र (छाता) था। गुरु शुक्राचार्य के चेताने पर भी बलि ने वामन को वचन दे डाला।राजा बलि से जल स्वीकारते हुए भगवान वामन ने अपना आकार इतना बढ़ा लिया कि पहले ही पग में पूरा भूलोक (पृथ्वी) नाप लिया। दूसरे पग में देवलोक नाप लिया। इसके पश्चात ब्रह्मा ने अपने कमण्डल के जल से वामन के पाँव धोये। इसी जल से गंगा उत्पन्न हुयीं। तीसरे पग के लिए कोई भूमि बची ही नहीं। वचन के पक्के बली ने तब वामन को तीसरा पग रखने के लिए अपना सिर प्रस्तुत कर दिया।

लोकतंत्र और बेचारा बुद्धू बक्सा

राकेश अचल

मुझे इस बात पर सख्त ऐतराज है कि कांग्रेस भी भाजपा की तरह केमराप्रेमी होती जा रही है। कांग्रेस भूल जाती है की मोदी युग में चाहे संवैधानिक संस्थाएं हों या सरकारी कैमरे, केवल और केवल एक चेहरे को पहचानते है। उस चेहरे को जो अविनाशी है। अजेय है। अनंत है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सरकारी कैमरे ने किसका चेहरा कितनी बार दिखाया, ये कोई मुद्दा नहीं हो सकता। कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि कैमरा उसके नेता की और नहीं ताकता। इसके लिए अभी कांग्रेस को लम्बी प्रतीक्षा करना पड़ेगी।

दरअसल देश को कैमराजीवी प्रधानमंत्री 2014 में पहली मर्तबा मिला था। उसे हंसना,रोना,गाना,अभिनय करना सभी कुछ आता है। उसके पास स्वर्गवासी जय ललिता कि तरह सतरंगे परिधानों,जूतों-चप्पलों और सैंडिलों का अक्षय भण्डार है। ये सारी चीजे ही एक कैमरे की जरूरत होतीं हैं,भले ही फिर कैमरा सरकारी हो या गैर- सरकारी। चूंकि मै लम्बे आरसे तक कैमरे से बाबस्ता रहा हूँ, इसलिए कैमरे के बारे में कांग्रेस से ज्यादा जानता हूँ। मुझे पता है कि कैमरे को कौन से रंग और फ्रेम पसंद हैं और कौन से नहीं? कौन सी प्रकाश व्यवस्था में कैमरा अच्छे परिणाम देता है और कौन से में नही? मै जानता हूँ कि कैमरे के लिए कौन सा कौण सबसे अच्छा होता है और कौन सा नहीं? ये सब बातें आधी जिंदगी एक जींस पेण्ट और सफेद टीशर्ट पहनकर राजनीति करने वाले क्या जाने?

पिछले दस साल में कैमरा ही नहीं और भी जितने संवैधनिएक इंस्ट्रूमेंट हैं वे सत्तोन्मुख हो गए हैं। इसमें बुराई भी नहीं है। सूरज मुखी का पुष्प भी जिधर सूरज होता है उधर को मुंह करके खिलता है, फिर कैमरा तो कैमरा ठहरा। कैमरे और पालतू कुत्ते में ज्यादा फर्क नहीं होता, ये शायद कांग्रेस और कांग्रेस के नेताओं को पता नहीं है। विपक्ष के नए -नवेले नेता राहुल गांधी की तो शायद बिलकुल बह पता नहीं हो ! राहुल गांधी संसदीय अनुभव में भले माननीयों से ज्यादा वरिष्ठ हों लेकिन सत्तासुख भोगने में तो शून्य हैं। हमारे मित्र मेरी इस टिप्पणी पर भी उज्र कर सकते हैं, क्योंकि उनका दावा है कि राहुल गाँधी तो पैदा ही सोने-चाँदी की चम्मच मुंह में रखकर हुए थे। उनके दादी,दादी के पिता जी और खुद उनके पिता जी देश के प्रधानमंत्री रहे, इसलिए ऐसा कैसे हो सकता है की राहुल गाँधी ने सत्ता-सुख न भोगा हो?

बात कैमरे की हो रही थी। कैमरा, केंचुआ और कुत्ते की राशि एक है,स्वभाव एक है। तीनों स्वामिभक्त होते हैं, इसलिए इन तीनों से किसी दूसरे को कोई अपेक्षा नहीं करना चाहिए। ये केवल अपने स्वामी की कमान[निर्देश] स्वीकार करते हैं। पिछले दस साल से ये तीनों यही कर रहे हैं और अगले दस साल तक शायद ऐसा ही करें। कांग्रेस की इस आपत्ति पर मुझे आपत्ति है कि बुद्धू बक्से के कैमरे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान माननीय को 75 बार और राहुल गांधी को सिर्फ 6 मर्तबा दिखाया। अरे बाबा माननीय का और बुद्धू बक्से का आभार मानिये, उसे थेंक्यू कहिये कि उसने आपको 6 मर्तबा तो दिखाया ! मान लीजिये यदि वो एक मर्तबा भी नहीं दिखाता तो आप क्या कर लेते? माननीय राष्ट्रपति ने ही लोकसभा अध्यक्ष को उनके चुने जाने पर बधाई दी और आपको विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई नहीं दी तो क्या आप राष्ट्रपति के खिलाफ महभियोग प्रस्ताव सदन में लेकर आएंगे? शायद नहीं। इसलिए ये गिनती करना छड़ दे कांग्रेस कि बुद्धू बक्से के कैमरे ने किस चेहरे को या किस दल को कितनी बार दिखाया।

लोकसभा और राज्य सभा के अंतरंग चित्रों को दिखाने का दायित्व बुद्धू बक्से पर है। वो ही गोदी मीडिया के बाकी के चैनलों को ये दृश्य प्रसाद की तरह बांटा है, इसलिए आप बुद्धू बक्से के साथ ही गोदी मीडिया पार भी छह बार ही दृष्टिगोचर होंगे। इससे ज्यादा दिखने का शौक है तो केवल दो बार ही भारत जोड़ो यात्रा क्यों की, दो चार और कर लेते? सौ पार ही क्यों अटक गए? चार सौ नहीं तो कम से कम दो सौ ही पार कर लेते? लेकिन कांग्रेस ने ये सब नहीं किया। अब अरण्यरोदन से क्या लाभ? कैमरे कांग्रेस पर, कांग्रेस के नेताओं पर रहम नहीं खाने वाले। रहम तो सरकार भी नहीं खाने वाली। सरकार भी आने वाले दिनों में एक फिर से आपरेशन लोटस, ऑपरेशन झाड़ू और ऑपरेशन ईडी-सीबीआई शुरू करने वाली है, कांग्रेसी और आईएनडीआईए के घटक दल यदि बच सकते हैं तो बचकर दिखाएँ, अन्यथा उनके लिए विभिन्न जेलों में जगह आरक्षित है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश को मै जाती तौर पर बहुत पसंद करता हूं क्योंकि वे दूसरे दलों के चीखने वाले नेताओं से अलग नजर आते है। रमेश जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए दावा किया कि जब राष्ट्रपति मुर्मू अभिभाषण दे रही थी तो उस वक्त पीएम मोदी को अधिक और राहुल गांधी को कम बार दिखाया गया। जय राम रमेश ने पोस्ट में लिखा-51 मिनट के राष्ट्रपति के संबोधन में किसको कितनी बार दिखाया गया? नेता सदन नरेंद्र मोदी -73 बार, प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी- 6 बार, सरकार- 108 बार, विपक्ष -18 बार संसद टीवी सदन की कार्यवाही दिखाने के लिए कैमराजीवी की आत्ममुग्धता के लिए नहीं। मै हैरान हूँ कि रमेश भाई रष्ट्रपति का अभिभाषण सुन रहे थे या ये गिन रहे थे कि कैमरा कितनी बार, किसके चेहरे पर ठहरा? वैसे ये काम भी कठिन है। अब वे इसके खिलाफ अदालत तो जा नहीं सकते, इसलिए मेरा मशविरा है कि यदि कांग्रेस के पास चुनाव बाद कुछ पैसे बचे हों तो वो अपने लिए कुछ कैमरे खरीद ले। या कोई न्यूज चैनल शुरू कर दे। क्योंकि सरकार और सरकारी चैनलों से तो कोई उम्मीद की नहीं जा सकती।

कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश से बेहतर काम तो राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया। उन्होंने राष्ट्रपति जी का अभिभाषण दत्तचित्त होकर सुना और आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के, मोदी सरकार लिखित अभिभाषण को सुनकर ऐसा लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव के जनादेश को नकारने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति से झूठ बुलवाकर अपनी वाहवाही करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि देश की जनता उन्हें नकार चुकी है। इस मामले में, मै खरगे जी से इत्तफाक रखता हूं,क्योंकि मैंने भी उनकी तरह राष्ट्रपति जी का भाषण पूरे ध्यान से सुना। एक बार भी, एक पल के लिए भी टीवी के सामने से नहीं उठा। राष्ट्रपति जी ने हर बार मेरी सरकार कहा। हमारी सरकार नहीं। अब यव टीडीपी और जेडीयू वाले जाने कि इस सरकार में वे शामिल हैं या नहीं? क्योंकि ये मेरी सरकार है हमारी सरकार नहीं। अब जो सरकार हमारी है ही नहीं उससे किसी को कोई उम्मीद करना ही क्यों चाहि। पहले देश में हमारी सरकार बनिए, तब कोई बात कीजिये।

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरू हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए।

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरू हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है।

देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा।

पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है।

यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।

राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एव ंअपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर प्रभावी सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि

भगवान श्री राम को राजनीति में घसीटना ठीक नहीं है

चुनाव आएंगे जायेंगे लेकिन प्रभु राम अनंत शक्ति और पूर्ण संसार का एक मात्र मालिक है क्योंकि उनका जीवन संघर्ष से भरा रहा कभी महलो में पालने वाले प्रभु राम को 14साल जंगल में बिताना पड़ा और राम मंदिर पर सियासत करना सही नहीं नहीं तो आपके मन में त्याग के बदले रावण रूपी विचारों का प्रवेश हो जायेगा यदि कोई भगवान राम से बड़ा मानता है तो उसकी भयंकर भूल है इन सब बातों से ऊपर उठते हुए एक आदर्श व्यक्तित्व हमारे सामने नजर आते और वे है प्रभु श्री राम के रूप में जब बात आदर्श की हो तब सबको भगवान श्री राम ही दिखते हैं। ऐसा कोई पुरुष नहीं हुआ जो अपने आज परिवारों में भाई से भाई का प्रेम कही नजर नहीं आ रहा। श्री राम से यहां हम सीख सकते हैं कि किस प्रकार उन्होंने व उनके भाइयों ने अपने संपूर्ण जीवन में अपने आपसी बंधुत्व का परिचय दिया।भगवान राम भगवान विष्णु के अवतार थे भागवत कथा के अनुसार विष्णु ने इन्द्र का देवलोक में अधिकार पुन: स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। देवलोक असुर राजा बलि ने हड़प लिया था। बलि विरोचन के पुत्र तथा विष्णु भक्त प्रह्लाद के पौत्र थे और एक दयालु असुर राजा के रूप में जाने जाते थे। यह भी कहा जाता है कि अपनी तपस्या तथा शक्ति के माध्यम से बलि ने त्रिलोक पर आधिपत्य पा लिया था।वामन, एक बौने ब्राह्मण के वेष में बलि के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग भूमि देने का आग्रह किया।

संजय गोस्वामी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आज अयोध्या को लेकर चुनाव जितने पर जय श्री राम बोलने पर जय अवधेश बोलना गलत है क्योंकि भगवान श्री राम अयोध्या में नहीं बल्कि पूर्ण संसार में एक मात्र ईश्वर स्वरूप है जिसे स्वामी विवेकानंद ने भी ईश्वर का दर्जा दिया है चुनाव आएंगे जायेंगे लेकिन प्रभु राम अनंत शक्ति और पूर्ण संसार का एक मात्र मालिक है क्योंकि उनका जीवन संघर्ष से भरा रहा कभी महलो में पालने वाले प्रभु राम को 14साल जंगल में बिताना पड़ा और राम मंदिर पर सियासत करना सही नहीं नहीं तो आपके मन में त्याग के बदले रावण रूपी विचारों का प्रवेश हो जायेगा यदि कोई भगवान राम से बड़ा मानता है तो उसकी भयंकर भूल है इन सब बातों से ऊपर उठते हुए एक आदर्श व्यक्तित्व हमारे सामने नजर आते और वे है प्रभु श्री राम के रूप में जब बात आदर्श की हो तब सबको भगवान श्री राम ही दिखते हैं। ऐसा कोई पुरुष नहीं हुआ जो अपने आज परिवारों में भाई से भाई का प्रेम कही नजर नहीं आ रहा। श्री राम से यहां हम सीख सकते हैं कि किस प्रकार उन्होंने व उनके भाइयों ने अपने संपूर्ण जीवन में अपने आपसी बंधुत्व का परिचय दिया।भगवान राम भगवान विष्णु के अवतार थे भागवत कथा के अनुसार विष्णु ने इन्द्र का देवलोक में अधिकार पुनः स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। देवलोक असुर राजा बलि ने हड़प लिया था। बलि विरोचन के पुत्र तथा विष्णु भक्त प्रह्लाद के पौत्र थे और एक दयालु असुर राजा के रूप में जाने जाते थे। यह भी कहा जाता है कि अपनी तपस्या तथा शक्ति के माध्यम से बलि ने त्रिलोक पर आधिपत्य पा लिया था।वामन, एक बौने ब्राह्मण के वेष में बलि के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग भूमि देने का आग्रह किया। उनके हाथ में एक लकड़ी का छत्र (छाता) था। गुरु शुक्राचार्य के चेताने पर भी बलि ने वामन को वचन दे डाला।राजा बलि से जल स्वीकारते हुए भगवान वामन ने अपना आकार इतना बढ़ा लिया कि पहले ही पग में पूरा भूलोक (पृथ्वी) नाप लिया। दूसरे पग में देवलोक नाप लिया। इसके पश्चात ब्रह्मा ने अपने कमण्डल के जल से वामन के पाँव धोये। इसी जल से गंगा उत्पन्न हुयीं। तीसरे पग के लिए कोई भूमि बची ही नहीं। वचन के पक्के बली ने तब वामन को तीसरा पग रखने के लिए अपना सिर प्रस्तुत कर दिया। वामन बलि की वचनबद्धता से अति प्रसन्न हुये अतः जो पूर्ण ब्रह्माण्ड पर नियंत्रण है अतः जो पूर्ण पृथ्वी को नाप सकता है वो पूर्ण ब्रम्ह का स्वामी है ऐ तो बहुत प्राचीन बातें हैं लेकिन यदि 500-600साल पीछे जाते हैं जब हिन्दू धर्म पर अत्याचार हो रह् थे तो उसे बचाने के लिए गुरुनानक जी आएं और धर्म की रक्षा की ओर अग्रसर किया जब मुगलों का अत्याचार बढ़ता जा रहा था उसी कड़ी में सिखों के दसमें गुरू श्री गुरुगोविन्द सिंह भगवान श्री राम के अवतार में अवतरित हुए जो पटना साहिब के कंगन घाट गुरूद्वारा में ऊपर ही चित्रित किया हैजी हाँ धर्म की रक्षा हेतु सिखों के दसमें गुरु गोविन्द सिंह भगवान श्री राम के रूप में अवतरित हुए थे नहीं यकीन होता तो आप पटना सिटी के कंगन घाट पर जाए वहाँ ये इतिहासीक घटना घटी थी जब बालक गोविन्द पटना सिटी के कंगन घाट हमेशा नहाने के लिए जाते थे वही पंडित शिवदत्त भगवान राम की पूजन में प्रसाद चढ़ाया करता था लेकिन हर दिन ध्यान लगाने के क्रम में प्रसाद गायब हो जाता था एक दिन जब बालक गोबिंद जब गुरूजी की आयु महज 5वर्ष थी गुरु जी पंडित शिवदत्त के पास प्रसाद लेने गए थे तो जैसे ही प्रसाद उठाने लगे तो पंडित शिवदत्त ने कहा आप प्रसाद क्यों उठा लेते हो तब गुरु गोविन्द सिंह ने कहा आप प्रसाद किसे चढ़ाते हो उन्होंने कहा भगवान राम को तब बालक गोविन्द ने उत्तर दिया मैं आपका प्रसाद गरीबों को बाँट देता हूँ फिर उन्होंने पंडित शिव दत्त को बालक गोविन्द ने आँखे बन्द कर भगवान राम का ध्यान करने को कहा जैसे उन्होंने आंखे खोली उन्हें बालक गोविन्द भगवान राम के रूप में दिखी और फिर वो उनके भक्त हो गए गुरु गोविन्द सिंह सिक्खों के दसवें और अन्तिम गुरु थे। उनका जन्म पौष, सुदी सप्तमी, संवत 1723 विक्रमी, तदनुसार सन 1666 ई० में पटना (बिहार) में हुआ था। उनके पिता सिक्खों के नवें गुरु तेगबहादुर तथा माता गूजरी थीं। उनका आरंभिक नाम गोविन्दराय था। उनकी शिक्षा-दीक्षा पटना में ही हुई। माँ ने गुरुमुखी और पिता गुरु तेग बहादुर ने उन्हें शस्त्र-शास्त्र दोनों की शिक्षा प्रदान की। भगवान श्री राम हैं दया के सागर थे और गुरु गोविन्द सिंह जी भी भगवान राम सभी मयार्दा का पालन किया गुरु ने भी सभी मयार्दा का पालन किया भगवान राम महान तीरंदाज थे वही प्रतिभा गुरु गोविंद सिंह जी में भी थी गुरु गोविन्द सिंह में बचपन से ही अलौकिकता दिखायी देती थी। कश्मीरी पण्डितों को औरंगजेब ने जब मुसलमान बनाना चाहा, तो सब मिलकर गुरु तेगबहादुर के पास आनन्दपुर गये और उन्हें अपनी करुण कहानी सुनायी। उनकी बातों से गुरु तेगबहादुर मौन, उदास और दुखी हो गये। उसी समय नववर्षीय गोविन्दराय उनके पास आये। उन्होंने पिता से उनकी उदासी का कारण पूछा। पिता ने बताया, ह्लपण्डितों पर घोर संकट है। औरंगजेब उन्हें मुसलमान बनाना चाहता है।

मीडिया ट्रायल बनाम समानान्तर अदालती व्यवस्था

डॉ. हरवंश दीक्षित

नीट में लापरवाही के आरोपों और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच एक और खबर आयी। अपनी फटी ओएमआर सीट दिखाते हुए भावुक आरोप लगाने वाली छात्रा आयुषी पटेल की याचिका पर उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उसे फर्जी पाया। अदालत के सामने प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के बाद यह पाया गया कि छात्रा ने फर्जी एप्लीकेशन नम्बर से एनटीए को मेल किया था। लखनऊ बेंच ने छात्रा के रवैये को अफसोसजनक बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया और यह भी कहा कि एनटीए चाहे तो छात्रा के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई कर सकता है। इस तरह की परीक्षाओं में करोड़ों लोगों का भविष्य जुड़ा रहता है। राष्ट्रहित में यह जरूरी है कि उनके संचालन में पूरी शुचिता बरती जाए, किन्तु अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रानिक मीडिया जिस तरह से समानान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर देती है, उससे ऐसे सामाजिक दबाव का सृजन होता है कि वह न्याय की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाता है। बिना सुबूत और अदालती निर्णय के ही समाज की निगाह में लोगों को दोषी ठहरा देता है। कुछ समय बाद चाहे भले ही अदालत उन्हें निर्दोष ठहरा दे, किन्तु उनकी जो प्रतिष्ठा खो चुकी होती है, वह कभी भी वापस नहीं आती।

बीते वर्षों में रिया-सुशांत, आरुषि-तलवार की हत्या और दिल्ली के जसलीन कौर-सर्वजीत कौर के मामले ऐसे कई उदाहरणों में से कुछ गिनाए जा सकते हैं, जब इलेक्ट्रानिक मीडिया ने अपनी टीआरपी के लिए लोगों को अपूर्णीय क्षति पहुंचायी है। रिया-सुशान्त के मामले में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने रिया को कहीं का नहीं छोड़ा। खुद ही सुबूत इकट्ठा करके उसके ऊपर जादू-टोना से लेकर कई काल्पनिक आरोप लगाए। अदालत ने उन्हें नाकाफी और अविश्वसनीय माना, किन्तु रिया उससे अब तक नहीं उबर पायी और लांछन उनके साथ सदैव के लिए चस्पा हो गया। इसी तरह आरुषि हत्याकांड में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उसके मां-बाप को जीते जी मार डाला। बगैर किसी पुख्ता सुबूत और अदालती निर्णय के आरुषि की मौत के बाद उसके चरित्र पर जिस तरह छींटाकशी की गई, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। राजेश और नुपूर तलवार मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते रहे कि उन्हें परेशान न किया जाए, किन्तु उनकी किसी ने एक नहीं सुनी और अपनी टीआरपी के लिए नित नई कहानियां तैयार करते रहे। नौ साल की यन्त्रणादायक कानूनी लड़ाई के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उन्हें समाज में रहने लायक नहीं छोड़ा।

नीट से जुड़े मामले सर्वोच्च अदालत के सामने हैं। अदालत सभी पहलुओं पर गौर कर रही है, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने समान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर ली है। उसमें उनके अभियोजक और गवाह हैं। निर्णय लेने की जिम्मेदारी उन्होंने खुद ले ली है। जानकारी की कमी या टीआरपी के दबाव में उन लोगों को भी दोषी ठहराया जा रहा है, जो केवल औपचारिक प्रमुख की भूमिका में है। मसलन एनटीए के अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालयों के चांसलर की तरह होता है। नीति निर्माण या क्रियान्वयन में उसकी कोई भूमिका नहीं होती, किन्तु मीडिया बगैर सुबूत के ही उन्हें मुजरिम की तरह पेश कर रहा है। यह जब किसी विषय पर अदालत विचार कर रही हो तो इस तरह का मीडिया ट्रायल न्यायिक कार्यों में दखलंदाजी और अदालत की अवमानना है।

न्यायशास्त्र का आधारभूत सिद्धांत यह है कि किसी व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाएगा जब तक उसे अदालत द्वारा दोषी साबित न कर दिया जाए, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ऊपर यह नियम लागू नहीं होता। कई बार तो वह इस तरह की व्यूहरचना तैयार कर लेता है कि अभियुक्त के खिलाफ एक सामाजिक माहौल तैयार हो जाता है और मुकदमे के अदालत में जाने से पहले ही अभियुक्त दोषी ठहरा दिया जाता है। विधि आयोग ने 2006 में जारी अपनी 200 पेज की रिपोर्ट में मीडिया ट्रायल अभिव्यक्ति की आजादी तथा निष्पक्ष न्याय के अन्तर्सम्बन्धों पर विस्तार से चर्चा की थी।

आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष न्यायमूर्ति एम जगन्नाथराव ने मत व्यक्त किया था कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण समाचारों के प्रसारण का स्वरूप बदला और उसका असर कई बार अभियुक्तों, गवाहों और यहां तक कि न्यायाधीशों पर पड़ता है। किसी भी व्यक्ति को अदालती फैसले से पहले फैसला सुनाने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। विधि आयोग ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि इस तरह के मीडिया ट्रायल से निष्पक्ष न्याय पाने के अधिकार में गैरवाजिब दखलंदाजी हो रही है, जो न्यायालय अवमानना कानून 1971 की मंशा के विरुद्ध है। न्यायालय अवमानना कानून की धारा 2 में अवमानना को परिभाषित किया गया है। ऐसा कोई भी प्रकाशन जो न्यायिक कार्यवाही या न्याय प्रशासन में दखलंदाजी करता हो या उस पर प्रतिकूल असर डालता है, वह अदालत की आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता है। मीडिया ट्रायल द्वारा न केवल समानांतर जांच की कार्यवाही की जा रही है, अपितु तमाम विशेषज्ञों को बुलाकर उसके फॉरेंसिक और कानूनी पहलुओं पर इस तरह की चर्चा की जा रही है, जिससे कई लोगों को अपराधी साबित किया जा सके। इस सामाजिक दबाव के सामने निष्पक्ष जांच करना और फिर उस पर निष्पक्ष निर्णय देना आसान काम नहीं है। मुकदमें के सम्यक विचारण के बाद यदि अदालत उन लोगों के खिलाफ सुबूत न मिलने पर छोड़ देता है

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर में एटीएम की हेरा फेरी कर 85 हजार रूपए उड़ाए

इसुआपुर । इसुआपुर बाजार स्थित एसबीआई के एटीएम से उचक्कौकों ने हेरा फेरी कर 85 हजार रुपए उड़ा लिए। घटना से संबंधित हेरा फेरी के शिकार सहाजितपुर थाना क्षेत्र के छपियां गांव निवासी इस्लाम मियां के पुत्र शमसुद्दीन ने इसुआपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। जिसमें कहा गया है कि वे इसुआपुर बाजार स्थित एटीएम से रुपए निकालने गया था। जहां मेरे पीछे एक अज्ञात व्यक्ति लाइन में खड़ा था। उसने मेरे इंडियन बैंक के एटीएम कार्ड को बदल लिया। फिर 10 मिनट बाद किसी दूसरे एटीएम से दो बार में मेरे खाते से 85 हजार रुपए की निकासी कर ली गई। जिसकी जानकारी मुझे मैसेज द्वारा मिली।

दो बाइक की टक्कर में दोनों चालक घायल

इसुआपुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के शामपुर गांव स्थित हनुमान मंदिर के पस पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें दोनों बाइक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायल सहाजितपुर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव निवासी आबिद हुसैन के पुत्र अख्तर हुसैन तथा उसी गांव के श्रीलाल के पुत्र अभिषेक कुमार को स्थानीय लोगों के द्वारा इलाज के लिए सीएचसी इसुआपुर ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

बिना बताए घर से पत्नी के गायब होने की प्राथमिकी

बनियापुर । बनियापुर के हंसराजपुर गाव मे बिना घर वालो को कुछ बताए गायब होने के मामले मे पति ने पत्नी की गुमसुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराया है। दर्ज प्राथमिकी मे राजेश कुमार पंडित ने बताया है कि सुबह से ही बिना घर के किसी सदस्य को बताए पत्नी चम्पा देवी गायब हो गयी,जिसके काफी समय तक घर वापस नही पहुंचने पर सभी नाते रिस्तेदारो के यहां खोजबीन किया गया कही कुछ पता नही चला।पीड़ित ने कुशल बरामदगी की गोहार लगाया है

तीन वारंटी गिरफ्तार

एकमा। सारण एसपी के निर्देश पर एकमा थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर अलग-अलग मामले में फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। एकमा थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि पुलिस के द्वारा विशेष छापेमारी अभियान चलाकर जामुनी अमनौर गांव से पूर्व में शराब के धंधे में आरोपी अदालत मांझी तथा मारपीट के मामले में आरोपी छित्रवलिया गांव के विधान साह व भुवरपुर के दिलीप भर को गिरफ्तार किया गया। जिन्हें पुलिस ने पूछताछ कर जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में अपराधियों, फरार चल रहे वारंटियों व असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है।

अपशिष्ट इकाई भवन का उद्घाटन

चनपटिया।प्रखंड क्षेत्र के मुसहरी सेनवरिया पंचायत के वार्ड संख्या 10 में शुक्रवार को लोहिया स्वच्छता बिहार अभियान के तहत निर्माण अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई भवन का उद्घाटन उप मुखिया सह प्रभारी मुखिया सुनील यादव,चनपटिया प्रखंड बी सी ओ मुकेश झा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। , जिसको लेकर ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है ।वही मौके पर स्वच्छताग्रही सहित सैकड़ो की संख्या में लोग रहे ।इस मौके पर मुखिया सुनील यादव कुन्दन कुमार सिंह ,हेमंत कुमार बारी, मुकेश कुमार रामेश्वर राम महादेव राम सत्रोहन राम सफीक अंसारी रामबाबू पटेल, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

पेड़ से दबकर एक व्यक्ति की हुई मौत

दरियापुर ।डेरनी थाना क्षेत्र के अचलपुर गांव में गुल्लर के पेड़ से दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई ।मृतक स्व0 भोला राय का 60 वर्षीय पुत्र सवालिया राय बताया जाता है ।घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार मृतक गर्मी ज्यादा रहने के कारण गुरुवार की रात दरवाजे पर लगे पेड़ के नीचे चारपाई लगा कर सो गए थे ।इसी बीच देर रात अचानक पेड़ उलट गया ।जिससे दबकर मौके पर ही मौत हो गई ।घटना के उपरांत परिजनो द्वारा शव को निकाला गया। वहीं पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया गया।

बालू लदे ट्रक जब्त चालक गिरफ्तार

परसा ।पिला बालू के अबैध परिवहन के खिलाफ अभियान चलाया ।परसा हाई स्कूल चौक पर चलाई जा राहिबअभियान में पुलिस ने एक ट्रक तथा चालक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार चालक मुजफ्फरपुर जिला के साहेबगंज थाना क्षेत्र के नवलपुर निवासी जिन्दल सहनी का पुत्र भरत सहनी बताया जाता है ।पुलिस ने कांड संख्या 214/24 मामला दर्ज कर गिरफ्तार चालक को जेल भेज दिया।

साइबर अपराधियों का हब बना पश्चिमी चंपारण का मझौलिया एवं नौतन प्रखंड

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(मोहन सिंह)। पश्चिम चंपारण जिला का मझौलिया और नौतन थाना क्षेत्र इन दोनों साइबर अपराधियों का हब बनता जा रहा है। साइबर थाना एवं नौतन पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से एक दर्जन पासबुक, तीन चेक बुक, चार मोबाइल तथा तीन एटीएम कार्ड भी बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों में नौतन थाना क्षेत्र के बैद्यनाथ नगर निवासी संदीप कुमार 28 वर्ष पिता महेंद्र प्रसाद पाल, नौतन दुबे निवासी विजय कुमार 25 वर्ष पिता नागेश्वर राम एवं शिव का टोला निवासी नवीन कुमार 24 वर्ष पिता रामविलास महतो शामिल है। पुलिस में तीनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके एक दिन पूर्व राजधानी पटना के कदम कुआं पुलिस ने एक महिला सहित दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से भारी मात्रा में एटीएम कार्ड पासबुक एवं मोबाइल भी बराबर किया है पुलिस ने दोनों का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की बात बताई गई है। गिरफ्तार दोनों साइबर अपराधियों द्वारा लाखों रुपए की हेरा फेरी करने का मामला भी प्रकाश में आया है। गिरफ्तार दोनों साइबर अपराधियों में पश्चिमी चंपारण जिला के मझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया निवासी नेस्ताक आलम एवं पूर्वी चंपारण जिला के नौरंगिया निवासी ईशा कुमारी शामिल है। ईशा कुमारी का संबंध कई अंतर प्रांतीय साइबर ग्रुप से भी सामने आया है। बताते चले की मझौलिया थाना क्षेत्र का जौकटिया ग्राम मैं साइबर आबादियों का एक बहुत बड़ा रैकेट सक्रिय है। पूर्व में बेतिया पुलिस जिला में पदस्थापित तत्कालीन प्रशिक्षु डीएसपी सद्दाम हुसैन ने साइबर अपराधियों का एक बहुत बड़ा रैकेट का पदार्फाश किया था। जिसमें उन्होंने कई साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी किया था और उनके पास से भारी मात्रा में पासबुक एटीएम कार्ड मोबाइल आदि भी बरामद किया था तथा कोलार रुपए की हेरा फेरी करने का मामला भी उजागर किया था। इतना ही नहीं जो जौकटिया के साइबर अपराधियों के रैकेट के साथ मझौलिया थाने के दो तत्कालीन पुलिस पदाधिकारी की संलिप्तता की बात भी सामने आई थी लेकिन मामला आई गई रह गई और इसका सगन जांच पड़ताल नहीं किया जा सका। जिसके कारण साइबर अपराधियों का खेल बेखौफ जारी है।

बिहार की प्राचीन लोक कथा सिक्की लुप्त होने के कगार पर

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। नसीम खान क्या बिहार की प्राचीन लोक कलाओं में से एक सिक्की कला लुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है लेकिन बिहार के बगहा की आदिवासी महिलाओं के प्रयास से यह कला अब अपनी पुरानी रौनक में लौट रही है।

सिक्की कला के जरिए आदिवासी इलाके की महिलाएं ना सिर्फ अपने सांस्कृतिक विरासत को बचा रही हैं बल्कि इस हुनर का उपयोग कर आर्थिक रूप से एक हद तक आत्मनिर्भर भी बन रही हैं।

दरअसल बिहार की बाढ़ वाली नदियों के किनारे उगने वाले एक विशेष प्रकार की घास का उपयोग कर महिलाएं रंग बिरंगी मौनी, डलिया,पंखा,पौती,पेटारी, सिकौती,सिंहोरा इत्यादि चीजें बनाती हैं जिसकी डिमांड विदेशों तक है।

बतादें की सिक्की कला का इतिहास काफी पुराना है। तकरीबन 400 वर्ष पहले से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं इस कला में निपुण रही हैं।

पुराणों में भी इस बात का जिक्र है की राजा जनक ने अपनी पुत्री वैदेही को विदाई के समय सिक्की कला की सिंहौरा, डलिया और दौरी इत्यादि बनाकर दिया था। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में बेटी की विदाई के दौरान सिक्की से बने उत्पादों को देने की परंपरा चली आ रही है।

इस लुप्त होती सिक्की कला के जरिए सैकड़ों आदिवासी महिलाएं अपना तकदीर लिख रही हैं।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों को सिक्की कला के उत्पाद खूब भाते हैं। ऐसे में यदि सरकार इस सिक्की कला को बढ़ावा देने का प्रयास करे तो ग्रामीण क्षेत्रों में लघु एवं कुटीर उद्योग को बड़े पैमाने स्थापित कर रोजगार का सृजन किया जा सकता है।

एसडीओ,डीएसपी व मुख्य पार्षद रुबी सिंह,ने भारतीय शास्त्रीय संगीत का भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन विधिवत दीप जलाकर किया

प्रात: किरण, संवाददाता

मढ़ौरा ग्रामीण गढ़देवी मंदिर परिसर में भारतीय शास्त्रीय संगीत का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरांन दिल्ली, मुंबई और बनारस से पहुंचे कई अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के द्वारा मेघ मल्हार सहित अन्य रागों की प्रस्तुति की गई। जिसे सुन सुधि श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय संगीत के गायक काशी हिंदू विश्वविद्यालय संगीत संकाय के प्रोफेसर पंडित राम शंकर ने राग मेघ मल्हार ह्य ऐसो सावन दूल्हा आयो रे ह्य को प्रस्तुत कर लोगो मे एक विशेष अनुभूति का संचार कर दिया। इस दौरान उनके साथ तबले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के तबला वादक दिल्ली से पधारे प्रभाकर पांडे ने जबकि हारमोनियम पर पंडित राघवेंद्र शर्मा ने संगत किया। इस मौके पर बनारस के प्रणय शंकर द्वारा कई राग प्रस्तुत किए गए ।जबकि ताल योगी आश्रम मुंबई से पधारे पद्मश्री डॉ सुरेश तलवलकर के शिष्य प्रणय रंजन के द्वारा एकल सोलो तबला वादन किया गया। जिसे सुन श्रोता आह्लादित हो उठे और तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर बयोवृद्ध तबला वादक रामनाथ सिंह को तबला सम्राट सम्मान से सम्मानित किया गया। इससे पहले मढौरा एसडीओ डॉक्टर प्रेरणा सिंह, डीएसपी नरेश पासवान, मुख्य पार्षद रुबी सिंह, और बीडीओ सुधीर कुमार ने इन अन्तर्राष्ट्रीय कलाकारों की मौजूदगी में दीप जलाकर इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा इन ख्याति प्राप्त कलाकारों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया।

एसडीओ ने प्रसिद्ध शिल्हौरी मन्दिर की चहारदीवारी का निर्माण हेतु किया भूमिपजन

प्रात: किरण, संवाददाता

मढ़ौरा के शिल्हौरी स्थित प्रसिद्ध शिलानाथ मंदिर परिसर में चहारदीवारी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए शुक्रवार को मंदिर समिति की अध्यक्ष मढौरा एसडीओ डॉक्टर प्रेरणा सिंह ने विधिवत भूमि पूजन कर इस कार्य का श्री गणेश किया है। प्राप्त सूचना के अनुसार शिल्हौरी शिलानाथ मंदिर के पास काफी जमीन है और कई लोग इस जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। जिससे मंदिर की परिसंपत्ति को क्षति पहुंच रही है। ऐसे में न्यास बोर्ड के निर्देश के अनुसार मंदिर न्यास समिति की अध्यक्ष एसडीओ के द्वारा मंदिर की परीसंपत्तियों को सुरक्षित करने के लिए उठाए जा रहे उक्त कदमो की सराहना की जा रही है। एसडीओ ने भूमि पूजन के बाद कहा कि सावन मेला से पहले उक्त मंदिर की बाउंड्री का निर्माण करा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे मंदिर की पूरी परिसंपत्तियों का विस्तृत विवरण तैयार करने के लिए मढ़ौरा अंचल पदाधिकारी को निर्देश दी हैं ताकि मंदिर के पूरे जमीन और अन्य परिसंपत्तियों की सही जानकारी एकत्र कर उसकी सुरक्षा की जा सके। उन्होंने आम लोगों से भी इस कार्य में सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर मंदिर समिति के सचिव जितेंद्र कुमार, सर्वेश्वर उपाध्याय, पुजारी धर्मेंद्र उपाध्याय,मुखिया संघ अध्यक्ष परमात्मा राय, मुखिया विनय सिंह, मुखिया कमलेश प्रसाद, भूपेश भीम, विष्णु गुप्ता, मनीष कुमार यादव, काशी नाथ राय, शैलेंद्र सिंह,भूपेश योगेंद्र राय, बजरंगी यादव महेंद्र राय, शैलेंद्र सिंह सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के युवा इकाई के सदस्यों ने किया रक्तदान

प्रात: किरण, संवाददाता

छपराः रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के तत्वाधान में युवा इकाई के सदस्यों ने शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन छपरा सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में किया।जिसमें रेड क्रॉस युवा इकाई के सदस्यो में भुनेश्वर कुमार,राहुल कुमार,विकास कुमार, ऋतिक राज,पीयूष कुमार, योगेश कुमार शामिल थे। रक्तदान शिविर का विधिवत्त उद्घाटन रेड क्रॉस सोसाइटी सारण की जिला सचिव जीनत जरीना मसीह ने किया। इस मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के जिला सचिव जीनत जरीना मसीह ने युवाओं को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया तथा साथ ही रक्तदान से होने वाले फायदे के बारे में विस्तृत रूप से बताई।वही छपरा ब्लड बैंक से डॉक्टर किरण ओझा,टेक्नीशियन धर्मवीर कुमार, गुड्डू,संजय कुमार,अविनाश कुमार ने लैब टेक्नीशियन के रूप में कार्य किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में संजीव चौधरी और अमन राज ने अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर पैनल अधिवक्ताओं की हुई बैठक

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार जिगर साह ने आगामी 13 जुलाई 2024 को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए पैनल अधिवक्ताओं की बैठक की बैठक में विधि मंडल के अध्यक्ष गंगोत्री प्रसाद भी उपस्थित थे ।सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनिय आपराधिक मामलों दीवानी मामलों दुर्घटना बीमा दावा परिवारिक विवाद भू अधिग्रहण राजस्व बिजली और पानी एन आई एक्ट बैंक ऋण कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन संबंधित वाद आदि से संबंधित मामलों का सुलह समझौते के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। अधिक से अधिक मामलो का निस्पादन हो इसके लिए विधि मंडल के अध्यक्ष जी को भी सहयोग करना होगा। ताकि विधि मंडल के अधिवक्ता भी सहयोग कर अधिक से अधिक मामलो का निस्पादन करा सके ।अपने विवादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर बिना खर्च बिल्कुल मुफ्त तत्काल समाप्त कराए ।अपना वाद लोक अदालत में ले जाने के लिए संबंधित न्यायालय से संपर्क करें जहां आपका वाद लंबित है ।यदि आप बाद लोक अदालत द्वारा निष्पादित होता है तो आपके द्वारा दाखिल न्याय शुल्क भी वापस पाने के हकदार हैं। बैठक में सभी पैनल अधिवक्ता उपस्थित थे।

दो घरों से लाखों के सामान की चोरी, चापाकल के हेड भी खोल ले गए चोर

प्रात: किरण, संवाददाता

पानापुर(सारण)गुरुवार की रात चोरों ने भोरहा गांव निवासी रामायण राय एवं लोचन राय के घरों को निशाना बनाते हुए नकदी सहित लाखो रुपये मूल्य के गहने एवं अन्य कीमती सामान की चोरी कर ली। वही भोरहा मठिया स्थित शिवमंदिर पर गड़े चापाकल का हेड भी खोल लिए।गृहस्वामियों को इस चोरी का पता शुक्रवार की सुबह लगी जब ने नींद से जगे।टूटे बक्से एवं घर के अंदर बिखरे सामान देखकर उनके होश उड़ गए।बताया जाता है कि गर्मी के कारण रामायण राय के घर के सदस्य छत पर सो रहे थे।इसी का फायदा उठा चोर खिड़की तोड़ घर के अंदर घुस गए एवं बक्से तोड़ नकदी के अलावे गहने एवं लाखो रुपये मूल्य के सामान की चोरी कर ली।वही चोरों ने लोचन राय के घर की चहारदीवारी फांदकर घर मे घुस गए एवं गहने एवं अन्य सामान की चोरी कर ली।चोरों ने करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित शिवमंदिर से चापाकल का हेड उखाड़ लिए।बताया जाता है कि चोरों ने भोरहा देवी स्थान पर गड़े चापाकल के हेड को भी निशाना बनाया था लेकिन हैंडल टूट जाने से वे अपने मकसद में कामयाब नही हो सके।एक ही रात दो घरों में चोरी की घटना से लोगो मे हड़कंप मच गया।सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुँची एवं मामले की छानबीन में जुटी है।

देशी कट्टा,तीन जिंदा कारतूस व सोने के गहने के साथ दो गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

तरैया थाना क्षेत्र के गवंद्री एसएच 73 मुख्य सड़क पर वाहन जांच के दौरान तरैया पुलिस ने बाइक सवार दो अपराधियों को एक देशी कट्टा,तीन जिंदा कारतूस व सोने के गहने के साथ गिरफ्तार कर लिया है।गिरफ्तार अपराधियों में कटिहार जिले के नगर थाना क्षेत्र के लाल कोठी रोड के निवासी विजय कुमार साह एवं बेगूसराय जिले के टेंगड़ा थाना क्षेत्र के चिल्हाई घाट निवासी विशाल कुमार साह शामिल है।इस संबंध में तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज किया है।दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना के आधार पर मढ़ौरा तरैया एसएच 73 मुख्य सड़क पर वाहन जांच किया जा रहा था।उसी दौरान मढ़ौरा के तरफ से काले रंग के अपाची बाइक पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए जिन्हे रुकने का इशारा करने पर बाइक घुमाकर भागने का प्रयास करने लगे।जिसे पुलिस बल के सहयोग से पकड़ लिया गया।पकड़ाए व्यक्ति के तलाशी लेने पर एक कट्टा,तीन जिंदा कारतूस, तीन गोल कांच का डब्बा एवं एक लंबा लाल रंग का डब्बा सभी पर काले रंग से डेवढ़ी तख्त अंकित किया हुआ एवं एक गोल डब्बे के ऊपर राजनंदनी ज्वेलर्स तथा लंबे लाल डब्बे के अंदर छठी लाल प्रसाद मनोज प्रसाद ज्वैलर्स फॉर्म कुणाल अनार्मेंट हाउस नवीन फैंसी ज्वेलर्स के निमार्ता एवं विक्रेता मेन रोड मढ़ौरा सारण अंकित किया हुआ एवं एक काले रंग का अपाची बरामद हुआ।पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार अपराधियों को छपरा जेल भेज आगे की कारवाई में जुट गई है।

कई ट्रेनों के हुये मार्ग परिवर्तन व निरस्तीकरण

प्रात: किरण, संवाददाता

छपराः रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु गोंडा-बुढ़वल तीसरी लाइन निर्माण के परिप्रेक्ष्य में गोंडा कचहरी-मैजापुर-करनैलगंज स्टेशनों के प्री नॉन इंटरलॉकिंग/नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, रि-शिड्यूलिंग/नियंत्रण, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं अस्थाई ठहराव निम्नवत है। निरस्तीकरण छपरा से 28 जून, 01 एवं 03 जुलाई, 2024 को चलने वाली 22531 छपरा-मथुरा जं. एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। मथुरा जं. से 28 जून, 01 एवं 03 जुलाई, 2024 को चलने वाली 22532 मथुरा जं.-छपरा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। आनन्द विहार टर्मिनल से 01 जुलाई, 2024 को चलने वाली 04058 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। मुजफ्फरपुर से 02 जुलाई, 2024 को चलने वाली 04057 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। ग्वालियर से 30 जून, 2024 को चलने वाली 04137 ग्वालियर-बरौनी विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। बरौनी से 01 जुलाई, 2024 को चलने वाली 04138 बरौनी-ग्वालियर विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। अमृतसर से 01 से 04 जुलाई, 2024 तक चलने वाली 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। पूर्णिया कोर्ट से 02 से 05 जुलाई, 2024 तक चलने वाली 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। लखनऊ जं. से 01, 02 एवं 03 जुलाई, 2024 को चलने वाली 12530 लखनऊ जं.-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। पाटलिपुत्र से 01, 02 एवं 03 जुलाई, 2024 को चलने वाली 12529 पाटलिपुत्र-लखनऊ जं. एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। छपरा कचहरी से 30 जून से 04 जुलाई, 2024 तक चलने वाली 15114 छपरा कचहरी-गोमती नगर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। गोमती नगर से 01 से 05 जुलाई, 2024 को चलने वाली 15113 गोमती नगर-छपरा कचहरी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। दरभंगा से 01 से 04 जुलाई, 2024 तक चलने वाली 15211 दरभंगा-अमृतसर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। अमृतसर से 02 से 05 जुलाई, 2024 तक चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। छपरा से 01 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05323 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। आनन्द विहार टर्मिनल से 02 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05324 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। सहरसा से 01 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05575 सहरसा-सरहिंद विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। सरहिंद से 03 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05576 सरहिंद-सहरसा विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। गुवाहाटी से 01 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05656 गुवाहाटी-जम्मूतवी विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। जम्मूतवी से 04 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05655 जम्मूतवी-गुवाहाटी विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। रक्सौल से 30 जून, 2024 को चलने वाली 05531 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। आनन्द विहार टर्मिनल से 01 जुलाई, 2024 को चलने वाली 05532 आनन्द विहार टर्मिनल-रक्सौल विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। नई दिल्ली से 28 जून एवं 02 जुलाई, 2024 को चलने वाली 04004 नई दिल्ली-सीतामढ़ी विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। सीतामढ़ी से 28 जून एवं 02 जुलाई, 2024 को चलने वाली 04003 सीतामढ़ी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

नीतू कुमारी हुई मढ़ौरा निर्विरोध प्रमुख निर्वाचित

प्रात: किरण, संवाददाता

मढ़ौरा ग्रामीण मढौरा अनुमंडल कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को हुए चुनाव में मुबारकपुर के भलुहि निवासी सुरेंद्र राय की बहू बीडीसी सदस्य नीतू कुमारी मढौरा की निर्विरोध प्रमुख निर्वाचित कर ली गई। इस चुनाव के दौरान मढौरा के 30 बीडीसी सदस्यों में से कुल 21 सदस्य सदन में उपस्थित हुए जबकि विरोधी गुट के 9 बीडीसी सदस्य सदन से गायब रहे। अनुपस्थित रहने वाले सदस्यों का इंतजार एक निर्धारित समय तक किया गया। जिसके बाद निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी ने नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी। जिसमें प्रमुख पद के लिए एकमात्र नामांकन नीतू कुमारी का हुआ जिन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। बाद में इन्हें चुनाव प्रेक्षक जिला पीजीआरओ संजय कुमार की मौजूदगी में निवार्ची पदाधिकारी डॉक्टर प्रेरणा सिंह ने जीत का प्रमाण पत्र सौपा और इन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस चुनाव में शामिल बीडीसी सदस्यों में नीतू कुमारी के अलावा मुख्य रूप से कांति देवी, मनोज राय, सोनम देवी, जहीर अहमद ,विश्वकर्मा कुमार राय, दीपक मिश्रा, रजनीश कुमार सिंह, मोहन कुमार साह, फूलकुमारी देवी, पूनम देवी, चांदनी देवी, प्रियंका देवी, दुर्गावती देवी, शशिकांत सिंह, कल्याणी देवी, पिंकी देवी सहित अन्य लोगों का नाम शामिल है। उधर पूर्व प्रमुख गायत्री देवी और उनके 8 समर्थक इस चुनाव प्रक्रिया में शामिल नही हुए और सदन से अनुपस्थित रहे। इस मौके पर मिजापुर के हर्षवर्द्धन दीक्षित, सुरेंद्र राय, महफूज आलम,हरेंद्र राय, गुड्डू खान, सुनील कुमार सहित काफी संख्या में नव निर्वाचित प्रमुख के समर्थक मौजूद थे। जिन्होंने विजयी प्रमुख को माला पहनाकर उनका स्वागत किया जबकि प्रमुख नीतू कुमारी ने उन्हें जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले मिजापुर के हर्षवर्द्धन दीक्षित का पाव छूकर आशीर्वाद भी लिया।

जिला प्रशासन की नजरें डीआरसीसी कर्मियों की परेशानियों पर कब होगी इनायत

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा ' सीएम नीतीश कुमार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड कर्मी इन दिनों प्रचंड गर्मी से परेशान हैं, लगभग दो दर्जन काउंटर का एसी खराब हो जाने से यह स्थिति उत्पन्न हो गई है ' इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र देने के बाद भी अब तक खराब एसी ठीक नहीं हो पाया है ' बता दें कि रतनपुर बिनटोलिया स्थित जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र है, जहां से उच्च शिक्षा मेडिकल इंजीनियरिंग ग्रहण करने वाले छात्र - छात्राओं को आर्थिक मदद दी जाती है ' इस कार्यालय में लगभग 70% महिलाओं द्वारा ही कार्य को अंजाम दिया जाता है, ऐसी स्थिति में भीषण गर्मी से परेशान होकर भी महिलाएं एवं पुरुष कर्मी अपनी दायित्वों को बखूबी निभा रहे हैं ' सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगभग दो माह से जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र का एसी खराब है, इस संबंध में जिलाधिकारी के माध्यम से पत्र द्वारा अवगत करा दिया गया था ' विदित हो कि इस बार गर्मी भी रिकॉर्ड तोड़ पड़ रस रहा है, प्रचंड गर्मी से आम से खास लोगों का जीना मुहाल हो गया है ' ऐसी स्थिति में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के कर्मियों का बिना एक एसी के काउंटर पर छात्र-छात्राओं के कार्यों का निष्पादन करना कितना पीड़ादायक प्रतीत हो रहा है, स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं ' इस संबंध में काउंटर पर महिला कर्मियों से जानने की कोशिश की तो कुछ भी बोलने से परहेज करती नजर आई, और गर्मी से उनका हाल बेहाल दिख रहा था ' प्रचंड गर्मी को झेलते हुए भी अपने दायित्व को निर्वहन करती नजर आई ' मालूम हो कि बिहार स्टेट स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना सरकार की महत्वकान्छी योजना है, इसके सहारे गरीब मेधावी छात्र- छात्राएं अपने करियर को उड़ान देते हैं ' भीषण गर्मी से खासकर महिला कर्मियों का हाल बुरा है, और इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है ' फिलहाल भीषण गर्मी झेलकर भी डी आरसीसी केंद्र की महिला एवं पुरुष कर्मी अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं ' अब देखना है कि इन कार्मिओं पर जिला प्रशासन की नजरें कब इनायत होगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा '

जिला पदाधिकारी के द्वारा लोक शिकायत द्वितीय अपील के 11 मामलों की सुनवाई करते हुए समाधान किया गया

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा नगर। जिलाधिकारी, सारण अमन समीर के द्वारा शुक्रवार को कार्यालय कक्ष से बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील में शिकायतों की सुनवाई की गई और शिकायत का निवारण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा आज लोक शिकायत के कुल 11 मामलों की सुनवाई की गई जिसमें 06 मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया तथा शेष 05 मामलों में पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली तिथि पर लोक प्राधिकार को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि लोक शिकायतों का ससमय तथा गुणवत्तापूर्ण निवारण अत्यावश्यक है। लोक प्राधिकारों को तत्परता प्रदर्शित करनी होगी। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, संवेदनशील तथा सक्रिय रहें।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य जांच की गई

औरंगाबाद।जिला मुख्यालय औरंगाबाद से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम में आद्रा मेला के निमित आज डॉ अरुण कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की एक टीम आई और आद्रा मेला में घूम-घूम कर स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न श्रद्धालुओं का जांच किया गया कुछ को ओ आर एस का घोल पिलाया गया और कुछ अन्य बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी इलाज की गई। सत्यचंडी धाम न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि 22 जून से 6 जुलाई तक लगातार मेला का आयोजन किया गया है प्रतिदिन श्रद्धालु भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो इसका विशेष ख्याल रखा जा रहा है।इस क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची और लोगों के स्वास्थ्य का जांच किया।मेला के सफल संचालन में पिंटू सिंह,उप मुखिया राहुल सिंह ,चंदन मिश्रा पुजारी जयश्री बाबा, अमरेश सिंह,अरुण सिंह,सुरेंद्र सिंह आचार्य रामप्रवेश मिश्रा, जिला परिवहन संघ के अध्यक्ष राम सकल सिंह ने विशेष भूमिका निभाई।

बिहार विधान परिषद के सभापति का स्वागत

औरंगाबाद।बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह का पटना रोड स्थित सिपहा मोड़ के पास भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय मेहता जी के नेतृत्व में सैकडो एनडीए कार्यकताओं के साथ फूलों की माला अंग वस्त्र एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। श्री मेहता ने बताया कि अवधेश बाबू कार्यकताओं को जो सम्मान और जो आदर देते हैं उसे हम सब लोग काफी प्रभावित रहते हैं वही शमशेर नगर मंडल के महामंत्री अनूप मनोहर ने माननीय सभापति जी को एक आवेदन देते हुए कहा की सिपहा महावर सड़क को बालू वाले ट्रक से अतिक्रमण मुक्त करने की दिशा में आप जिले के वरीय पदाधिकारी से बात कर हम सभी दर्जनों गांव के लोग जो इस सड़क मार्ग से आते जाते हैं।उन्हें जो समस्याएं आ रही है उससे मुक्ति दिलाने की कृपा करें इस कार्यक्रम में नीतीश कुमार कुशवाहा,बिंदेश्वर कुशवाहा, उपेंद्र सिंह कुशवाहा, कमलेश कुशवाहा,मोनू मिश्रा, करण कुमार, रवि साव, नवीन मनोहर, रंजन चौधरी, लाल कुमार, कंचन साव, मुकेश गुप्ता, सिकंदर गुप्ता, संजय मिस्त्री, नंदकिशोर मिस्त्री, अजय मिस्त्री एवं सैंकड़ों एनडीए कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न गाड़ियों में चलाया गया चेकिंग अभियान

जमुई [झाझा] झाझा स्टेशन पर रेलवे में बिना टिकट यात्रा करना, साधारण टिकट पर एसी बोगी या अन्य आरक्षण बोगी में यात्रा करने वाले लोगों पर शिकंजा कसने को लेकर रेलवे पदाधिकारी इन दिनों अलर्ट मोड पर दिखाई दे रहे है।दानापुर डिवीजन के कई स्टेशनों पर बेटिकट यात्रा करने वाले लोगों के खिलाफ विशेष सर्च अभियान भी चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में शुक्रवार को झाझा रेलवे स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान रेल मजिस्ट्रेट किऊल कुंदन कुमार गुप्ता की अगुवाई में चलाया गया।अभियान अप एवं डाउन रेलवे प्लेटफार्म पर आने वाली पटना धनबाद इंटरसीटी, हावड़ा नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस सहित अन्य कई गाड़ियों में चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कई ऐसे रेलयात्री को रेल मजिस्टेट्ट ने पकड़ा जिसके पास साधारण टिकट है और वह एसी बोगी में ठंडी हवा खाने के लिए सवार थे तो कई ऐसे रेलयात्री भी पकड़े गए जो जसीडीह से एसी में सवार होकर यात्रा कर रहे थे।इस दौरान अवैध तरीके से यात्रा कर रहे कई लोग बिना टिकट के ही गाड़ी में सवार थे।रेल मजिस्ट्रेट ने बताया कि अवैध तरीके से गाड़ियों में यात्रा करने वालों के खिलाफ यह अभियान निरंतर झाझा सहित अन्य रेलवे स्टेशन, गाड़ियों में जारी रहेगा।समाचार प्रेषण तक चेकिंग अभियान जारी था।

नाइट ब्लड सर्वे के आधार ही प्रखंडों में संचालित किया जाएगा एमडीए राउंड

प्रखंडों में एक व इससे अधिक एमएफ रेट होने पर ही लोगों को खिलाई जाएगी फाइलेरिया रोधी दवाएं

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर शुरू होने वाले सर्वजन दवा सेवन (एमडीएम) राउंड के लिए नाईट ब्लड सर्वे (एनबीएस) की शुरूआत हो चुकी है। इसके लिए जिले के प्रत्येक प्रखंड में दो-दो साइट्स बनाए गए हैं। जिनमें एक सेंटिनल और दूसरा रैंडम साइट का निर्धारण किया गया है। इन साइट्स पर स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा 300-300 लोगों के खून का सैंपल लेना है। ताकि, उन सैंपल की जांच कर जिले में माइक्रो फाइलेरिया की दर का पता चलाया जा सके। साथ ही, माइक्रो फाइलेरिया की दर के आधार पर ही प्रखंडों में एमडीए राउंड का संचालन किया जाएगा।

इस क्रम में सिविल सर्जन डॉ. ईला मिश्रा ने बताया कि जिले के 13 प्रखंडों और आरा सदर व ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर कुल 30 साइट्स का निर्धारण किया गया है। जहां पर लोगों के खून के सैंपल लेने के लिए रात 8:30 बजे से लेकर मध्य रात्रि 12:00 बजे तक शिविर का संचालन किया जाएगा। इस दौरान निर्धारित गांव में फ्रंट लाइन वर्कर्स के माध्यम से 20 व उससे अधिक उम्र के महिला व पुरुषों के खून के नमूने लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि एनबीएस की रिपोर्ट में अगर माइक्रो फाइलेरिया का प्रसार दर एक व इससे अधिक प्रतिशत में आएगा, तो उसे प्रखंड में एमडीए का संचालन किया जाएगा। यदि माइक्रो फाइलेरिया दर एक प्रतिशत से कम आएगा तो उक्त प्रखंड में एमडीए का संचालन नहीं किया जाएगा।

प्रखंडों में फाइलेरिया मरीजों के आधार पर किया सेंटिनल साइट्स का चयन : अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि सेंटिनल साइट्स का चयन प्रखंडों में फाइलेरिया मरीजों के आधार पर किया गया है। जिसमें अगिआंव के बड़गांव, आरा सदर के पिरौटा, आरा ग्रामीण के धरहरा, बड़हरा के नेकनाम टोला, बिहिया के बिहिया, चरपोखरी के नगरी, गड़हनी के काऊप, जगदीशपुर के दावा, कोइलवर के कोसिहन, पीरो के पंचरूखिया, सहार के कोलडिहरी, संदेश के अहिमनचक, शाहपुर के बिलौटी, तरारी के बिहटा व उदवंतनगर के स्थानीय गांव का चयन किया गया। इन गांवों में फाइलेरिया मरीजों की कुल संख्या 467 है। दूसरी ओर, रैंडम साइट में बेराथ, धोबहां, गौसगंज वार्ड नंबर 05, बभनगांवा पूर्वी, पिपरा जगदीश, बगही, पिपरा, केशवपुर, पुराना हरिपुर, डोमन डिहरी, पेरहाप, नसरतपुर, दामोदरपुर, पूर्वी इंग्लिश व चकरदह गांव का चयन किया गया है। जहां पर एनबीएस का संचालन किया जा रहा है।

एनबीएस व एमडीए में बर्दाश्त नहीं की जाएगी लापरवाही : एनबीएस की पहली रात यानी बुधवार की रात जिले में चयनित गांवों में शिविर लगाकर लोगों के खून के नमूने लिए जा रहे थे। इस बीच एसीएमओ सह डीएमओ डॉ. केएन सिन्हा उदवंतनगर के स्थानीय गांव में संचालित शिविर का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान एमओआईसी डॉ. अभिषेक कुमार, आशा कार्यकर्ता निर्मला देवी व आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका रेणु देवी अनुपस्थित पाए गए। जिसको गंभीरता से लेते हुए एसीएमओ ने तीनों अधिकारियों और कर्मियों पर कार्रवाई की अनुशंसा की। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि तीनों लोगों से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए वेतन काटने की भी अनुशंसा की जाएगी। उन्होंने सख्ती के साथ कहा कि किसी भी हाल में एनबीएस व एमडीए में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर केंद्र से 300-300 सैंपल लिए जाने हैं, जिसे तय अवधि में पूरा करना है। पंचायत समिति सदस्य कमलेश सिंह, कौशल सिंह, प्रदीप कुमार, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण विभाग के वीडीसीएस अजीत कुमार पटेल, एफएलए प्रियंका कुमारी, एएनएम प्रेमा कुमारी व अन्य मौजूद थे।

नीट पेपर लिक मामले पर जनतंत्र आवाज पार्टी ने दिया धरना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जनतंत्र आवाज पार्टी ने जिला समहरणलय पर अजय शर्मा के अध्यक्षता मे धरना दिया धरना को सम्बोधित करते हुए,,,, ने कहा शिक्षा पर देश के सभी ब्यक्ति का अधिकार है मगर जान बुझ कर सरकार शिक्षा को महगा करते जा रही जिसे बच्चो को पढ़ाना मुश्किल हो रहा है मोके पर पार्टी के महासचिव कुंदन शर्मा ने कहा शिक्षा मे झुआ झूत आज भी कायम है इस लिए गरीब सरकारी बिधालय मे और अमीर महगें प्राइवेट बिलालय मे पढ़ रहा है

पार्टी के संरक्षक प्रेमचंद प्रसाद ने कहा शिक्षा को महगा होने से सरकार को बचाना चाहिए ताकि सभी को शिक्षा मिल सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज किशोर शर्मा ने कहा बिगत कई वर्ष से सभी महत्वपूर्ण परीक्षा लिक कर दी जाति है जिसे आर्थिक रुप से कमजोर छात्रों का शोषण होता है। नीट परीक्षा पेपर लिक मामला स्पस्ट करता है कि राजनीती संरक्षण मे परीक्षा माफिया हर महत्वपूर्ण परीक्षा होने से पहले पेपर लिक करा कर कडोडो का कमाई कर जाते है जबकि किसी भी परीक्षा के तैयारी मे छात्र लाखो खर्च करते है अमीर प्रशन पत्र खरीद कर सफलता ले लेता है इससे अधिकतर हानि अपर बर्ग के आर्थिक कमजोर परिवार को छति होती है शर्मा ने कहा हर हालत मे शिक्षा से भरस्टाचार कदाचार समाप्त होना चाहिए जिसे मेधावी छात्र के अधिकार का हनन नहीं है। धरना के अंत मे प्रधानमंत्री ने नाम एक ज्ञापन महत्वपूर्ण मागो के साथ जिला धिकारी को दिया गया मंच संचालन जिला महा सचिव रजनीश कुमार ने किया धन्यवाद ज्ञापन राजेंद्र गुप्ता ने किया अन्य शामिल पार्टी कार्यकर्त्ता मे दिनेश पंडित लाल बाबू गुप्ता प्रेमचंद प्रसाद सुरेश कुमार अमित कुमार त्रिभुवन शर्मा देवकुमारी देवी गणेश शर्मा रामा शंकर शर्मा उतिम चंद शर्मा आदि शामिल हो।

परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ बिहार ने सरकार से किया अनुरोध

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर नें राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री एवं अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग डॉ.एस सिद्धार्थ को ई-मेल के माध्यम से पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के घंटे,समयावधि तय करने का अनुरोध किया है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नेशनल कैरीकुलम फ्रेमवर्क के तहत स्कूलों में पढ़ाई के लिए नियमावली तैयार करने के लिए निर्देशित किया है। जिसके अनुसार सरकारी स्कूलों में सप्ताह में मात्र 29 घंटे की पढ़ाई होगी। सोमवार से शुक्रवार तक 5 से 5:30 घंटे एवं महीने के दो शनिवार 2 से 2:30 घंटे की पढ़ाई होगी साथ ही दो शनिवार अवकाश रहेगा। शिक्षक नेता ठाकुर नें बताया कि जब उत्तर प्रदेश सरकार स्कूलों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पढ़ाई के घंटे सप्ताह मे मात्र 29 घंटे रखने को तैयार है तो फिर बिहार सरकार उसी राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हवाला देकर किस आधार पर 45 घंटे तय कर सकती है। क्या नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अलग अलग राज्यों में अलग अलग नियम होंगे ? ठाकुर ने मांग किया कि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हीं बिहार में भी सरकारी स्कूलों में सप्ताह में 29 घंटे की पढ़ाई एवं दो शनिवार अवकाश लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया जाए।

मानपुर पटवा टोली में एमएसएमई दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।लघु उधोग भारती - बिहार प्रदेश एवं बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ के संयुक्त तत्वाधान में बिहार के मिनी मैनचेस्टर के नाम से विख्यात औद्योगिक क्षेत्र मानपुर पटवा टोली में एमएसएमई दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाई गई है। मानपुर वासियों और सम्मानित उद्यमियों को एमएसएमई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं !'नए भारत' के 'नए बिहार' को आत्मनिर्भर बनाने, राष्ट्र के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में लघु उद्योगों का अहम योगदान है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप प्रदेश में उद्यम अनुकूल वातावरण और 'आत्मनिर्भर गया जी' की संकल्पना की सिद्धि हेतु हम निरंतर क्रियाशील हैं। एम एस ई दिवस के अवसर पर केंद्रीय एमएसएमई मंत्री भारत सरकार जीतन राम मांझी, केंद्रीय वस्त्र कबिना मंत्री भारत सरकार गिरिराज सिंह , उद्योग मंत्री बिहार सरकार नीतीश मिश्रा एवं एमएसएमई को खून पसीने से सीखने वाले कामगार मजदूर भाइयों को बहुत-बहुत बधाई हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। जीतन राम मांझी एमएसएमई के केंद्रीय मंत्री से निवेदन करते हैं की एमएसएमई के तहत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम,प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उधम उन्नयन योजना,बुनकर मुद्रा योजना ,एमएसएमई की सामूहिक ग्रुप स्फूर्ति योजना , यह जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए और धरातल पर योजना के अमली जामा पहनाने के लिए बिचौलिए और भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लगाते हुए बैंक और उद्योग से जुड़े कर्मचारी और पदाधिकारी को उद्योग स्थापित करने वाले स्टार्टअप उद्यमियों के साथ मित्रवत एवं सहयोगात्मक रवैया अपनाने की मांग की है। ताकि गया सहित पूरे बिहार में उद्योग का जाल बिक्ष सके और बिहार आत्मनिर्भर बन सके। बिहार के लोग पलायन न करें और बिहार रोजगार देने वाला राज्य की श्रेणी में आ सके।

उम्मीद जताई कि गया जिला में एमएसएमई उधोग का जाल बिछेगा। बियाड़ा के उप महाप्रबंधक मनोज कुमार को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया है। जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सह उप विकास वस्त्र पदाधिकारी सुश्री वंदना जी को शुभकामनाएं दी गई है।

इस मौके पर गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बुनकर संघ , दुखन पटवा , हरिहर प्रसाद , लेखराज कुमार , पारस नाथ , भोला नाथ , नेमधारी तांती , मो. मुजिबुल्लाह अंसारी , मो.मोहसिन अंसारी , अजय कुमार , सेमराज पटवा शाहिद बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे हैं।

रंग बाहादुर रोड निवासी बिजली एवं पानी से बेहाल

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।गया शहर जहा यहा के विधायक और सांसद समार्ट सिटी की बात करते हैं एक तरफ गया स्टेशन के समिप करिबन इस भिषण गर्मी से लोगो का जिना बुरी तरह से मुहाल हो रहा है वही बिजली विभाग की आना जाना बहुत ही बढता जा रहा है वही पानी की सप्लाई की आंख मिचौली से भी जनता त्राहि-त्राहि कर रहे हैं सुबह में पानी की सप्लाई से मोटर भरने के कारण रंग बाहादुर रोड मे पानी के लिए रोड पर से लोग को पानी लाना पड़ रहा है जिससे नौकरी पेशा लोगों के अलावा स्कुल कौलेज जाने वाले लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है जहां सरकार हर घर नल जल योजना की बात करती वही गया के के पी रोड स्थित गया मार्केट में किसी भी मकान में घर पर नल जल योजना नही लगाई गई जिससे लोग बाहर से लाकर काम चला रहे हैं इस भिषण गर्मी में,रंग बाहादुर रोड मे करीबन एक सप्ताह से बिजली की आंख मिचौली पुरी तरह से हो रही है इसकी जानकारी भाजपा गंगा जल सह संयोजक गया जिला ने बताया कि आठ मिटर तार को नही लगाने से यह पेरशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग के अधिकारी को शिकायत करने पर भी कोई खबर नहीं ली जा रही है ।इस संबंध में साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के शहर क्षेत्र के कार्यपालक अभियंता प्रेम कुमार प्रवीण ने बताया कि शहर में इस भिषण गर्मी के कारण ट्रांसफर में अधिक लोड है आगे कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में जून महिने में लोगों के द्वारा ऐसी लगाये जाने के कारण ट्रांसफर पर अधिक लोड पड़ने के कारण हुआ,वही रंगबहादुर रोड के लोग मिस्त्री को गाली गलौज करते हैं अभद्रता से पेश आते कभी तो मिस्त्री को बंदी बना लिया जाता है ।काम करने जाते हैं तो भगा दिया जाता है।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति भोजपुर का किया गया बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति भोजपुर की जून महीने की मासिक बैठक आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला पंचायती राज्य पदाधिकारी ,कृषि पदाधिकारी ,प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा सह नोडल पदाधिकारी जिला गंगा समिति, भोजपुर (नमामि गंगे) सह परियोजना निदेशक डीआरडीए परियोजना अधिकारी नमामि गंगे , समन्वयक जिला एवं स्वच्छता समिति भोजपुर, डीपीओ मनरेगा ,डीपीएम जीविका, के साथ कई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। उप विकास आयुक्त ने इस बैठक में कहा कि गंगा के सहायक नदियों में कोई भी नाले का पानी का निकासन नहीं होना चाहिए। पीएचडी विभाग को निर्देश दिया गया की 1 जुलाई से अभियान चलाकर प्रत्येक गंगा ग्रामों में ग्राम चौपाल लगाकर आर्सेनिक और क्लोराइड के विषय पर लोगों को जागरूक करने के साथ ही साथ उन गांव का जल की गुणवत्ता का भी जांच करना सुनिश्चित करे । बड़हरा प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि बड़हरा प्रखंड के दो गंगा ग्रामों पंचायत में छठ घाट बनने हेतु भूमि चिन्हित करके उसे स्थल का एन ओ सी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें । साथी विकास पदाधिकारी को कहा गया कि एकोन खवासपुर एवं सारण पंचायत में अगले सप्ताह तक wpu का निर्माण कार्य शुरू करना सुनिश्चित करें। मनरेगा के डीपीओ को निर्देश दिया गया कि जिले के प्रत्येक गंगा ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण कराई जाए और नगर पंचायत के प्रतीक वार्ड में 30- 30 पौधे का पौधा रोपण करना सुनिश्चित करेंगे। बिहिया और कोईलवर नगर पंचायत में निर्माण हेतु संबंधित विभाग को पत्राचार करे ।

शादी के 61 वें सालगिरह पर दम्पति ने किया पौधरोपण

प्रात : किरण संवाददाता

डुमरांव (बक्सर): पेंशनर्स एसोसिएशन के बक्सर जिलाध्यक्ष सह फिल्म मेकर अवकाश प्राप्त रेलवे अधिकारी डॉ शशि भूषण श्रीवास्तव ने अपने शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी माया श्रीवास्तव के साथ फलदार पौधरोपण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा पेड़ हमारा वर्तमान और अतीत है। आज किया गया पौधरोपण कल की पीढ़ी के लिए पर्यावरण के दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तोहफा है। उन्होंने इस मौके पर सबसे अपील की कि अपने जन्मदिन व शादी की सालगिरह पर पौधारोपण जरूर करें क्योंकि एक पौधा जीवन में बहुत महत्व रखता है जो हमारे जन्म से लेकर अन्त तक हमें सुखद आनन्द का अनुभव करवाता है। इतना ही नहीं इससे आस-पास के वातावरण में शुद्धता तो आती हैं फल, फूल के साथ हमे गर्मियों में छाया भी देते हैं। हरियाली को बढ़ाने के लिये ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करना चाहिये।

इस मौके पर मनोज कुमार श्रीवास्तव, बिंदु श्रीवास्तव, नूतन श्रीवास्तव, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, राणा जी, सुनीता श्रीवास्तव, मुरली मनोहर श्रीवास्तव, नीतू सिन्हा, किशोर सिन्हा, पूर्णिमा सिन्हा, शैलेन्द्र राजू, स्वेता श्रीवास्तव, रविशंकर श्रीवास्तव, ऐश्वर्य डुग्गल, ज्योति बाला, निधि,निक्की,नीति, अभिजीत, कृति सिन्हा,अनुराग,सृष्टि,तनिष्का, श्लोक, किशु,अमृत, काव्या एवं आरुष नन्दन ने सी बधाई एवं शुभकामनाएं।

शीतल पेय जल व्यवस्था का हुआ उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। रमेश प्रसाद सिंह मेमोरियल ट्रस्ट औरंगाबाद द्वारा व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के नजदीक कपुर्री स्मारक के बाहर शीतल पेय जल व्यवस्था शुरू किया गया, जिसका उद्घाटन व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला जज अशोक राज ने फीता काट कर किया। जिला जज द्वारा दो वृक्ष का वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर जिला जज अशोक राज ने अपने सम्बोधन में कहा कि ट्रस्ट द्वारा प्रशंसनीय कार्य किया गया है। इस भीषण गर्मी में शीतल पेय जल व्यवस्था से आम आदमी को लाभ होगा। इस नेक कार्य के लिए ट्रस्ट को बधाई दी। ट्रस्ट के सचिव प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि दिन प्रतिदिन शहर में पेयजल संकट बढ़ता जा रहा है ऐसे स्थिति में न्यायालय आने वाले और रमेश चौक आने वाले लोगों के लिए हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी शुद्ध पेयजल व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा कराई गई है। ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैया लाल जैन ने कहा कि जिला जज अशोक राज द्वारा उदघाटन से सदस्यों के उमंग और उत्साह बढ़ा है। संस्था द्वारा जिला जज को बुके, मेमेंटो और माला देकर सम्मानित किया गया है। यह संस्था सदैव समाजिक कार्यो में समर्पित रहा है। इस अवसर पर उपस्थित थे जिला विधिज्ञ संघ अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह,वरीय अधिवक्ता बैजनाथ प्रसाद कर्ण, महाबीर जैन, रामप्रवेश ठाकुर, सतीश कुमार स्नेही, अरूण कुमार,अजय कुमार गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, देवकांत, राधेश्याम प्रसाद, रामनरेश प्रसाद,अमित कुमार, शेखर चन्द्र जैन, विनोद ठाकुर, मंटू ठाकुर, गुप्तेश्वर सिंह, विशाल जैन, उदय ठाकुर,राजू सहित अन्य उपस्थित थे।

होल्डिंग टैक्स वृद्धि के खिलाफ शहरवासियों के सहयोग से गया बंद सफल रहा : जिलाअध्यक्ष

गया ।नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार एवं गया नगर निगम द्वारा मनमाने ढंग से गया शहर के 80 हजार मकानों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के टैक्स में दुगुना, तिगुना तक वृद्धि करने से लोगों में भयानक आक्रोश है। मकान एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के टैक्स वृद्धि के खिलाफ कॉंग्रेस पार्टी, युवा कॉंग्रेस, ए न एस यू आई, कॉंग्रेस सेवा दल के संयुक्त तत्वावधान में गया कि महान जनता के समर्थन में संपूर्ण गया स्वत स्फूर्त बंद रहा, जिसके लिए कॉंग्रेस पार्टी ने गयावासियों को अभिनंदन करते हुए धन्यवाद दिया है ।बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिट्ठू ने कहा कि आज के गया बंद को सफल बनाने हेतु सुबह 9: 30 बजे गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन मिश्रा, प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिट्ठू,पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, पूर्व पार्षद सह पार्षद प्रतिनिधि वार्ड 41 शशि किशोर शिशु, युगल किशोर सिंह, विपिन बिहारी सिन्हा, जिला युवा कॉंग्रेस अध्यक्ष विशाल कुमार, कॉंग्रेस सेवा दल के प्रदेश महासचिव सह गया प्रभारी अमरजीत कुमार, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष दामोदर गोस्वामी, गया शहर प्रखंड 01 के अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह, गया नगर निगम कर्मचारी संघ के संजीत सिंह, गया जिला आई टी सेल अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन, बाबूलाल प्रसाद सिंह, मोहम्मद नवाब अली, मोहम्मद ताज उद्दीन , के वी सी के अध्यक्ष मुनी लाल सिंह, बुद्ध प्रसाद, धर्मेंद्र कुमार निराला, शिव कुमार चौरसिया, प्रदीप शर्मा, मनोज कुमार उर्फ चुल्लू मालाकार, मोहम्मद शामिल आलम, आदि अपने, अपने हाथों में झंडा, बैनर, तख्ती लेकर बिहार सरकार एवं गया नगर निगम होल्डिंग टैक्स वापस लो, हर जोर जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, गया की जनता जिंदाबाद आदि नारों को बुलंद करते हुए गया समाहरणालय के पास से शांतिपूर्ण जुलूस निकाला जो केदारनाथ मार्केट, प्रधान डाकघर, जी बी रोड, कोतवाली, टावर चौक, धामिटोला , गोदाम, टिकरी रोड, आजाद पार्क, रामना रोड में घंटों घूम, घूम कर लोगों से बंद करने की अपील करते रहे। गया समाहरणालय एवं टावर चौक पर नेताओं ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि गया नगर निगम अपने आंतरिक संसाधनों से आमदनी बढ़ाने हेतु जनता को दोहन करने के बजाय निगम की अकूक स्थायी संपत्तियों जैसे केदारनाथ मार्केट, कठोकर तालाब सहित शहर के सभी 53 वार्डो में खाली पड़े जमीन पर मार्केट काम्प्लेक्स सहित अन्य व्यवसायिक केंद्र बना कर करोड़ों, करोड़ किराया मिलेगा, जिससे निगम के कर्मचारियों को वेतनमान दिया जा सकता है।

गया जिलाधिकारी ने 100 से अधिक व्यक्तियों को समस्या को सुना

गया ।जिला पदाधिकारी के जनता दरबार रियल एस्टेट रेगुलेटरिंग अथॉरिटी बिहार रेरा के एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित रहने के कारण स्थगित रखा गया था, इसे बाबजूद भी समाहरणालय परिसर में में आये हुए लगभग 100 से अधिक व्यक्तियों को आये देख, डीएम डॉ० त्यागराजन एसएम ने उपस्थित व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास , मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया गया है। कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए हैं। उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी तथा थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए हैं ।जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी, पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे।

पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगे चिराग पासवान: राजेश्वर पासवान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लोजपा रामविलास भोजपुर जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल पटना में लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान आज पार्टी कार्यकताओं को सम्मानित करेंगे क्योंकि पार्टी ने पांच की पांच सीट यानी 100 में से 100 अंक लाकर जो रिजल्ट दिया है उसका श्रेय कार्यकर्ताओ को जाता है ऐसी परिस्थिति में सम्मानित कार्यकर्ताओ का सम्मान करना अति आवश्यक है ।आज भोजपुर जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान की नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता जिसमे सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष,जिला कार्यकारणी,प्रखंड अध्यक्ष,प्रखंड कार्यकारणी,पंचायत अध्यक्ष एवम बूथ अध्यक्ष सड़क मार्ग एवम रेल मार्ग के माध्यम से पटना जाएंगे। आगे राजेश्वर पासवान ने कहा कि हमारे भोजपुर सहित पूरे बिहार के कार्यकर्ता श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल पहुंचकर अपने स्तर से भी नव निर्वाचित सांसद माननीय श्री चिराग पासवान,माननीय श्रीमती वीणा देवी,माननीय डॉक्टर अरुण भारती,माननीय श्री राजेश वर्मा,माननीय श्रीमती शांभवी चौधरी सहित सभी सांसदों को सम्मानित करने का काम करेंगे और राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान के नेतृत्व में पूरे बिहार में घर घर जाकर बिहार फर्स्ट,बिहारी फर्स्ट विजन को पहुंचने का कार्य किया जाएगा।

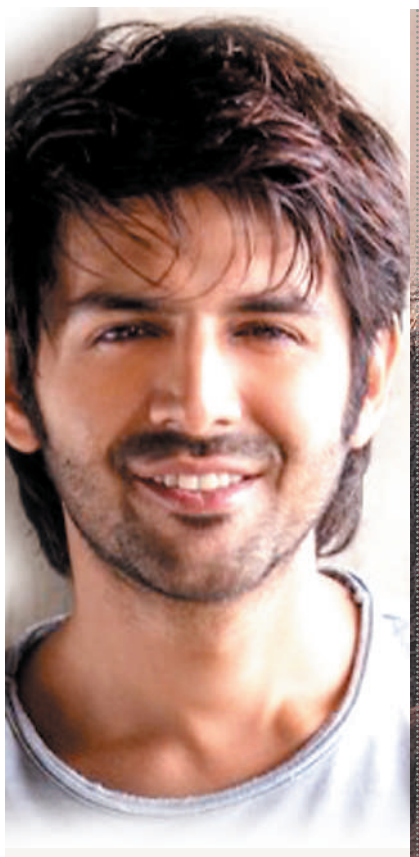

चंदू चैंपियन बन जीवन हुआ सफल

चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन के साथ विजय राज, भुवन अरोड़ा, यशपाल शर्मा, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े और अन्य भी हैं। आज, 27 जून को कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन की शूटिंग के दौरान मुरलीकांत पेटकर से अपनी पहली मुलाकात का एक बीटीएस वीडियो साझा किया। अभिनेता ने दूसरी मंजिल पर हो रही अपनी शूटिंग को याद किया और बताया कि कैसे असल जिंदगी के हीरो ने लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों से जाने की बात कही थी। कार्तिक, मुरलीकांत पेटकर के व्यवहार को देखकर हैरान थे।

कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर की बहुत मजबूत इच्छाशक्ति और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में और विनम्र स्वभाव की प्रशंसा की। साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि निर्देशक कबीर खान द्वारा ओलंपिक चैंपियन के परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है। शूटिंग के दौरान कार्तिक को उनके काम के लिए भी सराहा गया। अभिनेता को वास्तविक जीवन के नायक से भी सराहना मिली और कार्तिक ने इस सराहना को अपने लिए पदक बताया। वीडियो को साझा करते हुए कार्तिक ने एक लंबा नोट भी लिखा। उन्होंने नोट में लिखा, मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि मेरे जैसा कोई गैर तैराक पैरों के इस्तेमाल के बिना तैर सकता है, मिलिए उस असली चैंपियन मुरलीकांत पेटकर से, जिन्होंने मुझे असंभव को संभव करने के लिए प्रेरित किया। सबसे पहले, आप जैसे हैं और एक जीवित प्रेरणा बनने के लिए आपका धन्यवाद। आपकी कहानी सभी के लिए जानना महत्वपूर्ण थी, हर किसी को खुद पर विश्वास दिलाना। जब कबीर सर ने पहली बार चंदू चैंपियन की कहानी सुनाई तो मुझे विश्वास नहीं हुआ कि यह एक सच्ची कहानी हो सकती है। आपने एक जिंदगी में अनेक जिंदगियां जी हैं। अभिनेता ने आगे लिखा, आपकी कहानी पर पहले तो यकीन न कर पाने से लेकर करीब दो साल तक आपकी असाधारण जिंदगी जीने तक, यह एक अविश्वसनीय अनुभव और बेहद सम्मान की बात है। जब से आप मेरी जिंदगी में आए हैं, तब से मेरी जिंदगी बदल गई है। मुझे अपने काम के लिए पहले कभी इतना प्यार और सराहना नहीं मिली, जितनी मुझे चंदू चैंपियन के लिए मिल रही है। यह बहुत ही अभिभूत करने वाला है। मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुझे आपसे मिलने और आपके जीवन के कुछ अविश्वसनीय, जादुई और प्रेरक क्षणों को फिर से जीने का अवसर मिला। अभिनेता बनना सफल हो गया, आपका आभार, चंदू चैंपियन।

बारिश में भी आयरनमैन रेस के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं सैयामी खेर

मानसून के मौसम में खुद को फिट रख पाना सबसे बड़ा चैलेंज बन जाता है। इस मौसम में बारिश की वजह से बाहर निकल पाना मुश्किल हो जाता है। मुंबई की मानसून के बीच भी फिटनेस फ्रीक बॉलीवुड एक्ट्रेस सैयामी खेर आयरनमैन रेस के लिए ट्रेनिंग में जमकर पसीना बहा रही हैं। बता दें कि सैयामी एक्टिंग के अलावा रेसिंग के लिए भी जानी जाती हैं। वह दुनिया भर के कई रेसिंग कंपटीशन में हिस्सा ले चुकी हैं। वह 15 सितंबर को जर्मनी में होने वाली आयरनमैन ट्रायथलॉन में हिस्सा लेंगी। सैयामी ने कहा, मेरी हमेशा से ही स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रही है। मैंने दो फुल मैराथन और 20 से ज्यादा हाफ मैराथन में हिस्सा लिया है। इसलिए मेरा अगला लक्ष्य आयरनमैन है। स्पोर्ट्स मुझे दिमागी तौर पर मजबूत बनाता है। यह दिमाग को शांत करने का मेरा तरीका है। उन्होंने कहा, मैं मुंबई में रहती हूं, और यह मानसून का मौसम है। मैं मौसम के चलते दौड़ना बंद नहीं कर सकती, क्योंकि रेस मात्र तीन महीने दूर है। मौसम मेरी मेहनत में रुकावट नहीं बनेगा। मुझे वास्तव में बारिश में दौड़ना और तैरना पसंद है। मुझे बारिश के मौसम में खाली सड़कें भी पसंद है! सैयामी की ट्रेनिंग में इनडोर और आउटडोर एक्सरसाइज शामिल हैं। वह अपने रनिंग सेशन के लिए बारिश के बावजूद बाहर निकलती हैं जबकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और साइकिलिंग के लिए इनडोर फैसिलिटी का इस्तेमाल करती हैं। अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बात करें तो सैयामी जल्द ही सनी देओल के साथ तेलुगु फिल्म निर्माता गोपीचंद मालिनेनी की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगी। फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं किया गया है, इसे फिलहाल एसजीडीएम नाम दिया है। गोपीचंद मालिनेनी तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने डॉन सीनू, बालुपु, पंडगा चेस्को, विनर, बॉडीगार्ड और क्रैक जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म की शूटिंग 22 जून को शुरू हुई थी।

अरमान की दो शादियों का सपोर्ट करने पर राखी ने की उर्फी की खिंचाई

बिग बॉस ओटीटी 3 के अरमान मलिक और कृतिका मलिक और पायल मलिक के साथ उनके एक से ज्यादा शादी की हर तरफ चर्चा हो रही है। एक तरफ जहां मनोरंजन जगत से ऐसे लोग हैं, जिन्होंने इस कदम के लिए अरमान की आलोचना की है, वहीं कुछ दिन पहले, उर्फी यूट्यूबर के समर्थन में सामने आईं और कहा कि अरमान और उनका परिवार उन सबसे अच्छे लोगों में से हैं, जिन्हें उन्होंने जाना है और बहुविवाह अभी भी मौजूद है। उर्फी ने आगे कहा कि अगर वे तीनों एक साथ खुश हैं, तो उन्हें अपने इस फैसले पर रहने दिया जाना चाहिए। उर्फी के इस बयान की राखी सावंत ने खूब आलोचना की है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उर्फी की आलोचना की और कहा कि चूंकि वह शादीशुदा नहीं हैं, इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। राखी ने यह भी कहा कि अरमान की पहली पत्नी पायल बिल्कुल भी खुश नहीं है। हालांकि, वह ऐसा दिखावा करती है, क्योंकि समाज में महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने साथी की हर बात का समर्थन करें। राखी ने कहा,, उर्फी जावेद, तू बहन है मेरी। तू क्या कुछ भी कमेंट करती है। ये वही तुम्हारे साथ होता है ना, तुम्हारी शादी हो जाती है, तुम्हारी पति दूसरी बीवी लाता है। तो ऊर्फी जितना मैं तुम्हें जानती हूं ना, तुम पति को भी मार डालते और उसकी दूसरी बीवी को भी और जाकर जेल में बैठ जाती। तुम्हें जब अनुभव नहीं है ना शादी का तो मत बोलो।

दीपिका पादुकोण के बचाव में उतरीं ऋचा

बॉलीवुड की दो खूबसूरत और बेबाक अभिनेत्रियां ऋचा चड्ढा और दीपिका पादुकोण मां बनने वाली हैं। पिछले दिनों दीपिका पादुकोण अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी के इवेंट में स्पॉट की गईं। इस दौरान दीपिका पादुकोण बॉडीकॉन ड्रेस और हाई हील में नजर आईं। अब दीपिका पादुकोण को सोशल मीडिया पर उनके लुक्स के लिए ट्रोल किया जा रहा है। दीपिका पादुकोण को लोग प्रेग्नेंसी में हाईमें नहीं पहनने की सलाह दे रहे हैं। ऋचा चड्ढा जो खुद भी मां बनने वाली हैं, वे अब दीपिका पादुकोण के सपोर्ट में आ गई हैं। ऋचा चड्ढा ने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा है, आप मां नहीं बनने वाले हैं तो आप चुप रहिए, ज्ञान नहीं बांटिए। ऋचा चड्ढा के फैंस को उनका यह सप्पोर्टिव अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

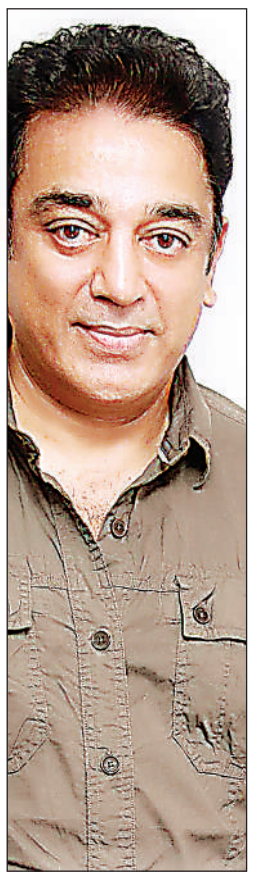

इंडियन में काम नहीं करना चाहते थे कमल हासन

तमिल सुपरस्टार कमल हासन फिल्म कल्कि 2898 एडी के अलावा अपनी फिल्म इंडियन 2 को लेकर भी काफी ज्यादा चर्चा में हैं। यह फिल्म जल्द ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। 28 साल बाद कमल इस सीक्वल फिल्म में सेनापति के किरदार में वापसी कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म के हिंदी संस्करण का ट्रेलर लॉन्च इवेंट मुंबई में आयोजित किया गया। इस दौरान कमल हासन के साथ फिल्म की टीम मौजूद रही। कार्यक्रम के दौरान कमल हासन ने कई दिलचस्प बातें लोगों के साथ साझा कीं। वहीं, फिल्म के पहले भाग हिंदुस्तानी को लेकर उन्होंने बड़ा खुलासा भी किया। अभिनेता ने बताया कि साल 1996 में आई हिंदुस्तानी में काम करने का उनका बिल्कुल भी इरादा नहीं था। कमल हासन ने कहा कि उन्होंने अपनी फीस इस वजह से बढ़ा दी थी कि शंकर यह सुनकर खुद ही पीछे हट जाएंगे, लेकिन निर्माताओं ने उनकी मांग पूरी कर दी।

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ से जुड़े रोहित सराफ

अभिनेता रोहित सराफ फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं वहीं, अब रोहित सराफ के प्रशंसकों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ का हिस्सा बन गए हैं। इस फिल्म में वह एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। जानकारी तो यह भी है कि रोहित सराफ ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शूटिंग के अगस्त 2024 में खत्म होने की उम्मीद है।

फ्लॉप फिल्मों के बावजूद मिनटों का करोड़ों वसूलती है उर्वशी!

इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक उर्वशी रौतेला का करियर कुछ खास नहीं रहा है। कई बड़े अभिनेताओं के साथ नजर आ चुकीं उर्वशी की एक भी फिल्म अब तक हिट नहीं हुई है, इसके बावजूद वह करोड़ों रुपय वसूलती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उर्वशी ने एक फिल्म में महज एक मिनट की परफॉर्मेंस के लिए तीन करोड़ रुपये लिए थे। इसके मुताबिक, उन्होंने एक मिनट की परफॉर्मेंस के लिए एक करोड़ फीस ली थी। तेलुगु एक्शन ड्रामा स्कंद द अटैक के कल्ट मामा गाने में उन्होंने कैमियो रोल किया था, जिसके लिए उन्हें तीन करोड़ चार्ज किए थे। उर्वशी रौतेला ने साल 2013 में सनी देओल की फिल्म सिंह साब द ग्रेट से कदम रखा था।

औरत को इज्जत कमानी पड़ती है

आयुष्मान खुराना की वाइफ अब फेमस राइटर और डायरेक्टर बन चुकी हैं। अब उनकी अपनी पहचान है। अब वो खुद के नाम से जानी जाती हैं। सालों पहले उनकी पहचान जाने-माने एक्टर आयुष्मान खुराना की पत्नी के रूप में थी, मगर प्रोफेसर, लेखक, निर्देशक बनकर और ब्रेस्ट कैंसर की जंग जीतकर उन्होंने खुद को न केवल एक फाइटर साबित किया बल्कि अपनी अलग पहचान भी बनाई। हम बात कर रहे हैं ताहिरा कश्यप की। कई किताबों के लेखन और शॉर्ट फिल्म्स के निर्देशन के बाद अब वे अपनी नई फीचर फिल्म शर्मा जी की बेटी के साथ सामने हैं। उनसे एक खास बातचीत।

आज से तकरीबन सात साल पहले आपकी एक शार्ट फिल्म आई थी टॉफी और अब आप ओटीटी पर अपनी फिल्म शर्मा जी की बेटी लेकर आ रही हैं?

हमेशा से जेहन में निर्देशक बनने की चाहत रही है। मगर हिम्मत जुटाने में थोड़े साल और लग गए। मेरी परवरिश एक मध्यमवर्गीय परिवार की है, तो मेरे लिए आर्थिक स्थायित्व बहुत मायने रखता है। स्कूल-कॉलेज में मैंने दस साल थिएटर किया, मगर जब एमेच्योर थिएटर को प्रोफेशनल थिएटर ग्रुप बनाने की कोशिश की, तो कोई टिकट खरीदने नहीं आया। उस वक्त मैंने कॉर्पोरेट जॉब का सहारा लिया।

फिल्म की हुई तारीफ, लेखन-निर्देशन को मिला बल

मैंने जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन की। फिर मैं कॉलेज में प्रोफेसर बन गई। उससे पहले मैंने रेडियो में काम किया। मैं जब ये सारा काम कर रही थी, तब भी मेरा दिल कहीं और था। यही वजह थी कि मैंने अपनी पहली शॉर्ट फिल्म टॉफी बनाई। मेरी इस फिल्म का काफी प्यार मिला। यह फिल्म मामी, ताइवान इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल्स जैसी कई फिल्मोत्सवों में सराही गई। इस तारीफ से मेरे लेखन- निर्देशन को बल मिला। उसके बाद मैंने 2-3 और शॉर्ट फिल्म बनाई और अब मैं पांच औरतों के इर्द गिर्द घूमने वाली शर्मा जी की बेटी के साथ प्रस्तुत हुई हूं। मेरा मानना है कि आज की तारीख में महिला प्रधान फिल्म बनाने, उसे हाइलाइट और रिलीज करना बहुत बड़ा टास्क है। इसलिए यह सफर मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। यह फिल्म मेरे लिए खास है। इसमें ड्रामा और कॉमिडी सब कुछ है।

निर्देशक के रूप में आप अपनी पहली फीचर फिल्म लेकर आ रही हैं। अपने एक्टर पति आयुष्मान खुराना को कब निर्देशित करेंगी?

जब भी अपनी कहानियों में एक मेल किरदार पाऊंगी, तब मुझे उनके लिए एक स्क्रिप्ट लिखनी होगी। एक ऐसी कहानी, जो उन्हें पसंद आए और साथ ही मुझे भी। ये म्युचुअल होगा। वो इंडस्ट्री में मेरे सीनियर हैं, तो उनको डायरेक्ट करने के लिए मुझे थोड़ा काम और करना पड़ेगा।

तो आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है?

महिला निर्देशक होने की, तो खैर एक अलग चुनौती है, मगर एक औरत होने के नाते जो चैलेंज होते हैं, वो भी कम नहीं हैं। आप जब घर से बाहर निकलती हैं, तो प्राथमिकता के मामले में आपको कदम-कदम पर अहसास दिलाया जाता है कि आप एक औरत हैं। चाहे वो एक वेटर आकर आपको मैन्यू कार्ड दे रहा है या फिर बिल किसे थमा रहा है? वो बिल आपको नहीं देता, वो उम्मीद नहीं करता कि बिल आप देंगी या मैन्यू आप ऑर्डर करेंगी। उसको लगता है बिल तो मर्द ही पे करेगा। हमारी सोसायटी में ही मैंने ऑब्जर्व किया है कि सिक्योरिटी जय हिंद सर कहता है, जय हिंद मैम बहुत कम बोला जाता है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में इस असमानता का सामना करना पड़ता है। ये तो फिर भी बहुत छोटी-छोटी बातें हैं। हम महिलाओं को एजुकेशन हो या जॉब अपॉर्चुनिटी, असमानता झेलनी पड़ती है। सैलरी और हमारे अधिकार तो बहुत बड़े मुद्दे हैं।

मर्द को तुरंत मिलती है इज्जत, औरत को खुद को साबित करना पड़ता है

ताहिरा ने कहा, एक मर्द जब काम के लिए घर से बाहर जाता है, तो उसे मर्द होने के नाते तुरंत इज्जत मिलती है, जबकि एक औरत को खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है कि उसे अपन काम आता है। अपने सेट पर, क्रू में आपको सिद्ध करना पड़ता है कि आप अपने काम में माहिर हैं। महिलाओं को लगातार हर मोर्चे पर साबित करना पड़ता है कि वे अच्छी मां हैं, अच्छी पत्नी हैं। बहुत एनर्जी लग जाती है, इसमें।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने नेक्सन और पंच के साथ एसयूवी बाजार का नेतृत्व किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की दिग्गज ऑटोमोटिव कंपनियों में से एक, टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2024 का समापन शानदार तरीके से किया है। इस साल इसके दो प्रोडक्ट पंच और नेक्सन देश में सबसे ज़्यादा बिकने वाले एसयूवी बनकर उभरे है। टाटा नेक्सन ने इस सेगमेंट में भारी प्रतिस्पर्धा के बावजूद लगातार तीन साल तक अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि पंच दूसरे स्थान पर रही है। टाटा नेक्सन ने हाल ही में अपने 7वें साल में 7 लाख गाड़ियों की बिक्री की शानदार उपलब्धि भी हासिल की, जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली एसयूवी बन गई है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रियता में पिछले कुछ सालों में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है। जिससे यह सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा वाला सेगमेंट बन गया है और टाटा मोटर्स इस सेगमेंट की लीडर बनने के लिए प्रतिबद्ध है। यह नेक्सन और पंच के लिए किए गए ढेरों नवाचारों में कंपनी के लगातार निवेश से स्पष्ट होता है। 2017 में लॉन्च होने के बाद से ही नेक्सन ऐसे ग्राहकों को पसंद आई है जो कुछ खास और कुछ अलग चाहते हैं, साथ ही बेहतरीन प्रदर्शन और आराम की तलाश में रहते हैं। नेक्सन के भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किये डिज़ाइन, बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स और निरंतर विकास ने इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पसंदीदा विकल्प बना दिया है। इसे उपभोक्ताओं के बीच विश्वसनीयता के लिए प्रतिष्ठा मिली है। नेक्सन 2018 में भारत की पहली जीएनसीएपी 5 स्टार रेटेड कार बनी थी, जिसने सभी भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए मानक स्थापित किया। तब से इसकी यह विरासत जारी है।

सब्जी की कीमत और रुलाएगी, खराब हो रहा है प्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भले ही दिल्ली-एनसीआर में आप बारिश का मजा ले रहे हैं, लेकिन कुछ दिन पहले तक यहां गर्मी की आफत ही बरस रही थी। गर्मी का असर सब्जियों पर भी पड़ा है। इस वजह से मंडियों में सब्जियों के दाम बढ़ने लगे हैं। आलम यह है कि पिछले साल इस सीजन में 40 से 50 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाले शिमला मिर्च की कीमत 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। हालांकि, व्यापारियों का दावा है कि आने वाले कुछ दिनों में इसके दाम कम हो सकते हैं।

प्याज फिर हुआ महंगा

इस साल प्याज की पैदावार कम हुई है। इसके बाद इसका निर्यात खोल दिया गया है। साथ ही अब मध्य प्रदेश में प्याज खराब हो रहा है। इसका असर प्याज के दाम पर पड़ने लगा है। कारोबारियों के मुताबिक, पिछले एक महीने में प्याज के दाम में प्रति किलो 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस समय आजादपुर थोक मंडी में ही बढ़िया किस्म के प्याज का भाव 50 रुपये किलो तक चला गया है। एक महीने पहले यह 30 रुपये किलो बिक रहा था। इस समय मंडी में औसत किस्म का प्याज 22 से 36 रुपये किलो के भाव मिल रहा था। आजादपुर सब्जी मंडी में प्याज कारोबारी श्रीकांत मिश्रा बताते हैं कि प्याज के दाम पहले कम थे ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर ऑल टाइम हाई पर पहुंचा

▶▶ कंपनी का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ रुपये के पार ▶▶ जियो के टैरिफ में बढ़ोतरी से स्टॉक ने भरी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। रिलायंस जियो के मोबाइल टैरिफ में इजाफा करने से आज रिलायंस के शेयरों में कारोबार के दौरान दो फीसदी से अधिक तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3,129.00 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का टॉप है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। ग्लोबल ब्रोकरेज मोर्गन स्टेनली और जैफरीज का कहना है कि रिलायंस के शेयर में निकट भविष्य में 15 फीसदी तक तेजी आ सकती है। जैफरीज ने रिलायंस के शेयर को बॉय कॉल देने के साथ ही 3,580 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इस ग्लोबल ब्रोकरेज का कहना है कि जियो ने टैरिफ में 13 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। इस अपडेट से आने वाले दिनों में रिलायंस के शेयरों में तेजी आने की उम्मीद है। दोपहर बाद 12.30 बजे कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,110.50 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर 2,221.05 रुपये है। रिलायंस का शेयर पिछले साल 26 अक्टूबर को इस स्तर तक आया था। रिलायंस देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है।

जियो फाइनेंशियल

इस बीच रिलायंस की कंपनी जियो फाइनेंशियल और जोमैटो को निफ्टी50 में जगह मिल सकती है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने डेरिवेटिव्स मार्केट में स्टॉक्स की एंट्री और एग्जिट से जुड़े नियमों में बदलाव को मंजूरी दे दी है। नुवामा ऑल्टरनेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्च ने एक एनालिसिस में बताया कि अगर अगस्त के तीसरे हफ्ते से पहले जियो फाइनेंशियल और जोमैटो को एफएंडओ सेगमेंट में जगह मिलती है तो इस बात की काफी संभावना है कि उन्हें सितंबर रिव्यू में निफ्टी50 में जगह मिल सकती है।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तीन गुना विस्तार

इसे देखते हुए कहा जा रहा कि अगले दशक में भारत वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार की प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ इसके लिए आपूर्ति श्रृंखला केंद्र बनाने और मजबूत जीडीपी दर हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ना फायदेमंद साबित हो रहा है। इन सब वजहों से भारत अगले दशक में वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के कारण देश ने अपनी मजबूत आर्थिक यात्रा शुरू की। देश ने 10 साल के दौरान जबरदस्त विकास देखा, चाहे वह लोकल उत्पादों के निर्माण, नए सेमीकंडक्टर संयंत्र, एआई, 5जी, स्टार्टअप, नवाचार और विभिन्न क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं पर जोर हो या फिर श्रमिकों को कुशल बनाना और लाखों नई नौकरियां पैदा करना हो। ऐसे में पीएलआई योजना से प्रेरित होकर देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का तीन गुना विस्तार होने का अनुमान है। जो मौजूदा 459 बिलियन डॉलर से 1.66 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह वृद्धि पिछले दशक में हुई 175 बिलियन डॉलर की औसत वृद्धि से अधिक है।

इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट और बढ़ेगा

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र का योगदान वित्त वर्ष 2024 में 14 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2034 तक 21 प्रतिशत हो जाने की उम्मीद है, जो कम ढुलाई लागत और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण संभव होगा। इसके अलावा बुनियादी ढांचे में निवेश वित्त वर्ष 2024 में सकल घरेलू उत्पाद के 33 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 2029 तक 36 प्रतिशत हो जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफेक्चरिंग 250 अरब डॉलर तक

देश में इस दौरान अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 12 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और यह 100 बिलियन डॉलर को पार कर गई हैं। अगले पांच वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग 250 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अगले कुछ वर्षों में 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत 3 लाख करोड़ से 4 लाख करोड़ रुपये तक निवेश होने का अनुमान है।

आर्थिक सुधार की गति होगी तेज

गुरुवार को संसद को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि तेजी से विकास के लिए भारत के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुधारों की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में, भारत 11वें स्थान से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 2021 से 2024 तक भारत ने औसतन 8 फीसदी की दर से सालाना वृद्धि दर्ज की है। राष्ट्रपति ने कहा, आज अकेले भारत वैश्विक विकास में 15 प्रतिशत का योगदान दे रहा है।

मस्क को पछाड़ बेजोस बने दुनिया के सबसे अमीर, अडानी से आगे निकले अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपतियों की लिस्ट में आज भी उथल-पुथल नजर आ रही है। जेफ बेजोस एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने एलन मस्क को पछाड़ कर पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी अब अडानी ग्रुप के मालिक गौतम अडानी को काफी पीछे छोड़ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जेनसेन हुआंग भी उनसे पीछे हैं। हालांकि, इस साल की कमाई में हुआंग और अडानी मुकेश अंबानी से आगे हैं।

बर्नार्ड अर्नाल्ट 200 अरब डॉलर क्लब से बाहर

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजा रैंकिंग में अमेजन के पूर्व सीईओ जेफ बेजोस अब दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क खिसक कर दूसरे स्थान पर आ गए हैं और बर्नार्ड अर्नाल्ट 200 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए हैं। जेफ बेजोस की संपत्ति में गुरुवार को 3.97 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनका नेटवर्थ अब 220 अरब डॉलर हो गया है। इनके सापेक्ष एलन मस्क की संपत्ति केवल 751 मिलियन डॉलर ही बढ़ पाई और उनका नेटवर्थ 217 अरब डॉलर हो गया।

बर्नार्ड अर्नाल्ट की दौलत गुरुवार को 2.49 अरब डॉलर घटकर 199 अरब डॉलर रह गई। अभी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर काबिज फ्रांस का यह अरबपति कुछ महीने पहले सबसे अमीर शख्स था। चौथे नंबर पर मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग है। गुरुवार को 2.22 अरब डॉलर की कमाई करने वाले जुकरबर्ग का नेटवर्थ 185 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

एशिया के सबसे रईस शख्स मुकेश अंबानी अपने हमवतन गौतम अडानी से इस रैंकिंग में काफी ऊपर पहुंच गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले तीन दिन से उछाल जारी है और अब वह 116 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ अडानी से 3 पायदान ऊपर 11वें स्थान पर हैं। अडानी 105 अरब डॉलर के साथ 14वें पोजीशन पर हैं। यही नहीं, अंबानी दुनिया में इस साल सबसे अधिक कमाई करने वाले जेनसेन हुआंग से भी दो पायदान ऊपर हैं।

ग्रासिम इंडस्ट्रीज को टाइम्स नाउ - ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अलायंस द्वारा सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन 2024 सम्मान

मुंबई, एजेंसी। आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को टाइम्स नाउ ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अलायंस - सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन 2024 कार्यक्रम के तीसरे एडिशन में सम्मानित किया गया। ग्रासिम इंडस्ट्रीज के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर पवन जैन ने सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन 2024 ट्रॉफी प्राप्त की और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर सूर्या वल्लूरी ने प्रमाण पत्र स्वीकार किया। ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी अलायंस दुनिया भर में बदलाव लाने वालों, व्यक्तियों और संगठनों के लिए एक मंच है, जिन्होंने सस्टेनेबिलिटी को अपना लक्ष्य बनाया है। टाइम्स नाउ सस्टेनेबल ऑर्गनाइजेशन्स 2024 का तीसरा एडिशन सस्टेनेबिलिटी लीडरों द्वारा किए गए भविष्योन्मुखी कार्यों को बताने और बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है, जिसमें उनके सफलता के किस्से, प्रेरणा, जिम्मेदारी व्यापार और हरे भरे भविष्य को बढ़ावा देने में उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है।

ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड और सीएसआईआर-आईआईपी ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए एक समझौता किया

मुंबई, एजेंसी। संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (सीएसआईआर-आईआईपी) और ऑर्गेनिक रीसाइक्लिंग सिस्टम्स लिमिटेड (ओआरएसएल) ने कच्चे बायोगैस को संपीड़ित बायोगैस में अपग्रेड करने के लिए वैक्यूम स्विंग एडशोर्प्सन (वीएसए) तकनीक शुरू की है। (सीबीजी) ने कटिंग-एज वैक्यूम को लाइसेंस देने और संचालित करने के लिए एक समझौता किया है। समझौते पर 24 जून, 2024 को इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (एस एंड टी) और सीएसआईआर अध्यक्ष डॉ. द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। जितेंद्र सिंह जी और महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर, डॉ. एन कलाईसेल्वी जी की उपस्थिति में सीएसआईआर के वन वीक वन थीम कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान हस्ताक्षर किए गएद्य

इस समझौते के तहत, सीएसआईआर-आईआईपी, जो पेट्रोलियम रिफाइनिंग और जैव ईंधन में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है, अपनी स्वदेशी रूप से विकसित वीएसए तकनीक को जैविक रीसाइक्लिंग सिस्टम में स्थानांतरित करेगा। प्रौद्योगिकी को 350 एच/एच कच्चे बायोगैस को संसाधित करने, इसे पाइपलाइन-गुणवत्ता वाले बायो-मीथेन में परिवर्तित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परिणामस्वरूप बायोमेथेन न केवल नियामक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने वाले कड़े बीआईएस 16087:2016 विनिर्देशों को पूरा करता है, बल्कि विभिन्न परियोजनाओं और ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं और आवश्यकताओं के आधार पर उच्च विनिर्देशों को प्राप्त करने के लिए इसे और भी तैयार किया जा सकता है। यह लचीलापन सुनिश्चित करता है कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा कर सकती है, बायोगैस उन्नयन के लिए एक विश्वसनीय और अनुकूलित समाधान प्रदान कर सकती है। इस तकनीक द्वारा उत्पादित सीबीजी का उपयोग औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए ईंधन के रूप में और वाहन अनुप्रयोगों में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।

एक इंजीनियरिंग कंपनी है जो जैविक रीसाइक्लिंग सिस्टम, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और नवीन अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों के लिए प्रतिबद्ध है।

मोटुल ने ऑटो मैकेनिकों के लिए सेहत की समृद्धि पहल की शुरुआत की

भोपाल। भारत में प्रीमियम, हाई-परफॉर्मेंस इंजन ऑयल एवं इंडस्ट्रियल ल्यूब्रिकेंट का निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी, मोटुल इंडिया ने अपनी सीएसआर पहल, मोटुल सेहत की समृद्धि की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य ऑटो मैकेनिकों, उनके परिवार के लोगों और समुदाय के सदस्यों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाना है, जिसके तहत 27 जून, 2024 को भोपाल में शिविर का आयोजन किया। यह भारत के 20 शहरों में स्वास्थ्य जांच सेवाओं के लिए बड़े पैमाने पर आयोजित शिविरों की श्रृंखला का शिविर है। मोटुल इंडिया की अगुवाई में स्माइल फाउंडेशन के साथ मिलकर शुरू की गई यह पहल जून 2024 से मार्च 2025 तक जारी रहेगी, जिसमें पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे। चिकित्सा सेवाओं तक सीमित पहुँच वाले समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव को कम करने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की गई है। आने वाले 9 महीनों के दौरान 80 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनसे लगभग 16,000 लाभार्थियों को बड़े पैमाने पर चिकित्सा देखभाल की सुविधा मिलेगी।

आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग' पर आईआईटी मद्रास प्रवर्तक के नि:शुल्क ऑनलाइन कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

चेन्नई, एजेंसी। आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजीज फाउंडेशन ने गणित कोर्स के माध्यम से 'आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिंग' (ओओबीटी) में रजिस्ट्रेशन करने के उम्मीदवारों को आमंत्रित किया है। यह स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यरत प्रोफेशनल में भी रचनात्मक सोच को बढ़ावा देगा। यह ऑनलाइन कोर्स सभी के लिए नि:शुल्क है। 'ओओबीटी' प्रोग्राम चार स्तर का है। प्रत्येक 10 सप्ताह का होगा। नियतकालिक असाइनमेंट और समाधान भी दिए जाएंगे। आईआईटी मद्रास प्रवर्तक का लक्ष्य स्कूल और कॉलेज के दस लाख विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यरत प्रोफेशनलों और शोधकर्ताओं को भी इस कोर्स का लाभ देना है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 9 अगस्त 2024 है। ओओबीटी कोर्स (सभी चार स्तर) 10 अगस्त 2024 को शुरू होगा। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने ऐसे कोर्स की अहमियत बताते हुए कहा, ''जन-जीवन की समस्याओं का अभिनव समाधान देने के लिए 'आउट ऑफ द बॉक्स' थिंकिंग बहुत जरूरी है। गणित में आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच से रचनात्मकता बढ़ती है और लोग सामान्य फॉर्मूलों और विधियों से आगे की सोचते हैं, जिससे नए दृष्टिकोण और अभिनव समाधान सामने आते हैं।'' प्रो. वी. कामकोटि ने बताया, ''आउट-ऑफ-द-बॉक्स थिंकिंग से मौलिक सोच का कौशल बढ़ता है क्योंकि लोग पुरानी मान्यताओं पर सवाल उठाना, विकल्प ढूंढ़ना और विभिन्न दृष्टिकोणों से समाधानों का आकलन करना सीखते हैं।

जयन्त चौधरी ने निस्बड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पूर्व सैनिकों और अन्य इच्छुक उद्यमियों से मुलाकात की

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयन्त चौधरी ने आज राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) कैम्पस का दौरा किया और विभिन्न कार्यक्रमों के तहत विभिन्न ट्रेनिज़ और ट्रेनर्स से बातचीत की।

उन्होंने एक यूनिक एग्जीबिशन का भी दौरा किया, जिसमें जेल के कैदियों और अन्य सफल उद्यमियों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था, जिन्होंने निस्बड के तहत ईडीपी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। जेल के कैदियों द्वारा तैयार किए गए इन प्रोडक्ट को संस्थान द्वारा लखनऊ और वाराणसी जेल में आयोजित ईएसडीपी प्रोग्राम्स के दौरान प्रदर्शित किया गया। ये प्रदर्शनियाँ कैदियों पर कौशल विकास और उद्यमशीलता प्रशिक्षण के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित करती हैंजो विभिन्न सेक्टर्स और जनसांख्यिकी में उद्यमशीलता और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए निस्बड की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को रक्षा मंत्रालय के डायरेक्टरेट जनरल रिसेटलमेंट (डीजीआर) के अंतर्गत निस्बड में उद्यमिता विकास कार्यक्रम से गुजर रहे भूतपूर्व सैनिकों से मिलने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। डीजीआर द्वारा प्रायोजित यह पहल विशेष रूप से सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए तैयार की गई हैजिसका उद्देश्य उनके उद्यमिता ज्ञान और कौशल को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि ये सेवानिवृत्त सैनिक वेज़ एम्प्लयामेंट या सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्ति के बाद लाभदायक आजीविका अर्जित कर सकें। मंत्री ने उनके समर्पण और लचीलेपन की सराहना कीतथा यह स्वीकार किया कि वे अपनी नई उद्यमशील भूमिकाओं में समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखेंगे।निस्बड में 3000 से अधिक पूर्व सैनिकों ने ईडीपी ट्रेनिंग प्राप्त की है। मंत्रालय की विश्व बैंक द्वारा फंडेड संकल्प योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा के 19 जिलों के मास्टर ट्रेनर्स के एक समूह को भी निस्बड में प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

संक्षिप्त समाचार

अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाना लक्ष्य : मीराबाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है। तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, 'पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (तोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं। मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। अपने अमेरिकी फिजियो डॉ. आरोन हॉर्शिंग और कोच विजय शर्मा के साथ चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है। मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 प्रतिशत फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे।% उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है लेकिन मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर करने की होगी।

सुपरबेट चैस क्लासिक शतरंज

गुकेश नें जीत से खोला खाता

बुखारेस्ट, रोमानिया (एजेंसी)। ग्रांड चैस टूर के दूसरे पड़ाव सुपरबेट चैस क्लासिक के पहले राउंड में भारत के डी गुकेश नें शानदार जीत के साथ अपना खाता खोल लिया है, गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए रोमानिया के बोगदान डेनियल को मात दी। फीडे कैंडिडेट के विजेता बनने के बाद गुकेश का यह पहला क्लासिकल मुक़ाबला था। वहीं एक और जीत मिली यूएसए के फबियानों करूआना को उन्होने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देते जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें उज्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से, रूस के यान नेपोमनिशी नें फ्रांस के मकसीम वारचेर लागरेव से और यूएसए के वेसली सो नें नीदरलैंड के अनीश गिरि से ड्रॉ खेला। अगले राउंड में गुकेश का मुक़ाबला नेपोमनिशी से और प्रज्ञानन्दा का सामना मकसीम वारचेर लागरेव से होगा। 26 जून से 5 जुलाई तक खेले जाने वाले इस 9 राउंड के राउंड रॉबिन क्लासिकल टूर्नामेंट की पुरुस्कार राशि कुल 350000 डॉलर है।

दो साल में रोहित-द्रविड़ ने ऐसी पलटी बाजी

गयाना (एजेंसी)। भारत ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ 68 रनों से सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने अपनी पिछली हार का बदला भी ले लिया। अब भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से शनिवार को होगा। रोहित शर्मा की सेना इस मुकाबले में ऐतिहासिक जीत के साथ खिताब खिताब के सूखे को खत्म करना चाहेगी।

भारत ने लिया इंग्लैंड से बदला

बारिश से प्रभावित दूसरे सेमीफाइनल में गत चैम्पियन इंग्लैंड को 68 रन से हराकर टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबले में टीम इंडिया का सामना शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से होगा। टूर्नामेंट के 2007 के शुरूआती चरण की चैम्पियन भारतीय टीम इस तरह तीसरे टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंची। भारत ने इस जीत से 2022 में इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड से सेमीफाइनल में मिली 10 विकेट की हार का बदला भी चुकता किया।

रोहित शर्मा की कप्तानी - भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने का सबसे बड़ा श्रेय रोहित शर्मा की कप्तानी को जाता है। उनके सभी फैसले कारगर साबित हुए हैं। टीम इंडिया के खिलाड़ियों को बैक करना और उन्हें अगले मैच के लिए प्रोत्साहित करना कप्तान का सबसे सराहनीय कार्य रहा है। दिलचस्प बात यह है कि रोहित की कप्तानी में भारत ने सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं का फाइनल खेला है। इनमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023, वनडे विश्व कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 शामिल है।

बड़े मुकाबलों से पहले रोहित शर्मा का आक्रामक प्रदर्शन - मौजूदा टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में रोहित शर्मा भारत को अच्छी शुरुआत नहीं दिला पाए थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-8 मैच में उन्होंने विराट कोहली के आउट होने के बाद मोर्चा संभाला और 92 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत सेमीफाइनल में पहुंचा। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ भी रोहित का बल्ला जमकर गरजा और उन्होंने 39 गेंदों में 57 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 146.15 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और दो छक्के लगाए। रोहित का यह प्रयास भारत के लिए मास्टरकार्ड साबित हुआ।

रोहित-द्रविड़ की जोड़ी साबित हुई कारगर - रोहित शर्मा की कप्तानी और राहुल द्रविड़ की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। एडिलेड में खेले गए इस मुकाबले में भारत को करारी 10 विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भारतीय टीम को आईसीसी के कई टूर्नामेंट्स में भाग लेते देखा गया। रोहित-द्रविड़ के नेतृत्व में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल तक का सफर तय किया है। उम्मीद है कि इस बार दोनों भारत को खिताब दिलाने में कामयाब होंगे।

भारतीय टीम का एकजुट होकर खेलना - मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का एकजुट होकर खेलना टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ है। प्लेइंग 11 का हर खिलाड़ी महत्वपूर्ण योगदान देता नजर आ रहा है फिर चाहें टॉप ऑर्डर हो या मिडिल ऑर्डर। वहीं, निचले क्रम के खिलाड़ी भी भारत को जीत दिलाने में अहम योगदान दे रहे हैं।

टीम इंडिया की इंग्लैंड पर बड़ी जीत के 10 कारण

हार्दिक पांड्या का ऑलराउंड प्रदर्शन

भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचाने में हार्दिक पांड्या का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का वह सबसे अहम हिस्सा रहे हैं। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 22 ओवर गेंदबाजी की और आठ विकेट हासिल किए। वहीं, उनका इकोनॉमी रेट 7.77 का रहा। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने धमाल मचाया। सात मैचों में पांड्या ने एक अर्धशतक की मदद से 139 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में पांड्या ने 13 गेंदों में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 23 रनों की आक्रामक पारी खेली।

- **पंत की दमदार वापसी** - टीम इंडिया के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने इसी साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। पहले उन्होंने आईपीएल में अपने बल्ले से धमाल मचाया और अब वह टी20 विश्व कप 2024 में विस्फोटक बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक 171 रन बनाए हैं। स्टार खिलाड़ी भारत के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उम्मीद है कि आगामी मैच में भी पंत का बल्ला जमकर गरजेगा। इसके अलावा उनकी विकेटकीपिंग ने सभी को प्रभावित किया है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में पंत ने बटलर और मोईन अली को अपनी घातक विकेटकीपिंग के दम पर आउट किया।
- **सूर्यकुमार यादव का विस्फोटक प्रदर्शन** - भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने का एक कारण मिडिल ऑर्डर का प्रदर्शन भी है। सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी ने टीम इंडिया को खासा मजबूती दी है। उनका आक्रामक रवैया विरोधी गेंदबाजों के लिए मुसीबत और भारत के लिए वरदान साबित हुआ है। मौजूदा टूर्नामेंट में उन्होंने सात मैचों में 137.06 के स्ट्राइक रेट से 196 रन बनाए हैं।

कुलदीप और अक्षर की घातक गेंदबाजी

भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में स्पिनर्स का अहम योगदान रहा। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने वेस्टइंडीज की पिचों पर खासा प्रभाव छोड़ा। इंग्लैंड के खिलाफ दोनों गेंदबाजों ने तीन-तीन विकेट हासिल किए और भारत को उसकी पिछली हार का बदला लेने में मदद की। कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद दोनों की तारीफ करते हुए उन्हें गन स्पिनर्स (जिनके खिलाफ कोई भी रन बनाने से बचता है) करार दिया।

बुमराह की अगुवाई में तेज गेंदबाजी आक्रमण का घातक प्रदर्शन

पिछले टी20 विश्व कप में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी खली थी। वह पीठ में चोट की वजह से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं बन पाए थे। हालांकि, मौजूदा टूर्नामेंट में उनकी मौजूदगी में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। बुमराह की अगुवाई में तेज गेंदबाजी आक्रमण विरोधियों पर कहर बरपाने में कामयाब हुई है। टी20 विश्व कप 2024 में अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए सर्वाधिक 15 विकेट हासिल किए हैं। वहीं, बुमराह को 13 सफलताएं मिली हैं।

इन चार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी

पिछले सेमीफाइनल मैच के मुकाबले भारत की प्लेइंग 11 काफी बदली नजर आई। चार खिलाड़ी इस बार टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। इनमें केएल राहुल, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी शामिल हैं। चारों ही खिलाड़ी टी20 विश्व कप 2022 में भारत की इंग्लैंड के खिलाफ हार का सबसे बड़ा कारण रहे थे।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल 2024

आज करिश्माई भारत के सामने दमदार दक्षिण अफ्रीका की चुनौती

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम शनिवार को जब टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसके सामने पिछले 10 साल से अधिक के वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म करने की चुनौती होगी। अपने फाइनल तक के अभियान में दोनों टीमें अजेय रही हैं लेकिन बड़े टूर्नामेंटों के कई फाइनल मैचों को खेलने के अनुभव के कारण भारत का पलड़ा भारी होगा।

दक्षिण अफ्रीका 1998 के बाद पहली बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। टूर्नामेंट में भारत का अभियान पिछले साल घरेलू वनडे विश्व कप के समान ही रहा है, जहां वे फाइनल में पहुंचे थे लेकिन खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने उनसे बेहतर प्रदर्शन किया था। भारत यहां भी अब तक सर्वश्रेष्ठ टीम रहा है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार उनके सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका की आईसीसी स्पर्धाओं में एकमात्र जीत 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी (उस समय इसका नाम आईसीसी नॉक-आउट ट्रॉफी था) में हुई थी। टीम 'चोकर्स' के अपने तमगे को पीछे छोड़कर फाइनल में पहुंची है और वे खिताबी मुकाबले में भी इस तमगे को धत्ता बताने की कोशिश करेंगे। आईपीएल खिताब को अपनी अब तक सबसे बड़ी उपलब्धि बताने वाले उनके कुछ खिलाड़ियों के लिए विश्व कप ट्रॉफी सबसे बड़ा पुरस्कार होगा।

फाइनल में पहुंचकर कप्तान रोहित शर्मा की टीम को खास सलाह

कप्तान रोहित शर्मा ने दबाव में टीम इंडिया के शांत रहने की सराहना की है क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया है और अपनी टीम से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भी यही मानसिकता बनाए रखने का आग्रह किया है। भारत ने गुरुवार को इंग्लैंड पर 68 रन की जीत के साथ टी20 विश्व कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत का लक्ष्य आईसीसी टूर्नामेंटों में अपने हाल के सूखे को खत्म करना और 2007 में दक्षिण अफ्रीका में जीती गई टी20 विश्व कप ट्रॉफी के अलावा दूसरा टी20 विश्व कप जीतना है। रोहित ने कहा, हम एक टीम के रूप में बहुत शांत रहे हैं। मुझे पता है कि हम इस अवसर को समझते हैं। यह एक बड़ा अवसर है। लेकिन हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम शांत रहें क्योंकि मुझे लगता है कि शांत और संयमित रहने से आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद मिलती है। और यही वह चीज है जिसकी हमें आवश्यकता होगी।

गयाना में सेमीफाइनल में भारत की इंग्लैंड पर जीत के बाद बाद प्रशंसकों और विशेषज्ञों की भावनाओं को देखा जाए तो रोहित शर्मा की टीम खिताब की प्रबल दावेदार होगी। भारत की टीम का संयोजन कैरेबियाई देशों की पिचों के मुताबिक है। टीम इस मैच में पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में एक लाख दर्शकों के सामने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली एकदिवसीय विश्व कप फाइनल की निराशा को पीछे छोड़ने के लिए बेकरार है। विश्व कप खिताब जीत चुके एक कप्तान ने गयाना से बारबडोस की उड़ान के दौरान विमान में कहा, 'मैं जानता हूं कि आईसीसी फाइनल में भारत के साथ लंबे समय से समस्याएं रही हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि दक्षिण अफ्रीका कोई चुनौती पेश कर पाएगा।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

दक्षिण अफ्रीका - क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी

समय - मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे होगा।

सेमीफाइनल में भारत से हार पर बोले बटलर, इस प्लेयर को शामिल न करने का पछतावा

प्रोविडेंस (गुयाना) (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ अपनी टीम की 68 रनों की हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि गुयाना में मेन इन ब्लू ने उन्हें मात दी। मैच के बाद बटलर ने कहा कि भारत सेमीफाइनल मैच में थ्री लायंस पर जीत का हकदार था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने हमें मात दी। वे जीत के पूरी तरह हकदार थे। इसलिए, हां मुझे लगा कि उनका स्कोर औसत से बेहतर था। मैं उन्हें उस पिच पर संभवतः 145 - 150 तक सीमित रखने की उम्मीद कर रहा था। वहां से पीछा करना हमेशा कठिन होने वाला था। उन्होंने कहा कि पहली पारी के पावरप्ले में गेंदबाजी करते समय अंग्रेज किस्मत के साथ नहीं खेले। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने पावर प्ले में थोड़ी किस्मत के बिना गेंदबाजी की, कुछ करीबी कॉल आए। लेकिन, हां मुझे लगता है कि पीछे देखने और सोचने का लाभ, मैं निश्चित रूप से मैच में मोइन (अली) को शामिल कर सकता था। इसलिए, हां यहां-वहां कुछ-कुछ हुआ। मैच की बात करें तो आखिरकार टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम ने क्रिकेट इतिहास की अपनी दो बड़ी हार का बदला ले ही लिया। वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया तो 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार को भारतीय दर्शक भूले नहीं थे।

सब कुछ भारत के टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचने के लिए तैयार था : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन

ग्याना (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के हारने के बाद पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि जोस बटलर की अगुआई वाली टीम एक ऐसी टीम से हारी जिसने इस टूर्नामेंट में सभी आधार कवर किए थे। ग्रुप स्टेज अभियान में उतार-चढ़ाव के बाद जोस बटलर की टीम ने यूएसए को हराकर शानदार तरीके से अगले दौर में जगह बनाई। हालांकि वे भारत को मात नहीं दे सके। भारत अब शनिवार 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

हुसैन ने अपने कॉलम में लिखा, गुरुवार को सब कुछ भारत के टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचने के लिए तैयार था - सतह, स्थल, सब कुछ उनके पक्ष में लग रहा था। लेकिन अगर आप चीजों को और विस्तार से देखें, तो वे इंग्लैंड के खिलाफ इस सेमीफाइनल में सेंट लूसिया में उछाल वाली, अच्छी पिच पर 50 ओवरों के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद आए थे और फिर कम, धीमी पिच पर वापस आकर आराम से जीत गए।

उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने खेला, उसके लिए उन्हें बधाई और यह सही लगता है कि टूर्नामेंट में दो अजेय टीमें भारत और दक्षिण अफ्रीका शनिवार को बारबाडोस में आमने-सामने होंगी।

हुसैन ने अपने कॉलम में लिखा, गेंद को नीचे रखने वाले तेज गेंदबाजों और बिना उछाल के उसे घुमाने वाले स्पिनरों के संयोजन ने 171/7 के स्कोर को बचाव के लिए काफी अच्छा स्कोर बना दिया और रोहित शर्मा ने अपने पसंदीदा शॉट - पुल - को समीकरण से बाहर करके एक और अर्धशतक बनाकर अपनी क्लास दिखाई।

इंग्लैंड दौरे के लिए विंडीज टीम घोषित, केमार रोच की जगह नए गेंदबाज की एंट्री

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इंग्लैंड में 10 जुलाई, 2024 से लॉर्ड्स में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की रिचर्ड्स बॉथम श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप के दौरान घुटने की चोट से रोच के पुनर्वास के कारण केमर रोच की जगह सेंट किट्स एंड नेविस के तेज गेंदबाज जेरेमिया लुइस को लिया गया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि अंग्रेजी परिस्थितियों में केमर के कौशल और अनुभव को याद किया जाएगा। हालांकि जेरेमिया लुइस लंबे समय से यह अवसर लेना चाह रहे थे। उनके पास निश्चित रूप से इंग्लैंड में प्रभाव डालने का कौशल और अनुभव है। रिचर्ड्स बॉथम श्रृंखला, जिसका नाम वेस्टइंडीज के दिग्गज सर विवियन रिचर्ड्स और इंग्लैंड के महान लॉर्ड इयान बॉथम के नाम पर रखा गया है, 1928 से चली आ रही एक ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता है, जब वेस्टइंडीज ने पहली बार इंग्लैंड का दौरा किया था।

टीम टोनब्रिज स्कूल में एक प्रशिक्षण शिविर में है और 4 जुलाई से बेकेनहैम में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। 19 वर्षीय तेज गेंदबाज इसाई थॉर्न टीम में शामिल होंगे।

इंग्लैंड को सेमीफाइनल में हराकर रोने लगे रोहित शर्मा, विराट कोहली ने संभाला

ग्याना (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में प्रवेश किया और इसी के साथ ही टीम इंडिया का एडिलेड में 10 विकेट से हार का बदला भी चुकता हो गया। इस जीत के बाद रोहित शर्मा रोते हुए नजर आए जिसके बाद विराट कोहली ने उन्हें सांत्वना दी।

भारत ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड को 68 रनों से हराकर सात महीने में अपने दूसरे विश्व कप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। रोहित ने धैर्य बनाए रखा। भारत ने 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 103 रनों पर ढेर कर दिया और हाथ मिलाने और एक-दूसरे से बातचीत करने के बाद रोहित चुपचाप ड्रेसिंग रूम की बालकनी में बैठ गए और अपने विचारों में खो गए। रोहित के साथी विराट कोहली ने अपने कप्तान के चहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। रोहित उस कुर्सी पर बैठ गए, उनका ध्यान पहले से ही शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले फाइनल पर था।

पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कमेंट्री में भारतीय कप्तान के मूड को पूरी तरह से व्यक्त करते हुए कहा, आप रोहित शर्मा के चेहरे पर राहत देख सकते हैं। उस कुर्सी पर बैठे हुए। वह क्या सोच रहे होंगे? मैं आपको बताता हूं... वह पहले से ही ब्रिजटाउन की ओर देख रहे हैं। शनिवार को क्या होने वाला है... फाइनल?

पिछले साल रोहित ने भारत को तीन आईसीसी इवेंट के फाइनल में पहुंचाया है - जून 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, नवंबर में 50 ओवरों का विश्व कप और अब यह। हां, सभी ने सात महीने पहले कहा था कि यह भारत के लिए विश्व कप जीतने का सबसे अच्छा मौका है, लेकिन अब से 36 घंटे बाद जो होने वाला है, उससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यह उचित ही है कि टूर्नामेंट में दो अजेय टीमें टी20 विश्व कप फाइनल खेलें। लेकिन भारत के लिए, एक दशक लंबे इंतजार को खत्म करने का इससे बेहतर मौका और नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

देर रात स्नैक्स खाने का मन करे तो बादाम एवं ग्रीक योगर्ट खायें: रोहिणी पाटिल

नईदिल्ली, एजेंसी। देर तक काम करते समय या दोस्तों के साथ देर रात स्नैक्स का आनंद उठाना मजेदार हो सकता है, लेकिन हम क्या खाते हैं, उसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। अनहेल्दी खाने से वजन बढ़ने, मेटाबॉलिक समस्यायें और पाचन संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। डॉ. रोहिणी पाटिल, एमबीबीएस और न्यूट्रीशनिस्ट ने सलाह देते हुए कहा कि यदि आपको देर रात स्नैक्स खाने का मन करता है तो बादाम एवं ग्रीक योगर्ट खायें, क्योंकि इनसे आपको संतुष्टि मिलती है और ये स्नैक्स वजन घटाने में मदद करते हैं और सम्पूर्ण सेहत को बढावा देते हैं। ये फूड्स न सिर्फ आपकी क्रेविंग्स या भूख को खत्म करते हैं, बल्कि वजन घटाने और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी सहायक हैं। बादाम एक बेहतरीन विकल्प है और अनावश्यक वजन बढ़ने से बचने के लिए आप इसे कभी भी खा सकते हैं। इससे डायबिटीज़ और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

अगर समय पूर्व जन्मे शिशुओं को शुरू से ही सही इलाज मिल जाए तो वो एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं: डॉ. जेम्स

नईदिल्ली, एजेंसी। सिडनी विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि जन्म के तुरंत बाद 90 से 100 प्रतिशत सांद्रता की ऑक्सीजन देकर समयपूर्व जन्मे शिशुओं की मौत का जोखिम कम किया जा सकता है, जिन्हें साँस लेने में दिक्कत होती है। सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए नए अनुसंधान में सामने आया है कि समयपूर्व जन्मे शिशुओं को जन्म के तुरंत बाद कम सांद्रता की ऑक्सीजन देने की बजाय उच्च सांद्रता की ऑक्सीजन देकर मौत के जोखिम में 50 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है।

सिडनी विश्वविद्यालय के एनएचएमआरसी क्लिनिकल ट्रायल्स सेंटर के मुख्य लेखक, डॉ. जेम्स सोटिरोपोलस ने कहा अगर समयपूर्व जन्मे शिशुओं को शुरू से ही सही इलाज मिल जाए, तो वो एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं। और इलाज शुरू करने का सबसे अच्छा समय जन्म के तुरंत बाद होता है। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य होना चाहिए -सही संतुलन बनाना, यानी हम मृत्यु और विकलांगता से बचाने के लिए उतनी ही पर्याप्त ऑक्सीजन दें, जिससे महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान न पहुँचे। उन्होंने आगे बताया ये परिणाम आशाजनक और भविष्य में प्रक्रिया को बदलने वाले हैं, पर इनके लिए विस्तृत अध्ययन करके इनकी पुष्टि किए जाने की जरूरत है। डॉ. एना लेने सीडलर, एनएचएमआरसी क्लिनिकल ट्रायल्स सेंटर ने कहा इस बारे में वार्ता अभी भी चल रही है कि समयपूर्व जन्म लेने वाले शिशुओं के लिए लगभग कितनी ऑक्सीजन सबसे अच्छी है सभी का उद्देश्य नवजात शिशुओं के लिए सर्वश्रेष्ठ इलाज का निर्धारण करना है उन्होंने कहा हमारे अध्ययन एवं इस समय चल रहे अन्य अनुसंधानों से सबसे नाजुक समयपूर्व जन्मे बच्चों को जीवित बचाने के सर्वश्रेष्ठ अवसर प्रदान करने में मदद मिल सकती है उन्होंने आगे कहा हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमें इस मामले में अत्यधिक सहयोगपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय समूह के साथ काम करने का अवसर मिला, जिनमें से कुछ दशकों से इस विषय में अध्ययन कर रहे हैं।

कुलपतियों की नियुक्ति पर राजभवन और सुक्खू सरकार में ठनी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में पारित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्तियों के विधेयक को लेकर हिमाचल राजभवन और कांग्रेस की सुक्खू सरकार में ठन गई है। सूबे के कृषि मंत्री के हालिया बयान पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आपत्ति जताई है। राज्यपाल ने गुरूवार को राजभवन में अचानक पत्रकार वार्ता बुलाई और कहा कि पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति को लेकर कृषि मंत्री बार-बार बयान दे रहे हैं कि नियुक्ति सम्बंधी विधेयक मंजूरी के लिए राजभवन में अटका है, जबकि यह विधेयक राज्य सरकार के पास ही है। राजभवन ने इसे टिप्पणी के लिए राज्य सरकार को भेजा है, जिस पर सरकार ने फैसला लेना है, ऐसे में राजभवन पर दोषारोपण करना गलत है। इस मामले पर राज्यपाल शुक्ल बोले पद की गरिमा के खिलाफ़ कोई भी काम नहीं करूंगा।

फडणवीस-उद्धव की लिफ्ट वाली गुप्त बैठक के बाद अटकलें तेज

चंद्रकांत पाटिल ने भी की मुलाकात

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में एनडीए के खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) के संबंधों को लेकर कयासबाजी होने लगी है। विधानसभा में एक लिफ्ट के बाहर भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे की आकस्मिक मुलाकात ने कई अटकलों को जन्म दिया। दोनों नेताओं को सिर्फ कुछ शब्दों का आदान-प्रदान करते हुए ही नहीं देखा, बल्कि दोनों लिफ्ट में साथ गए। बाद में जब इस बारे में पूछा गया तो महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर कहा कि वे अपनी सभी गुप्त बैठकें लिफ्ट में करेंगे।

आपको बता दें कि विधानमंडल के अंतिम सत्र के पहले दिन मीडिया में उस समय हड़कंप मच गया जब फडणवीस लिफ्ट का इंतजार कर रहे उद्धव ठाकरे से टकरा गए। उन्होंने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी को लिफ्ट में साथ चलने का इशारा किया। पहले से ही अंदर मौजूद कुछ लोगों को बाहर निकलने के लिए कहा गया। मुस्कुराते हुए उद्धव ठाकरे ने उनकी बात मानी

और ग्राउंड फ्लोर से ऊपर की मंजिल पर चले गए जहां विधानसभा स्थित है। लिफ्ट से बाहर निकलने के बाद दोनों विपरीत दिशाओं में चले गए। बाद में जब मीडियाकर्मियों ने उद्धव ठाकरे से पूछा कि दोनों नेताओं ने किस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि यह महज एक संयोग था और इससे ज्यादा कुछ नहीं। आपको बता दें कि भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल शिवसेना (यूबीटी) के चैंबर में उद्धव ठाकरे, विपक्ष के नेता (विधान परिषद) अंबादास दानवे, पूर्व मंत्री अनिल परब और अन्य लोगों से मिलने पहुंचे। वहां खुशी का माहौल था। पाटिल ने चॉकलेट भी बांटी और परब को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं दीं। आपको बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए एमएलसी चुनाव का परिणाम 1 जुलाई को आने की उम्मीद है। शिवसेना नेता भरत गोगावले ने हालांकि भाजपा और ठाकरे की शिवसेना के बीच किसी भी तरह की बातचीत की संभावना से इनकार किया। मानसून सत्र से पहले ठाकरे ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए इसे लीकेज सरकार बताया और कहा कि लोग जल्द ही इसे टाटा, बाय-बाय कहेंगे। उन्होंने कहा, आज महाराष्ट्र विधानसभा का मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है, लेकिन लोग इस सरकार को टाटा, बाय-बाय कह रहे हैं। यह सरकार कल बजट की घोषणा करेगी। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे हमें बताएं कि उन्होंने महाराष्ट्र पर कितना पैसा खर्च किया। यह एक लीकेज सरकार है। राम मंदिर में लीकेज हो रहा है और पेपर लीक का मामला भी है।

सरगुजा में नेपाली व्यापारी ने पूरे गांव को बनाया ठगी का शिकार, लाखों लूटकर हुआ फरार

सरगुजा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सरगुजा थाना क्षेत्र में एक ठगी का मामला सामने आया है। अनाज व्यापारी राजू राय नेपाली ने अपने क्षेत्र के आसपास के कई किसानों और ग्रामीणों को ठगी का शिकार बनाया है। व्यापारी ने थाना क्षेत्र के लरंगसाय चौक पर दुकान लगाकर अनाज महुआ समेत कई अनाजों की खरीदी-बिक्री करता था। वह किसानों से उधार में खरीदी करता और मुनाफा जोड़कर बेचता था। इस दौरान आरोपी ने लोगों से लाखों रुपए का महुआ, सरसों, गेहूं सहित अन्य चीजें खरीदा और बिना पैसे दिए ही फरार हो गया। इसके बाद लोग इस घटना के संबंध में शिकायत करने रामानुजगंज थाना पहुंचे। बताया जा रहा है कि लगभग 29 लाख रुपए लेकर फरार हुआ है। राजू नेपाली ने क्षेत्र के कई किसानों और लोगों को ठग कर फरार हो गया है। उसके पास ग्राहक जमे हुए थे। अधिकतर ग्राहक उनके पास अनाज बेचने के लिए जाते थे। ग्राहक उधारी में भी व्यापारी को समान बेच देते थे। इस दौरान उसने लोगों से महुआ, सरसों, गेहूं सहित अन्य चीजों की खरीदी उधार में की थी। लोगों का भरोसा तोड़कर, मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। बता दें कि व्यापारी ने अपना घर भी बेच दिया है। साथ ही अपने परिवार सहित फरार हो गया। इससे लगभग 25 लोग ठगी का शिकार हुए हैं। रामानुजगंज थाना प्रभारी ललित यादव के मुताबिक ग्रामीणों की सूचना के बाद एफआईआर दर्ज किया गया है।

किरोड़ी लाल और मदन दिलावर में हो गई सुलह, तबादलों पर विभाग ने लिया यू-टर्न

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में तबादलों को लेकर आमने-सामने हुए कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के बीच सुलह हो गई है। दिलावर के विभाग ने अब यू-टर्न ले लिया है। पंचायती राज विभाग का कहना है कि हमें कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की मंजूरी के बाद किए गए तबादलों को रोकने के आदेश से अब पंचायतीराज विभाग ने यू-टर्न ले लिया है। पहले कृषि विभाग से जिला परिषदों और पंचायत समितियों में इंजीनियरों के ट्रांसफर, पोस्टिंग को गलत बताने के आदेश को अब पंचायतीराज विभाग ने नए आदेश में लिखा है कि हमें कोई आपत्ति नहीं है। बता दें कृषि विभाग ने पिछले दिनों इंजीनियरों के तबादले कर उन्हें जिला परिषदों और पंचायत समितियों में पोस्टिंग दे दी। इन तबादलों के लिए कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की मंजूरी ली गई, लेकिन अब मदन दिलावर का पंचायत राज विभाग इस ट्रांसफर पर रोक लगाते हुए आपत्ति जता रहा है। पंचायत राज विभाग ने कृषि विभाग के आदेश को मानने से इनकार कर दिया है। इसको लेकर पंचायती राज विभाग ने सभी जिला परिषद को लेटर लिखकर कृषि विभाग से आए इंजीनियरों को ज्वाइन नहीं करवाने और उन्हें फिर से मूल विभाग में भेजने के आदेश दिए हैं। भजनलाल सरकार के कार्यकाल में दो विभागों के बीच अब टकराव देखने को मिल रहा है। इस टकराव के पीछे की वजह ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग है, क्योंकि सरकार ने इस विभाग को दो मंत्रियों में बांट दिया है। इसमें ग्रामीण विकास विभाग किरोड़ी लाल मीणा के पास है, जबकि इस विभाग का दूसरा हिस्सा पंचायती राज मदन दिलावर के पास है।

स्वास्थ्य मंत्री का हिमाचल को बड़ा तोहफा, अब आपदा में 8 मिनट में तैयार हो जाएगा अस्पताल

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में अब कहीं भी बड़ी प्राकृतिक आपदा या फिर मानवीय संकट के दौरान भीष्म प्रोजेक्ट के जरिए तुरंत इलाज की सुविधा की जा सकेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान बिलासपुर में आपदा अस्पताल अरोग्य मैत्री उपलब्ध होगा। अगले दो से तीन महीनों के अंदर एम्स में यह महत्त्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। खास बात यह है कि आपात स्थिति में जरूरत पड़ने पर मोबाइल यूनिट को हेलिकॉप्टर या फिर ट्रक के माध्यम से स्पॉट पर ले जाया जाएगा। कहीं भी आपदा होने पर इस अस्पताल को महज आठ मिनट में तैयार कर मरीजों का इलाज शुरू किया जा सकता है। लगभग 720 किलो के 36 बॉक्स में इसका सारा सामान आ जाता है, जिसे

हेलिकॉप्टर से नीचे फेंकने पर भी बॉक्स नहीं टूटते हैं और न ही पानी का असर होता है।

इस बारे में जानकारी देते हुए बिलासपुर के उपायुक्त आबिद हुसैन सादिक ने बताया कि एम्स बिलासपुर में भीष्म प्रोजेक्ट के तहत मोबाइल अस्पताल की सुविधा अगले दो से तीन महीने में शुरू हो जाएगी। कहीं भी बड़ी आपदा व घटना होने पर त्वरित उपचार के लिए एम्स के डॉक्टर्स टीम व अन्य स्टाफ पूरे सेट के साथ स्पॉट पर पहुंचेंगे और एक साथ 200 घायलों का इलाज किया जा सकेगा। सेट में एक्स-रे, ब्लड सैंपल, वेंटिलेटर, आपरेशन थियेटर, दवाइयां व अन्य उपकरण और सारा जरूरी सामान उपलब्ध होगा। एम्स ने अलग से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार किया है, जो कि आपदा के दौरान लोगों का समय पर इलाज के लिए महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बता दें कि हिमाचल प्रदेश में बीते साल बारिश के मौसम में भीषण तबाही आई थी। इस दौरान कई लोगों की मौत हुई थी। हिमाचल प्रदेश की तबाही का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सुक्खू सरकार ने केंद्र सरकार से इस आपदा के बाद अलग सहायता की मांग की थी। अब हिमाचल प्रदेश में आपदा को देखते हुए सरकार ने अस्पताल की सुविधा जल्दी पहुंचाने के लिए यह निर्णय लिया है।

अध्ययन: कनाडा के जंगल की आग ने बढ़ाई दुनिया में गर्मी, भारत के मुकाबले अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। कनाडा के जंगलों में साल 2023 में गर्मी की वजह से लगी भयावह आग ने भारत के मुकाबले अधिक कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी। गर्मी पैदा करने वाली इस गैस ने भारत में जलाए गए जीवाश्म ईंधन के मुकाबले दुनिया में अधिक प्रदूषण फैलाने के साथ ही तापमान में भी इजाफा किया। यह खुलासा विश्व संसाधन संस्थान और मैरीलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के ग्लोबल चेंज बायोलॉजी में प्रकाशित एक नए अध्ययन में किया गया। शोध में देखा गया कि कनाडा के जंगल की इस आग की छोड़ी कार्बन डाइऑक्साइड से पश्चिमी वर्जीनिया से भी बड़ा जंगल जल उठा था। वैज्ञानिकों ने 2023 में कनाडा में महीनों तक जलने वाली आग के विनाशकारी प्रभाव का आकलन किया। इसके मुताबिक, इसने हवा में 3.28 बिलियन टन गर्मी पैदा करने वाली कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ी थी।

647 मिलियन कारों के जितना हवा में छोड़ी गई कार्बन डाइऑक्साइड: यूएस पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, यह कार्बन डाइऑक्साइड की लगभग उतनी ही मात्रा है जितनी 647 मिलियन कारें एक वर्ष में हवा में छोड़ती हैं। इस आग से एक साल में हवाई जहाजों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन के मुकाबले लगभग चार गुना उत्सर्जन अधिक हुआ। अध्ययन के मुख्य लेखक और डब्ल्यूआरआई के ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के शोध सहयोगी जेम्स मैककार्थी ने यह आकलन प्रस्तुत किया है।

जलवायु परिवर्तन की भी बड़ी भूमिका: सिरैक्यूज विश्वविद्यालय के भूगोल और पर्यावरण के प्रोफेसर जैकब बेंडिक्स ने कहा कि इतने सारे जंगल का नुकसान बहुत बड़ी बात है और वैश्विक दृष्टि से बेहद चिंताजनक है लेकिन इसमें जलवायु परिवर्तन की भी बड़ी भूमिका है।

अमेरिकी जांच एजेंसी ने 737 मैक्स घटना की जांच का ब्योरा साझा करने पर लगाया प्रतिबंध

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विमान विनिर्माता बोइंग को अमेरिकी संघीय जांच के बारे में जानकारी मीडिया के साथ साझा करने पर अमेरिकी जांचकर्ता उसे प्रतिबंधित करने जा रहे हैं। यह मामला इस साल पांच जनवरी को बोइंग 737 मैक्स 9 विमान में एक बड़ा छेद होने के कारण पैदा हुई आपात स्थिति की जांच से संबंधित है। हालांकि, पायलट विमान को बिना किसी क्षति के सुरक्षित उतारने में सफल रहे थे।

राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बोइंग ने विमान में आपात दरवाजे की जगह पर लगाए गए डोर प्लग के निकल जाने के बारे में मीडिया को गैर-सार्वजनिक जांच जानकारी देकर और घटना के संभावित कारणों के बारे में अटकलबाजी कर एजेंसी के जांच नियमों का 'स्पष्ट उल्लंघन किया है। यह घटना ओरेगन के पोर्टलैंड में पांच जनवरी को हुई थी जिसमें बोइंग का 737 मैक्स 9 विमान किसी बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचा था। अलास्का एयरलाइंस के इस विमान में अतिरिक्त आपातकालीन दरवाजे वाली जगह को एक पैनल से ढंका गया था लेकिन यह पैनल उखड़ गया। हालांकि, पायलट बिना किसी नुकसान के विमान को सुरक्षित रूप से

उतारने में सफल रहे थे।

एनटीएसबी ने कहा कि मंगलवार को बोइंग के एक अधिकारी ने मीडिया को अलास्का एयरलाइंस की घटना के बारे में जांच संबंधी गैर-सार्वजनिक जानकारी दी थी। लेकिन यह सूचना सत्यापित नहीं थी और जारी करने के लिए अधिकृत नहीं थी। एनटीएसबी ने कहा कि बोइंग ने एनटीएसबी की जांच को डोर प्लग उखड़ने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की तलाश के रूप में पेश किया, लेकिन एजेंसी ने कहा कि यह दुर्घटना के संभावित कारण पर केंद्रित है और वह किसी व्यक्ति पर दोष नहीं लगा रही है। बोइंग ने जांच एजेंसी की टिप्पणी पर अबतक कोई जवाब नहीं दिया है।

आदत से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान! फिर यूएन में अलापा कश्मीर राग; भारत ने लगाई लताड़

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापा। इसे लेकर भारत ने उसे लताड़ लगाई है। भारत ने कहा कि बच्चों के खिलाफ गंभीर अपराधों से ध्यान भटकाने का यह पाकिस्तान का आदतन प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम द्वारा बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर खुली बहस के दौरान परिषद में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किए जाने के बाद भारत की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर. रवींद्र ने कहा, ÷जहां तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का सवाल है, वे भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे।÷ यह लगातार दूसरा दिन था, जब मुनीर ने संयुक्त राष्ट्र में अपनी टिप्पणी में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत ने उसे कड़ी प्रतिक्रिया दी।

पाकिस्तान में 73 बच्चों के खिलाफ 78 गंभीर उल्लंघन की सूचना: बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर महासचिव की रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान में 73 बच्चों (13 लड़के, सात लड़कियां, 53 लिंग अज्ञात) के खिलाफ कुल 78 गंभीर उल्लंघन की सूचना मिली थी। रिपोर्ट में जनवरी से दिसंबर 2023 तक की अवधि की घटनाओं को शामिल किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने रिपोर्ट पर पाकिस्तान को लेकर टिप्पणी की: रिपोर्ट में पाकिस्तान के बारे में अपनी टिप्पणी में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि मैं रिपोर्ट किए गए गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि, विशेष रूप से बच्चों की हत्या और अपंगता, स्कूलों के खिलाफ हमलों और अफगानिस्तान के साथ सीमा क्षेत्रों में घटनाओं के बारे में चिंतित हूं।

महिलाओं को आपात स्थिति में होगी गर्भपात की इजाजत, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

इडाहो (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक चौंकाने वाले फैसले में इडाहो के कड़े गर्भपात प्रतिबंध से जुड़ी अपील को खारिज किया। गर्भपात अधिकार समर्थकों के लिए इस फैसले को एक जीत माना जा रहा है। यह फैसला भविष्य में महिलाओं को आपात स्थिति में गर्भपात की अनुमति देगा। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। शीर्ष अदालत ने आज एक निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसमें चिकित्सा आपात स्थिति में इडाहो में गर्भपात को जारी रखने की अनुमति दी गई थी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले गलती से शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर एक विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें कहा गया था कि चिकित्सा आपात स्थिति में राज्य में गर्भपात की अनुमति दी जाएगी। हालांकि बाद में इस बयान को हटा दिया गया। इडाहो अमेरिका का एक ऐसा राज्य है, जिसे गर्भपात पर सख्त पाबंदियों के लिए जाना जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129